राष्ट्रीय दैनिक

# प्रात:किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 विश्व कप के बीच क्रिकेट के अधिकारी ने मांगी भारत से ...

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले ईवीएम को लेकर एलन मस्क .... 12

वर्ष : 15 | अंक : 66 | नई दिल्ली, सोमवार, 17 जून, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

**मौसम**

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%

नहीं 50%

कह नहीं सकते 10%

**बाजार**

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

# गंगा दशहरा के मौके पर स्नान के दौरान डूबने से 9 लोगों की मौत

## पटना व भोजपुर में चार चार तो बेगूसराय में एक की जान गई



प्रात : किरण

पटना। बिहार में गंगा दशहरा के दौरान गंगा में नहाने से पटना में गंगा नदी में डूबने से नौ की मौत की खबर है। पटना व भोजपुर में चार चार तो बेगूसराय में एक की जान गई। पटना के बाढ़ में अचानक नाव पलट गई। नाव पर सवार परिवार के 17 लोग नदी में डूबने लगे। फौरन स्थानीय तैराकों और नाविकों उन्हें बचाने की कोशिश करने लगे। 13 लोगों को किसी तरह बाहर निकाला गया। परिवार के चार लोगों की तलाश जारी है।

वहीं, भोजपुर में डूबने से चार लोगों की मौत हो गई। घटना बिहार और यूपी के सीमावर्ती क्षेत्र शिवपुर गंगा घाट के पास की है। सभी मृतक बिहियां थाना क्षेत्र के खरौनी गांव के रहने वाले बताए गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर एसडीआरएफ के साथ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंच गई है। लापता चारों लोगों की नदी में तलाश शुरू कर दी गई है। घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ भी मौजूद है।

जानकारी के अनुसार, गंगा दशहरा के मौके पर बहोरनपुर थानाक्षेत्र के शिवपुर गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह से ही उमड़ने लगी थी। सैकड़ों लोग गंगा में स्नान करने पहुंचे थे। इसी दौरान चार लोगों के गंगा में डूबने के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। घटना के बाद लापता चारों लोगों के परिजनों में कोहराम मच गया है। भोजपुर डीएम राजकुमार ने बताया कि घटना सूचना जैसे ही मिली, वैसे ही जगदीशपुर के एसडीएम और डीएसपी को घटनास्थल पर भेज दिया गया है। अधिकारी मौके पर पहुंच कैंप कर रहे हैं। वहीं, मृत छात्र के परिजनों ने बताया कि लव कुमार अपने चार दोस्तों के साथ गंगा स्नान करने के लिए गया था, लेकिन हादसा हो गया।

गंगा में डूबे सभी चार लोग बिहियां थाना क्षेत्र के खरौनी गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। चारों मृतकों की पहचान दीपू यादव, सोनू यादव, निशु शर्मा और रामजी गोंड के रूप में हुई है। भीषण गर्मी और कड़ी धूप के कारण चारों को तलाश करने में परेशानी आ रही है। हालांकि एसडीआरएफ के साथ-साथ स्थानीय गोताखोरों की टीम भी नदी में डूबे लोगों की तलाश में जुटी है।

भोजपुर डीएम राजकुमार ने बताया कि घटना सूचना जैसे ही मिली, वैसे ही जगदीशपुर के एसडीएम और डीएसपी को घटनास्थल पर भेज दिया गया है। अधिकारी मौके पर पहुंच कैंप कर रहे हैं। जो घटना हुई है वह कानूनी रूप से यूपी के लालगंज ओपी क्षेत्र की है। यूपी प्रशासन को सूचना दी गई है। एसडीआरएफ टीम पहुंच गंगा में शवों को ढूंढ रही है।

बेगूसराय जिले में भी रविवार को गंगा दशहरा के अवसर पर गंगा स्नान के दौरान एक छात्र की डूबकर दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। घटना साहेबपुरकमाल थाना क्षेत्र के कुरहा स्थित गंगा घाट की है। मृतक छात्र की पहचान साहेबपुरकमाल थाना क्षेत्र के बाबूराही गांव निवासी विद्यानंद यादव के बेटे लव कुमार (16) के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि लव कुमार अपने चार दोस्तों के साथ गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर गंगा स्नान करने के लिए गंगा घाट पर पहुंचा था।

### मुख्यमंत्री ने हादसे में हुई मौत पर जताया शोक

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भोजपुर जिले के शिवपुर गंगा घाट पर 04 बच्चों के डूबने से हुयी मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह घटना अत्यंत दुखद है। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

### नाव हादसे में चार लोग लापता, तलाश जारी

#### गंगा दशहरा पर नहाने गए थे, अचानक नदी में पलटी नाव



पटना। पटना में गंगा नदी में अचानक नाव पलट गई। नाव पर सवार परिवार के 17 लोग नदी में डूबने लगे। फौरन स्थानीय तैराकों और नाविकों उन्हें बचाने की कोशिश करने लगे। 13 लोगों को किसी तरह बाहर निकाला गया। वहीं, परिवार के चार लोगों की तलाश जारी है। इधर, घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस एसडीआरएफ की टीम की मदद से गंगा नदी में सर्च ऑपरेशन चला रही है। लापता लोगों की तलाश जारी है।

**13 लोगों को बाहर निकाल लिया गया :** इधर, घटना की पुष्टि करते हुए बाढ़ थाना प्रभारी ने बताया कि उमानाथ घाट पर रविवार को गंगा दशहरा के अवसर पर लोग गंगा स्नान करने आए थे। नाव पलटने से परिवार के 17 लोग नदी में डूबने लगे। इनमें से 13 लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। वह फिलहाल ठीक है। इधर, एसडीआरएफ की टीम ने छह लोगों को तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। इनमें से दो लोगों को बचाकर नदी से बाहर निकाल लिया गया। वहीं चार लोगों की तलाश जारी है। इसमें एनएचएआई के एक सेवानिवृत्त अधिकारी अवधेश प्रसाद भी लापता हैं। अवधेश प्रसाद एक माह पहले ही सेवानिवृत्त हुए हैं। जबकि उनकी पत्नी को बचा लिया गया है।

**चार लोगों की तलाश जारी है :** गंगा नदी में नाव पलटने की हादसा में नदी में लापता चार लोगों में अवधेश कुमार 60 वर्ष, हरदेव प्रसाद 65 वर्ष, नीतीश कुमार 30 वर्ष एवं मंजू देवी 45 वर्ष शामिल हैं। यह सभी नालंदा के मालती गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। गंगा नदी में शव तलाशने की अभियान जारी है। बताया जा रहा है कि अवधेश कुमार अपने घर में किसी के गमी के बात गंगा स्नान में रविवार को शुद्धिकरण के लिए पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि गंगा स्नान करके वापस लौट के क्रम में अचानक नाव अनियंत्रित होकर बीच गंगा में पलट गई। इसी क्रम में गंगा दशहरा के अवसर पर गंगा नदी में छोटे-छोटे नाव जो भ्रमण कर रहे थे। उनके द्वारा गंगा नदी में गिरे लोगों को किसी तरह बचाया गया, जबकि चार लोग इस हादसे में गंगा नदी में लापता हो गए। एसडीआरएफ की टीम शव को तलाश करने में जुटी है।

## संक्षिप्त खबरें

### मुख्यमंत्री ने सड़क हादसे में 02 लोगों की मौत पर जताया दुख

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दरभंगा जिले के सदर थाना क्षेत्र के खूंटवारा मोड़ के पास सड़क हादसे में 02 लोगों की हुई मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह घटना अत्यंत दुखद है। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

### अमरनाथ यात्रा: दोनों मार्गों के लिए ऑनलाइन हेलीकॉप्टर बुकिंग शुरू

जम्मू। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने इस 29 जून से शुरू होने वाली 52 दिवसीय श्री अमरनाथ यात्रा के लिए बालटाल और पहलगाम मार्गों के लिए हेलीकॉप्टर बुकिंग सेवा शुरू कर दी है। बाबा अमरनाथ की वार्षिक तीर्थयात्रा 29 जून से शुरू होकर 19 अगस्त को रक्षा बंधन के दिन समाप्त होगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, बालटाल मार्ग के लिए, नीलग्रथ-पंजतरणी-नीलग्रथ पर हेलीकॉप्टर सेवा प्रदान की जा रही है, और पहलगाम मार्ग के लिए, यह पहलगाम-पंजतरणी-पहलगाम मार्ग पर उपलब्ध होगी। सूत्रों ने कहा कि आधिकारिक वेबसाइट पर हेलीकॉप्टर सेवा की ऑनलाइन बुकिंग का लाभ उठाया जा सकता है। ऑफलाइन टिकट या प्राथमिकता उपलब्ध नहीं होगी।

### पौड़ी जिले में वाहन खाई में गिरा, चार की मौत, तीन घायल

पौड़ी/देहरादून। उत्तराखंड के जनपद पौड़ी गढ़वाल में एक वाहन रविवार को अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। उसमें सवार चार लोगों की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गये। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मणिकांत मिश्रा ने बताया कि आज सुबह कोतवाली श्रीनगर द्वारा खिर्सू चौबट्टा के पास एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना देते हुए रेस्क्यू को टीम की मांग की गई। जिसपर उप निरीक्षक देवीदत्त बर्थवाल के नेतृत्व में एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। उन्होंने बताया कि उक्त वाहन स्विफ्ट कार में सात लोग सवार थे जो किसी बारात में शामिल होने जा रहे थे। वाहन अनियंत्रित होकर लगभग 200 मीटर गहरी खाई में गिरकर, दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

**सबसे अधिक औरंगाबाद में भीषण गर्मी ने पांच लोगों की जान ले ली**

# सूबे में प्रचंड गर्मी से लोगों का हाल बेहाल, 13 की मौत!

प्रात : किरण

पटना। राजधानी पटना सहित पूरे प्रदेश में भीषण गर्मी कहर बरपा रही है। पिछले 24 घंटे में पांच जिले में 13 लोगों की मौत हो गई। सबसे अधिक औरंगाबाद में पांच लोगों ने अपनी जान गंवा दी। वहीं, सारण और गया में तीन-तीन लोगों की मौत हुई। रोहतास और भोजपुर एक-एक लोगों की मौत हुई। इनके परिजनों का दावा है कि लू लगने के कारण तेज बुखार के साथ उल्टी होने लगी। अस्पताल ले गए लेकिन जान नहीं बचा पाए। इधर, सबसे अधिक बक्सर में गर्मी पड़ी। यहां का अधिकतम तापमान 46 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार बिहार के पटना 43.0 एवं मुंगेर 40.7 में उष्ण लहर दर्ज किया गया। जबकि गया में अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस, छपरा 43.5, डेहरी 45.2, भोजपुर 45.6, शेखपुरा 44.2, गोपालगंज 42.4, जमुई 42.2, बक्सर 46.4, औरंगाबाद 45.3 ,वैशाली 42.5, नवादा 44.01, राजगीर 44.01, अरवल 45.7 और जीरादेई 40.3 डिग्री सेल्सियस के साथ भीष्म उष्ण लहर दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे के दौरान जिन जिला में तापमान 40 डिग्री से अधिक दर्ज किए गए, उनके नाम पटना 43.3, गया 45.2, छपरा 42.8, डेहरी 45.6, शेखपुरा 44.5, गोपालगंज 42.0, जमुई 42.8, बक्सर 46.0, भोजपुर 45.2, औरंगाबाद 45.5, नवादा 44.5, राजगीर 44.6, जीरादेई 43.1, अरवल 44.8, बिक्रमगंज 44.5 और मुंगेर 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए गए इसके साथ ही भागलपुर 37.2, पूर्णिया 32.4, मुजफ्फरपुर 36.0, दरभंगा 35.2, सुपौल 32.6 ,मधुबनी 34.2, मोतिहारी 36.0 बेगूसराय 37.2, बांका 38.6, कटिहार 32.4, अररिया 30.5 और बाल्मीकि नगर 38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए गए। मौसम विभाग का मानना है कि राज्य के उत्तर पश्चिम उत्तर मध्य एवं दक्षिण भाग के एक से दो स्थान पर रविवार को गर्म दिन रहने की संभावना के साथ ही येलो अलर्ट जारी किया है।

# जम्मू-कश्मीर : शाह ने कानून-व्यवस्था की स्थिति व अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की

प्रात : किरण

नई दिल्ली,एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में बढ़ती आतंकवादी गतिविधियों के मद्देनजर रविवार को यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ केन्द्र शासित प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति तथा आगामी अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की।

यहां नार्थ ब्लॉक में दो चरणों में करीब चार-पांच घंटे से भी अधिक समय तक चली बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा, केन्द्रीय गृह सचिव अजय भल्ला, खुफिया ब्यूरो के निदेशक, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, सेना प्रमुख नामित जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, केन्द्रीय पुलिस बलों के महानिदेशक, जम्मू कश्मीर के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, जम्मू कश्मीर प्रशासन तथा केन्द्रीय गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। शाह को उप राज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा जम्मू कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की विस्तार से जानकारी दी गयी।

सेना और पुलिस की ओर से भी आतंकवादियों की गतिविधियों के बारे में बताया गया। इसके आधार पर अधिकारियों को केन्द्र शासित प्रदेश में आतंकवादियों की गतिविधियों से सख्ती से निपटने की रणनीति बनाने के निर्देश दिये गये। बैठक में आगामी अमरनाथ यात्रा को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की सुरक्षा तथा उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं से संबंधित तैयारियों का भी जायजा लिया गया। इससे पहले श्री मोदी ने गुरुवार को शाह और श्री डोभाल तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जम्मू कश्मीर की स्थिति की समीक्षा की थी। बैठक में श्री मोदी ने आतंकवाद रोधी कार्रवाई में सशस्त्र बलों की पूरी क्षमता का इस्तेमाल करने को कहा था। इसके बाद श्री शाह ने शुक्रवार को भी एक बैठक में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की थी। उल्लेखनीय है कि पिछले एक सप्ताह से जम्मू कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियां बढ़ गयी हैं और सुरक्षाकर्मियों तथा आतंकवादियों के बीच निरंतर मुठभेड़ हो रही हैं।

# नितिन गडकरी आज करेंगे जम्मू-कश्मीर की परियोजनाओं की समीक्षा

प्रात : किरण

श्रीनगर, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी जम्मू-कश्मीर में विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए सोमवार को यहां एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में पवित्र गुफा मंदिर तक सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अमरनाथ यात्रा ट्रैक और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी चर्चा होगी। अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू होगी और 52 दिन बाद 19 अगस्त को समाप्त होगी।

लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद नितिन गडकरी की राज्य में यह पहली बैठक होगी। जोजिला सुरंग सहित कई रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में निमार्णाधीन हैं। यह सुरंग लद्दाख को सड़क मार्ग के जरिये जम्मू-कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों से पूरे साल जोड़े रखेगी। वर्तमान में सर्दियों के महीनों में राजमार्ग बंद रहता है। बालटाल और पहलगाम दोनों आधार शिविरों से अमरनाथ यात्रा ट्रैक पर राजमार्ग का निर्माण केंद्र सरकार की प्राथमिकता सूची में है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) यात्रा ट्रैक को चौड़ा करने, ब्लॉक लगाने, तथा मोड़ और ढलानों को ठीक करने का काम पहले ही कर चुका है। जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग के रामबन-बनिहाल खंड के रखरखाव पर भी बैठक में चर्चा होगी। जम्मू-कश्मीर में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाएं चल रही हैं। बैठक में इन सभी की समीक्षा की संभावना है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह भी बैठक में मौजूद रहेंगे। मुख्य सचिव अटल डुल्लू इन विकास परियोजनाओं से सीधे जुड़े अधिकारियों के साथ विस्तृत प्रगति रिपोर्ट पेश करेंगे।

# भारत में ईवीएम 'ब्लैक बॉक्स' हैं, किसी को उनकी जांच की इजाजत नहीं: राहुल

प्रात : किरण

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि भारत में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एक ब्लैक बॉक्स है, जिसकी जांच करने की किसी को इजाजत नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएं जताई जा रही हैं। गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, जब संस्थाओं में जवाबदेही ही नहीं होती तो लोकतंत्र दिखावा बन कर रह जाता है और धांधली की आशंका बढ़ जाती है। इस पोस्ट के साथ गांधी ने एक खबर भी साझा कि जिसमें दावा किया गया कि मुंबई की उत्तर-पश्चिम लोकसभा सीट से 48 वोट से जीत दर्ज करने वाले शिवसेना के उम्मीदवार के एक रिश्तेदार के पास एक ऐसा फोन है जिससे ईवीएम में छेड़छाड़ संभव थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने एक्स पर एलन मस्क की उस पोस्ट को भी साझा किया जिसमें मस्क ने ईवीएम को हटाने की बात कही थी। मस्क ने अपनी पोस्ट में कहा था, हमें ईवीएम को खत्म कर देना चाहिए। मुनष्यों या कृत्रिम मेधा (एआई) द्वारा हैक किए जाने का जोखिम, हालांकि छोटा है, फिर भी बहुत अधिक है। विपक्षी दल पिछले कुछ समय से ईवीएम पर चिंता जताते रहे हैं और उसने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर ह्वोवोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) पर्चियों का शत प्रतिशत मिलान करने की अपील की की थी लेकिन अदालत ने इसे स्वीकार नहीं किया।

## युद्ध अभ्यास

**शून्य से नीचे के तापमान के बावजूद भारत ने सभी निर्धारित मिशन पूरे किए**

# हवाई युद्ध अभ्यास 'रेड फ्लैग' में वायु सेना ने 100 से अधिक उड़ानें भरीं

## यही टुकड़ी 24 जून को ग्रीस और मिस्र की वायु सेना के साथ करेगें अभ्यास

प्रात : किरण



नई दिल्ली/एजेंसी। भारतीय वायु सेना ने सिंगापुर, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड, जर्मनी और अमेरिका की वायु सेनाओं के साथ एयर फोर्स बेस, अलास्का में हवाई युद्ध प्रशिक्षण अभ्यास रेड फ्लैग में हिस्सा लिया है। यह अभ्यास का दूसरा संस्करण था, जिसे अमेरिकी वायु सेना वर्ष में चार बार आयोजित करती है। चुनौतीपूर्ण मौसम और लगभग शून्य से नीचे के तापमान के बावजूद भारतीय वायु सेना ने पूरे अभ्यास के दौरान 100 से अधिक उड़ानें भरकर सभी निर्धारित मिशन पूरे किए। भारत लौटने से पहले यह टुकड़ी को 24 जून को ग्रीस और मिस्र की वायु सेना के साथ अभ्यास में भाग लेगी। संयुक्त राज्य वायु सेना के एयरबेस एइलसन में 04 से 14 जून तक आयोजित इस अभ्यास में भारतीय वायु सेना के साथ-साथ रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर एयर फोर्स, यूनाइटेड किंगडम की रॉयल एयर फोर्स, रॉयल नीदरलैंड एयर फोर्स, जर्मन लूफ़्टवाफे. और यूएस एयर फोर्स ने भाग लिया। भारतीय वायुसेना की टुकड़ी ने राफेल विमान और कर्मियों के साथ भाग लिया, जिसमें एयर क्रू, तकनीशियन, इंजीनियर, नियंत्रक और विषय विशेषज्ञ शामिल थे। भारत की यह टुकड़ी 29 मई को अलास्का में यूएसएएफ बेस, एइलसन पर उतरी थी। राफेल लड़ाकू विमान को आईएल-78 एयर टू एयर रिफ्यूलर से सक्षम किया गया था, जबकि कर्मियों और उपकरणों को परिवहन विमान सी-17 ग्लोबमास्टर से ले जाया गया।

यह पहली बार था जब भारत के राफेल विमानों ने सिंगापुर और अमेरिकी विमान एफ-16, एफ-15 और ए-10 के साथ अभ्यास 'रेड फ्लैग' में भाग लिया। इन मिशनों में आक्रामक काउंटर एयर और एयर डिफेंस भूमिकाओं में लार्ज फोर्स इंगेजमेंट के एक भाग के रूप में बियॉन्ड विजुअल रेंज लड़ाकू अभ्यास शामिल थे। भारतीय वायु सेना के चालक दल मिशन योजना में सक्रिय रूप से शामिल थे और अभ्यास के दौरान निर्दिष्ट मिशनों के लिए मिशन लीडर की भूमिका भी निभाई। अभ्यास के दौरान अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ अंतर-संचालन की अंतर्दृष्टि और बहुराष्ट्रीय वातावरण में सहयोगात्मक समझ शामिल थी। लंबी दूरी तक हवाई उड़ान भरने और रास्ते में हवा से हवा में ईंधन भरने का अनुभव युवा चालक दल के लिए रोमांचकारी अनुभव था। भारत लौटने से पहले यह टुकड़ी 24 जून को ग्रीस और मिस्र की वायु सेना के साथ अभ्यास में भाग लेगी। रेड फ्लैग अभ्यास के अनुभव से समृद्ध भारतीय वायु सेना अभ्यास तरंग शक्ति-2024 के दौरान अन्य देशों के प्रतिभागी दलों की मेजबानी करने के लिए उत्सुक है, जो इस वर्ष के अंत में होने वाला पहला भारतीय बहुराष्ट्रीय वायु अभ्यास है।

बिहार सरकार

मुख्यमंत्री
बिहार

**संदेश**

ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार समर्पण और बलिदान का प्रतीक है। इस्लाम धर्म में बलिदान का बहुत अधिक महत्व है। कहा गया है कि अपनी सबसे प्यारी चीज रब की राह में खर्च करो। रब की राह में खर्च करने का अर्थ नेकी और भलाई के कामों से है।

ईद-उल-अजहा हमें सच्चाई की राह पर चलते हुए हर तरह की कुर्बानी देने की प्रेरणा देता है। यह एक ऐसा मुकद्दस महीना है जिसमें दुनिया के तमाम मुस्लिम भाई-बहन मक्का और मदीना में हज करने का अहम फर्ज अदा करते हैं। मैं दुआ करता हूँ कि तमाम हाजियों की इबादत मुल्क की बहबूदी के लिए कबूल हो और सबको हज का यह मुबारक मौका नसीब हो।

इस पवित्र अवसर पर मैं प्रदेश की जनता, खासकर मुसलमान भाईयों और बहनों को तहे-दिल से मुबारकबाद एवं शुभकामनायें देता हूँ। ऐसे मुबारक मौके पर प्रदेशवासियों से मेरी गुजारिश है कि इसे खुशी और पारंपरिक सौहार्द्र के माहौल में मनाएँ।

(नीतीश कुमार)

PR No.- 001949 (Home)D. 2024-25

## संक्षिप्त समाचार

### वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, 11 बाइकों के साथ दो गिरफ्तार

**ऊधम सिंह नगर, एजेंसी।** गदरपुर में पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार कर चोरी की 11 बाइक बरामद की है। चोर चोरी की बाइकों को पड़ोसी देश नेपाल में बेचने की फिराक में थे। गदरपुर में पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार कर चोरी की 11 बाइक बरामद की है। चोर चोरी की बाइकों को पड़ोसी देश नेपाल में बेचने की फिराक में थे। शुक्रवार को एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने पत्रकार वार्ता में बताया कि 10 जून को आवास विकास कॉलोनी निवासी धर्म पाल की बाइक चोरी हो गई थी। बृहस्पतिवार आधी रात पुलिस ने मझरा शिला रोड से बाइक सवारों हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम विक्की बजाज निवासी बस अड्डा कॉलोनी गदरपुर और मनोज शर्मा निवासी दुमकाबंगर बच्ची, धर्मा कालोनी, हल्दूचौड़ बताया। उन्होंने बाइक को श्मशान घाट पार्किंग से चोरी करने की बात कबूली। पुलिस ने दोनों की निशानदेही पर यूपी-उत्तराखंड की सीमा पर कुलवंत नगर डाम के पास बेर की झाड़ियों में छिपा कर रखी गई चोरी की 10 बाइक बरामद की। इसमें से सात बाइक रुद्रपुर के ट्रांजिट कैंप से चोरी हुई थीं। पुलिस ने अभियुक्तों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया।

### ऑस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर 13 लाख रुपये की ठगी, फर्जी वीजा और पासपोर्ट थमाया

**ऊधम सिंह नगर, एजेंसी।** आस्ट्रेलिया भेजने के नाम युवक से साढ़े 13 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। युवक से रुपये लेने के बाद फर्जी वीजा और पासपोर्ट थमा दिया गया। युवक ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। आस्ट्रेलिया भेजने के नाम युवक से साढ़े 13 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। युवक से रुपये लेने के बाद फर्जी वीजा और पासपोर्ट थमा दिया गया। युवक ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। वमनपुरी गदरपुर निवासी दर्शन सिंह ने बताया कि उसकी मुलाकात बिलासपुर के दो युवकों से हुई थी। दोनों ने उसे आस्ट्रेलिया भेजने के लिए वीजा और पासपोर्ट बनाकर देने का भरोसा दिया था। उन्होंने साढ़े 13 लाख रुपये का खर्चा बताया। भरोसा कर उसने आठ दिसंबर 2022 से 10 जुलाई 2023 तक साढ़े 13 लाख का भुगतान कर दिया। 12 जुलाई 2023 को वह दिल्ली एयरपोर्ट से दुबई पहुंच गया। 14 जुलाई को दुबई एयरपोर्ट प्रबंधन ने वीजा और पासपोर्ट फर्जी बताकर उसे भारत भेज दिया था। उसका कहना है कि उसे आस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद पूरे रुपये देने थे लेकिन उसको डरा धमकाकर पहले ही रुपये वसूल किए गए थे। जब उसने आरोपियों से रकम वापस मांगी तो उन्होंने दस्तावेजों का दुरुपयोग कर जेल भिजवाने और हाथ पांव तोड़कर मरवाने की धमकी दी है।

### यूपी की बसों में सफर करना हुआ महंगा

**रुद्रपुर, एजेंसी।** राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से टोल टैक्स में की गई वृद्धि से आमजन उबरा ही नहीं था कि यूपी परिवहन निगम की बसों के किराये में भी मूल्य वृद्धि हो गई है। अब उत्तराखंड से यूपी की बसों में भी यात्रा करना लोगों को महंगा पड़ रहा है। हालांकि यूपी में चलने वाली यूके की बसों में पूर्ववर्ती किराया ही अभी तक लागू है। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों के किराये में इजाफा हुआ है। रोडवेज की बस के किराये को एक से तीन रुपये तक बढ़ाया गया है। यूपी की बसों में बढ़े किराये की नई दरें इलेक्ट्रॉनिक टिकटिंग मशीन ईटीएम में दर्ज करा दी गई हैं।

### फौजी के मकान समेत दो घरों के ताले तोड़े, लाखों की चोरी

**खटीमा, एजेंसी।** चोरों ने फौजी सहित दो घरों का ताला तोड़कर लाखों की नकदी और जेवरात चुरा लिए। पुलिस ने मौका मुआयना कर घर के आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। गोविंद प्रजापति और उनके बेटे-बहु पंजाब में नौकरी करते हैं। शुक्रवार शाम खटीमा पहुंचे भवन स्वामी ने बताया कि तीन कमरों का ताला तोड़कर करीब 40 हजार की नकदी, कान के झुमके, नथ, पांच जोड़ी पायल, बिछिया, 12 चांदी के सिक्के, ब्रेसलेट आदि चोरी हुए हैं।

# किस सफर पर निकले, परिवार वालों को खबर न दोस्तों को पता; हादसे का पता चलने पर लगा सदमा

**रूद्रप्रयाग, एजेंसी।** रुद्रप्रयाग जिले के रौंतोली में हुई वाहन दुर्घटना में 14 लोगों ने असमय जिंदगी खो दी। इस सफर में शामिल समूह में कई ऐसे यात्री भी थे, जिनके परिवार वालों से लेकर साथियों तक को उनके सफर के बारे में पता नहीं था, जब हादसे की सूचना मिली तो

इस दल में नोएडा व अन्य दूसरी जगहों पर रहने वाले शामिल थे। इस दल में शामिल कई लोग किस सफर पर जा रहे हैं, उसके बारे में परिवार के सदस्य और साथी भी अनभिज्ञ थे। अमर उजाला ने हादसे में घायल वंदना के भाई आरसी शर्मा से बात की, उन्होंने बताया कि वंदना इंश्योरेंस क्षेत्र में कार्य करती है।

उनको नहीं पता था कि वंदना किस यात्रा में गई है इसी तरह घायल कुमारी शुभम सिंह जो कि मूलतः गोरखपुर जिले की रहने वाली हैं और वर्तमान में नोएडा में पीजी में रह रही हैं।

उनकी सहेली बीनू ने बताया कि कुमारी शुभम डेटा एनालिस्ट का कार्य करती हैं, उनको भी नहीं पता था कि उनकी सहेली किस यात्रा के लिए जा रही है। घटना के बारे में पता चलने पर

वह भी सकते में आ गई। बताया जा रहा है कि दल में शामिल कई लोग पूर्वी उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे, जो नोएडा समेत अन्य जगह पर रह रहे थे।

ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रुद्रप्रयाग के पास रैंतोली में दर्दनाक हादसा हुआ। यहां एक टेंपो ट्रैवलर बेकाबू होकर सड़क किनारे बने पैराफिट को तोड़ते हुए 250 मीटर नीचे अलकनंदा नदी के किनारे जा गिरा। इस हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई, इसमें से 10 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। दो की जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग और दो की मौत एम्स ऋषिकेश में हुई है।

हादसे में 12 लोग घायल हैं, इनमें सात का जिला चिकित्सालय में इलाज चल रहा है, जबकि पांच एम्स में भर्ती हैं। हादसे का कारण वाहन चालक को झपकी आना बताया जा रहा है। वाहन में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात निवासी कुल 23 यात्री और दो ड्राइवर और एक हेल्पर था, इनमें से अधिकांश नींद में थे।

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार देर रात को नई दिल्ली से अलग-अलग जगह के 23 युवाओं का दल चोपता-तुंगनाथ-चंद्रशिला ट्रैकिंग के लिए रवाना हुआ था। शनिवार सुबह लगभग 11.30 बजे ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहन रुद्रप्रयाग के समीप रैंतोली में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने आरसी पैराफिट को तोड़कर अलकनंदा नदी के किनारे जा गिरा।

हादसे की सूचना पर प्रशासन, पुलिस, जिला आपदा प्रबंधन, एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू में जुट गईं। मौके से दस लोगों के शव बरामद हुए, जबकि अन्य 16 घायलों को लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर गहरी खाई से निकालकर सड़क तक लाया गया। इसके बाद सभी को जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। इनमें से सात को गंभीर हालत के चलते केदारनाथ यात्रा में संचालित हेलिकॉप्टर से एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया।

जहां, दो की मौत हो गई। इधर, जिला चिकित्सालय में भर्ती घायलों में से दो ने दम तोड़ दिया। डीएम डॉ.सौरभ गहरवार, एसपी डॉ. विशाखा अशोक भदाणे के नेतृत्व में घायलों का यथाशीघ्र उपचार दिलाया गया।

### बिजली कटौती के विरोध में भाकियू ने किया प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

**गदरपुर, एजेंसी।** ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही बिजली कटौती के विरोध में भाकियू अराजनैतिक से जुड़े किसानों ने पावर हाउस के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया और जेई को ज्ञापन सौंपा।

शुक्रवार को भाकियू अराजनैतिक के जिला अध्यक्ष विक्रम सिंह गोराया के नेतृत्व में किसान और ग्रामीण ग्राम मझरा शिला स्थित पावर हाउस पहुंचे। उन्होंने बिजली कटौती के विरोध में प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। जिला अध्यक्ष गोराया ने कहा कि भीषण गर्मी में ग्रामीण क्षेत्र में घंटों बिजली कटौती की जा रही है। आक्रोशित किसानों और ग्रामीणों ने मौके पर मौजूद जेई हरजीत सिंह को ज्ञापन सौंपा। चेतावनी दी कि अगर व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो किसान उग्र आंदोलन करने को विवश होंगे। इस मौके पर अशोक गंडा, राजेंद्र तनेजा, हरजीत सिंह, विजय छाबड़ा, रंजीत सिंह, अविनाश मैनी, पवन कुमार, भजनलाल आदि मौजूद रहे।

### लावारिस कुत्तों ने 24 घंटे में 14 लोगों को काटा

**रामनगर (नैनीताल), एजेंसी।** भीषण गर्मी में लावारिस कुत्तों के काटने की घटनाएं बढ़ गई हैं। 24 घंटे के भीतर ही लावारिस कुत्तों ने 14 लोगों को काट लिया। सप्ताह भर पहले ही एक लावारिस कुत्ते ने 8 लोगों का काटा था, जिसे बाद में नगर पालिका ने पकड़कर जंगल में छोड़ दिया था। रामनगर अस्पताल में पिछले 24 घंटों में रज्जाक निवासी भवानीगंज, मन्नत, शाद, महनूर, हुमेरा, कैफ, अब्दुल्ला, अबुबकर, नूर मोहम्मद, मुनीषा, वसीम निवासीगण गूलरघट्टी व कोटद्वार रोड निवासी सोनम, जिकरान और सोनम माहेश्वरी को लावारिस कुत्तों ने काट दिया। अस्पताल में सभी को एंटी रेबीज की वैक्सीन लगाई गई। बता दें कि वर्तमान में कुत्तों का सर्वाधिक खौफ नई बस्ती, गूलरघट्टी, कोटद्वार रोड, खताड़ी, भवानीगंज, लखनपुर क्षेत्रों में है।

## चुनौतियां अब भी कम नहीं...कहीं टूटा फूटा सामान, कहीं पहाड़ी का खिसकने का डर

**देहरादून, एजेंसी।** केदारनाथ धाम में आई आपदा को भले ही सालों बीत गए, लेकिन यहां चुनौतियां अभी भी कम नहीं है। कई काम हैं जो अभी पूरा होना बाकी है।

उत्तराखंड के इतिहास की सबसे भीषण आपदा से उजडे केदारनाथ को पिछले 11 वर्षों से संवारने का जो अभियान चल रहा है, उसे लेकर कई तरह की चुनौतियां और सवाल भी खड़े हैं। केदारपुरी में कदम रखते ही वहां चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों के बीच आसपास बिखरा और फैला टूटा-फूटा सामान, लोहा व सरिया इस अनूठे धाम की शोभा में धब्बों की तरह है। मोदी के इस ड्रीम प्रोजेक्ट पर पुनर्निर्माण के कई काम हो रहे हैं और कई होने बाकी हैं। लेकिन छह महीने बर्फबारी और काम के महीनों में चारधाम यात्रा का दबाव इसकी गति पर लगाम लगाने का काम कर रहा है। बेशक केदारपुरी में एमआई-17 हेलिकॉप्टर और चिनूक से लेकर थार वाहन तक उतारे जा चुके हैं। लेकिन अभी भी कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनके जवाब सरकार को पहले ही तैयार कर लेने चाहिए थे। केदारपुरी में श्रद्धालुओं के लिए इतने वर्षों में ठहरने की स्थायी व्यवस्था नहीं हो पाई है। अब भी टेंटों से ही काम चलाया जा रहा है। इस मोर्चे पर सबसे पहले काम किए जाने की आवश्यकता थी। चिंता की बात यह है कि भैरो मंदिर के नीचे वाली पहाड़ी की तरफ टेंट लगाए गए हैं, जहां बड़ी संख्या श्रद्धालु ठहरते हैं। इस तरफ की पहाड़ी काफी भुरभुरी और नाजुक हैं। कायदे से सबसे पहले मंदिर के आसपास की ऐसी पहाड़ियों का ट्रीटमेंट हो जाना चाहिए था। इसके अभाव में यहां भूस्खलन का खतरा भी है। वहां से मिट्टी और पत्थर गिरते रहते हैं। जब तेज बारिश होती है तो अस्थायी व्यवस्था के नाम पर लोगों को यहां रोक दिया जाता है, लेकिन वहां सुरक्षा और सतर्कता के इंतजाम नहीं हैं।

## लापरवाही : 20 सीटर वाहन में बैठे थे 26 लोग, पहली बार आए थे उत्तराखंड, बन गया आखिरी सफर

**रुद्रप्रयाग, एजेंसी।** ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रैंतोली में बीते शनिवार को हुए हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई। दुर्घटनाग्रस्त टेंपो-ट्रैवलर 20 सीट में पास था, लेकिन इसमें दो चालक सहित 26 लोग सवार थे। गुरुग्राम से रुद्रप्रयाग तक यह वाहन बेधड़क आ गया, लेकिन तीर्थयात्री नहीं होने के कारण किसी भी बैरियर पर इसकी चेकिंग नहीं हुई।

सभी लोगों ने एजेंसी के माध्यम से टेंपो-ट्रैवलर की बुकिंग की थी, जिसमें अधिकांश पहली बार उत्तराखंड आए थे। जिला आपदा विभाग और परिवहन विभाग उस एजेंसी को नोटिस भेजने की तैयारी कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि क्षमता से अधिक सवारियां भी हादसे का कारण रही हैं।

शुक्रवार की रात 10 बजे अलग-अलग शहरों के 23 युवक-युवतियां गुरुग्राम से चोपता-तुंगनाथ-चंद्रशिला ट्रैकिंग के लिए टेंपो-ट्रैवलर से रवाना हुए थे। गुरुग्राम से आगे जितने भी बैरियर आए, कहीं पर भी वाहन की चेकिंग नहीं की गई। ब्रह्मपुरी में वाहन को रोका गया, पर सिर्फ इसलिए कि कहीं वाहन चारधाम यात्रा में तो नहीं जा रहा है। बैरियर पर चेकिंग दल ने यह तो देखा कि यात्री चारधाम यात्रा जा रहे हैं या नहीं, लेकिन यह नहीं देखा कि 20 सीटर वाहन में 26 लोग बैठे हैं। उत्तराखंड में प्रवेश करने पर वाहन की हरिद्वार, ऋषिकेश में भी क्षमता से अधिक सवारी को लेकर कोई चेकिंग नहीं की गई। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि सहायक परिवहन संभागीय अधिकारी के माध्यम से पता चला कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन 20 सीट में पास था। साथ ही उसके चालक के पास पहाड़ में वाहन चलाने का ज्यादा अनुभव भी नहीं था। उन्होंने बताया कि ट्रैवलर एजेंसी के संचालक को नोटिस भेजा जाएगा। डीडीएमओ ने बताया कि अलग-अलग जगह से 23 युवक-युवतियों ने एजेंट के जरिए टेंपों-ट्रैवलर की बुकिंग की थी। प्रत्यक्ष रूप से इन लोगों में कम ही एक-दूसरे को जानते थे और ज्यादातर को यह भी मालूम नहीं था कि वह उत्तराखंड घूमने जा रहे हैं। घायलों से जो बातचीत हुई है, उसमें भी ज्यादातर कर कहना था कि उन्हें मालूम नहीं कि वह कहां जा रहे थे, बस घूमने के लिए जा रहे थे। गंभीर घायलों को छह एंबुलेंस में जिला चिकित्सालय से गुलाबराय मैदान में लाया गया। जहां से उन्हें हेलिकॉप्टर से एयरलिफ्ट किया गया। स्वास्थ्य विभाग की एंबुलेंस तो त्वरित गति से एक के बाद एक घायलों को लेकर पहुंची, लेकिन इसके पंखे खराब थे। ऐसे में मैदान में जब तक हेलिकॉप्टर आता, तब तक घायलों को गर्मी से बचाने के लिए वहां मौजूद युवाओं ने गत्ते फाड़कर उनसे हवा की।

## जापान की आधुनिक प्रौद्योगिकी और विज्ञान से रूबरू होगी नीतू

**देहरादून, एजेंसी।** कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका छात्रावास, कालसी की छात्रा नीतू चौहान आधुनिक विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी से रूबरू होने के लिए जापान जाएंगी। जापान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एजेंसी की ओर संचालित जापान साइंस हाई स्कूल कार्यक्रम के तहत नीतू चौहान का चयन हुआ है। उत्तराखंड के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका छात्रावासों से चयनित तीन छात्राओं में से नीतू एक हैं।

जापान सरकार की ओर से सहयोगी देशों के छात्रों को आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी संबंधी अध्ययन के लिए जापान साइंस हाई स्कूल कार्यक्रम कार्यक्रम संचालित किया जाता है। इसे सकुरा साइंस कार्यक्रम के नाम से भी जाना जाता है।

जापान भ्रमण के दौरान छात्राओं को जापान की आधुनिक प्रौद्योगिकी, रेलवे पार्क, टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट आदि का भ्रमण करवाया जाता है। छात्राओं को जापान के शिक्षक संस्थानों के नामचीन प्रवक्ताओं के विशेष व्याख्यान सत्र में भाग लेने का अवसर भी मिलता है।

कार्यक्रम के तहत जापान जाने वाली छात्राओं का सभी व्यय भारत सरकार की ओर से वहन किया जाता है। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका छात्रावास की छात्रा नीतू चौहान कोटवा गांव की रहने वाली हैं। उनके पिता तोलराम चौहान ने बताया कि नीतू ने वर्ष 2022 में हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में प्रदेश के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका छात्रावास में टॉप किया था।

उनको परीक्षा में 90.5 फीसदी अंक मिले थे। वर्तमान में नीतू अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज, कालसी में पीसीएम वर्ग से कक्षा 12वीं की पढ़ाई कर रही है। छात्रावास की अधीक्षक केतन चमोली ने बताया कि कालसी छात्रावास की छात्रा का चयन छात्रावास के लिए गर्व का विषय है। इससे अन्य छात्राओं को भी प्रेरणा मिलेगी। बताया कि नीतू चौहान शुक्रवार को ही दिल्ली पहुंच गई है। रविवार को वहां से जापान रवाना होगी। 22 जून को वापसी है।

## ईडी भी सक्रिय, 31 करोड़ के ट्रांजेक्शन पर नजर, शुरू की पड़ताल

**देहरादून, एजेंसी।** करोड़ों रुपये के उद्यान घोटाले में सीबीआइ की कार्रवाई के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी निगाह टेढ़ी कर ली है। बताया जा रहा है कि घोटाले पर कार्रवाई करने के लिए ईडी की देहरादून शाखा के अधिकारियों ने सीबीआइ की जांच रिपोर्ट के आधार पर कसरत शुरू कर दी है। इस दौरान ईडी ने 20 से अधिक ऐसे बड़े ट्रांजेक्शन/भुगतान पकड़े हैं, जिन्हें सीबीआइ ने अपनी जांच में सीधे तौर पर अनियमितता से जुड़ा बताया है। सूत्रों के मुताबिक, ईडी के अधिकारियों ने उद्यान घोटाले में सीबीआइ की जांच रिपोर्ट पर कुछ दिन पहले से ही काम करना शुरू कर दिया था। अब प्रकरण में सीबीआइ की ओर से तीन एफआइआर दर्ज किए जाने के बाद ईडी ने सक्रियता और बढ़ा दी है। इस क्रम में ईडी अधिकारी भी बहुत जल्द घोटाले से जुड़े आरोपित अधिकारियों और मनमानी और फर्जी खरीद से जुड़ी नर्सरी के संचालकों के ठिकानों पर छापेमारी कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि ईडी अधिकारी इस केस को भ्रष्टाचार के साक्ष्यों के लिहाज से मजबूत मान रहे हैं। अधिकारियों को इस प्रकरण में लांड्रिंग एक्ट में कार्रवाई के लिए पर्याप्त आधार नजर आ रहे हैं। यदि ईडी इस दिशा में आगे बढ़ती है तो आरोपितों की संपत्ति को अटैच करने में अफसरों को खास अड़चन पेश नहीं आएगी। नैनीताल के मुख्य उद्यान अधिकारी राजेंद्र कुमार सिंह, पिथौरागढ़ के तत्कालीन मुख्य उद्यान अधिकारी त्रिलोकी राय, उत्तरकाशी के तत्कालीन मुख्य उद्यान अधिकारी अनिल कुमार मिश्रा पर मुख्य रूप से जांच के दायरे में लाने की तैयारी कर चुका है।

## उडकैती के आरोपी बदमाश पर हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज

**देहरादून, एजेंसी।** सहसपुर थाना क्षेत्र के खुशहालपुर में कारोबारी के घर पर डकैती की घटना को अंजाम देने के एक आरोपी के खिलाफ पुलिस ने हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी ने तिमली के जंगल में पुलिस टीम पर तमंचे से दो फायर झोंके थे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में है। धर्मावाला चौकी प्रभारी सतेंद्र भाटी ने सहसपुर थाने में दी तहरीर में बताया कि उन्हें वायरलेस पर सूचना मिली कि एक पिकअप वाहन दरिरट बैरियर को तोड़ कर धर्मावाला की ओर भागा है। वह अपनी सर्विस रिवाल्वर को लेकर सिपाही के साथ धर्मावाला चौक पर पहुंचे। रात्रिकालीन अधिकारी मुकेश कुमार और अन्य पुलिसकर्मी भी उन्हें मौके मिले। पुलिस टीम निजी और सरकारी वाहन से दरिरट की ओर करीब एक किलोमीटर तक गई। इस बीच सामने से एक पिकअप आती हुई नजर आई। पुलिसकर्मियों को देखकर चालक पिकअप को तेजी से मोड़ने लगा। इस दौरान पिकअप अनियंत्रित होकर जंगल में पेड़ से टकरा गई। चौकी प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम ने पिकअप चालक को पकड़ लिया।

## सीएम धामी और दुष्यंत गौतम ने थपथपाई विस्तारकों की पीठ

**देहरादून, एजेंसी।** पार्टी प्रभारी दुष्यंत गौतम ने भी लोकसभा व विधानसभा विस्तारकों के साथ लंबी मंत्रणा की। कहा कि उनकी इस कार्यशैली ने जनता के बीच भाजपा के पक्ष में वातावरण बनाने में मदद मिली और पार्टी की जीत को बेहद आसान कर दिया।

लोकसभा चुनाव में पांचों सीटें जीतने के लिए भाजपा ने अपने विस्तारकों की पीठ थपथपाई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चुनावी जीत में विस्तारकों को अहम कड़ी बताया और उन्हें इसका श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि विस्तारकों की रणनीति ने लोकसभा चुनाव की जीत को आसान बना दिया। मुख्यमंत्री लोकसभा चुनावों में सांगठनिक आभार बैठक में बोल रहे थे। बैठकों का यह दौर रविवार को भी जारी रहेगा।

राजपुर रोड स्थित एक होटल में आयोजित बैठक में प्रदेश पार्टी प्रभारी दुष्यंत गौतम ने भी लोकसभा व विधानसभा विस्तारकों के साथ लंबी मंत्रणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि विस्तारकों ने पन्ना प्रमुख, बूथ से लेकर विधानसभा एवं लोकसभा स्तर तक कार्यकर्ताओं को एकजुट कर उन्हें चुनावी प्रक्रिया के लिए सक्रिय किया। उनके माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों को जनता के मध्य पहुंचाने में मदद मिली। उनकी इस कार्यशैली ने जनता के बीच भाजपा के पक्ष में वातावरण बनाने में मदद मिली और पार्टी की जीत को बेहद आसान कर दिया। सीएम ने कहा कि भाजपा जब कैडर आधारित संगठन होने की बात करती है तो विस्तारक कार्यक्रम योजना उसका महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है। इस दौरान प्रदेश नेतृत्व ने सभी विस्तारकों से उनके अनुभवों को लेकर चर्चा की और भविष्य में इस योजना में सुधार को लेकर सुझाव लिए गए।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि गढ़वाल, टिहरी, हरिद्वार, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ सीट के सभी विधानसभा विस्तारकों से सीटवार चर्चा की गई। चुनाव के दौरान जो व्यावहारिक दिक्कतें व चुनौतियां सामने आई, उसे उन्होंने सामने रखा। बैठक में तय हुआ कि समस्याओं और सुझावों को प्राथमिकता से लेते हुए आगामी रणनीति में उपयोग किया जाएगा। बैठक में प्रदेश महामंत्री संगठन अजय कुमार, प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी, विस्तारक

कार्यक्रम संयोजक कुंदन परिहार, सह संयोजक ऋषि राज कंडवाल, प्रदेश कार्यालय सचिव कौस्तुभानंद जोशी, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान, राजेंद्र नेगी महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, राजेंद्र ढिल्लो समेत लोकसभा विस्तारक, विधानसभा विस्तार प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, सोमवार, 17 जून, 2024



# दिल्ली जल संकट आप सरकार की देनः बांसुरी

- दिल्ली में पानी की किल्लत को लेकर आम आदमी पार्टी और भाजपा फिर आमने-सामने

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी में जारी पानी की किल्लत को लेकर सियासत चरम पर है। जल संकट पर आम आदमी पार्टी और भाजपा के नेता आमने सामने हैं। एक तरफ, आम आदमी पार्टी का आरोप है कि हरियाणा दिल्ली को उसके हक का पानी नहीं दे रहा है। वहीं, दूसरी तरफ भाजपा के नेताओं का आरोप है कि केजरीवाल सरकार का वाटर मैनेजमेंट ठीक नहीं है, टैंकर माफिया हावी है और इसलिए दिल्ली की जनता को पानी नहीं मिल रहा है।

नई दिल्ली संसदीय सीट से नवनिर्वाचित भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने केजरीवाल सरकार के खिलाफ आरके पुरम में प्रदर्शन किया। इस विरोध-प्रदर्शन में भाजपा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। भाजपाइयों ने केजरीवाल सरकार के खिलाफ मटका फोड़ कर विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान दिल्ली जल बोर्ड और दिल्ली सरकार के खिलाफ लोगों ने जमकर नारेबाजी की।




बांसुरी स्वराज ने कहा कि यह बहुत ही शर्मनाक है कि पिछले 10 साल से यहां आम आदमी पार्टी की सरकार है। हर साल पानी की समस्या होती है, लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस संकट को दूर करने के लिए कुछ नहीं किया।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के पास पानी है। हरियाणा तय समझौते से ज्यादा पानी दे रहा है। आप सरकार ने जल बोर्ड को 600 करोड़ रुपये के मुनाफे से 73 हजार करोड़ रुपये के घाटे में लाकर खड़ा कर दिया। दिल्ली जल बोर्ड में मरम्मत का कोई काम नहीं किया गया। सिर्फ और सिर्फ टैंकर माफिया को प्रोत्साहित किया। दिल्ली की जनता आज पानी के लिए तरस रही है क्योंकि केजरीवाल सरकार ने इस पर कोई काम नहीं किया। दिल्ली में 40 फीसदी से ज्यादा पानी बर्बाद हो जाता है या फिर टैंकर माफिया उसे चुराकर ले जाता है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, पश्चिमी दिल्ली से सांसद कमलजीत सेहरावत और भाजपा के कई नेताओं ने आज विभिन्न इलाकों में विरोध-प्रदर्शन किया और कहा कि दिल्ली में जल संकट के लिए अरविंद केजरीवाल और उनकी सरकार जिम्मेदार है।

पश्चिमी दिल्ली से भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि द्वारका के निवासी पानी की कमी के बारे में शिकायत कर रहे हैं क्योंकि निजी टैंकरों के लिए अधिक पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं, और उन्हें सरकारी टैंकरों का कोई लाभ नहीं मिल रहा है। आप सरकार पर निशाना साधते हुए सुश्री सहरावत ने कहा, दिल्ली सरकार पानी की कमी के लिए अन्य राज्य सरकारों को दोषी ठहरा रही है, जबकि समस्या उनके विभाग के भीतर है। उन्होंने कहा, मैं मंत्री आतिशी से मानवीय आधार पर नहीं, बल्कि दिल्ली सरकार में मंत्री होने के नाते अनुरोध करती हूं कि उन्हें अपने विभाग का ध्यान रखना चाहिए।

वहीं आप पर तीखा हमला करते हुए भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि जब अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री बने थे तो दिल्ली जल बोर्ड करोड़ों रुपये के मुनाफे में था। उन्होंने कहा, ह्यकेजरीवाल के पास एक वर्ष से ज्यादा समय तक दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष पद का प्रभार रहा। यह अजीब और आश्चर्यजनक है कि एक वर्ष से अधिक समय की ऑडिट रिपोर्ट गायब है और जल बोर्ड भारी कर्ज में डूबा है। सचदेवा ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के सभी मंत्री पानी चोरी कर रहे हैं और दिल्ली में टैंकर माफिया चला रहे हैं।

दूसरी तरफ, आम आदमी पार्टी के नेता दिलीप पांडे पानी की समस्या को लेकर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के आवास पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पानी की किल्लत गंभीर होती जा रही है। हमने इस मामले में पत्र, मोबाइल और ईमेल के जरिए केंद्रीय मंत्री से संपर्क साधने की कोशिश की थी। हमने कहा कि आपके कॉर्डिनेशन से पानी का संकट दूर हो सकता है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की सरकार दिल्ली को पानी देने के लिए तैयार है, लेकिन बीच में किसी को कॉर्डिनेट करना पड़ेगा। आप केंद्र में इस विभाग के मंत्री है, आपसे उम्मीद है कि आप अभिभावक की भूमिका निभाते हुए कॉर्डिनेशन का काम कर दें तो दिल्ली की जनता को पानी मिल जाएगा।

# वैदिक ज्योतिष व वास्तु शास्त्र में प्रदीप भनोट की यात्रा आध्यात्मिक पथ पर मार्गदर्शन और सशक्तिकरण

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

वैदिक ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के क्षेत्र में लगभग दो दशकों से अधिक समय से अपनी विशेषज्ञता को निखारते हुए, प्रदीप भनोट भारत के ज्योतिष परिदृश्य में एक मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में उभरे हैं। श्रद्धेय डॉ. अजय भाम्बी द्वारा निर्देशित, भनोट की यात्रा ज्ञान के लिए एक अतृप्त प्यास और व्यक्तियों को उनके आध्यात्मिक पथ पर सशक्त बनाने की गहन प्रतिबद्धता से चिह्नित है। एस्ट्रोमाई क्लाइमेट हब समुदाय के एक प्रतिष्ठित सदस्य के रूप में, भनोट अपने ज्योतिषीय अभ्यास को एक कठोरता के साथ जोड़ते हैं। स्थिरता की वकालत. उनका दृष्टिकोण गैर-आक्रामक वास्तु



संशोधनों पर जोर देता है, प्रकृति के नाजुक संतुलन को बाधित किए बिना सद्भाव को बढ़ावा देता है। द कॉस्मिक वॉयस के संस्थापक, भनोट व्यक्तिगत ज्योतिषीय परामर्श से लेकर वास्तु सत्यापन तक परिवर्तनकारी सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करते हैं, जो ग्राहकों को समग्र कल्याण और स्वयं की दिशा में मार्गदर्शन करते हैं। -अहसास. अपने अभिनव ह्मसोल मोटिवेशन सेशंसह्ण के माध्यम से, वह गहन आत्मनिरीक्षण की सुविधा प्रदान करते हैं, व्यक्तियों को उनकी उच्चतम क्षमता को अनलॉक करने के लिए सशक्त बनाते हैं। 80% से अधिक की अद्वितीय सटीकता दर के साथ, भनोट ने विविध ग्राहकों का विश्वास अर्जित किया है, जिसमें बॉलीवुड और उससे परे के दिग्गज भी शामिल हैं। उनकी विरासत मात्र ज्योतिषीय अभ्यास से आगे बढ़कर, कालातीत ज्ञान और समकालीन चेतना के संश्लेषण का प्रतीक है, जो अनगिनत आत्माओं को उद्देश्य और प्रामाणिकता के साथ जीवन की यात्रा करने के लिए प्रेरित करती है।

# प्रथम मुख्यमंत्री चौ0 ब्रह्म प्रकाश की जयंती पर आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया:पंचायत संघ

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली पंचायत संघ ने आज गांव नांगलोई सईदान में पंचायत प्रमुखों की बैठक की। इस मौके पर दिल्ली के प्रथम मुख्यमंत्री चौधरी ब्रह्म प्रकाश की जयंती पर उनको नमन करते हुए उनकी ओर से दिल्ली देहात गांव गरीब ग्रामीण किसानों के उद्धार करने के प्रयासों को याद किया।

इस मौके पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह शौकीन दिल्ली सरकार, पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव, सह प्रमुख सुनील शर्मा मदीपुर गांव, दिल्ली 360 गांव खाप की तरफ से सुरेश शौकीन, पंच प्रमुख ख्वाला गांव राजकुमार यादव, नांगलोई सईदान गांव राजेंद्र शर्मा, पीरागढ़ी गांव प्रमुख विनोद शौकिन आदि प्रमुख उपस्थित हुए। देवेंद्र सिंह शौकीन ने दिल्ली देहात गांव गरीब ग्रामीण किसानों के हितों की अनदेखी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा पूर्व में देहात के दोनों मुख्यमंत्रियों ने देहात व किसानों के हितों के लिए बहुत काम किए और वह अन्य कार्य भी करना चाहते थे। उन मुद्दों को दिल्ली पंचायत संघ उठा रहा है। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि पूर्व दोनों मुख्यमंत्रियों चौधरी ब्रह्म प्रकाश और साहिब सिंह वर्मा ने दिल्ली व दिल्ली देहात को बिजली, पानी, प्रदूषण, रोजगार, खेती किसानों की समस्याओं के निदान और उत्थान के लिए काम किया। हम उनके कार्यों व मांगों को लेकर चल रहे हैं और समय-समय पर शासन प्रशासन को इससे अवगत करा रहे हैं। पंचायत संघ सह प्रमुख सुनील शर्मा ने कहा कि गांवों का शहर दिल्ली शासन प्रशासन की लापरवाही से स्लम बन रहा है। लिहाजा गांवों के साथ शासन प्रशासन का दोयम दर्जे का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। थान सिंह यादव कहा कि वह गांवों को मालिकाना हक देने, गांवों का हाउस टैक्स माफ करने, गांवों को व्यवसायिक श्रेणी में शामिल करने, गांवों को भवन उपनियम से बाहर करने, गांवों के ले-आउट प्लान तैयार करने, गांवों के लिए पार्किंग की व्यवस्था करने, गांवों की फिरनी सौ फुट चौड़ी करने, गांवों के बच्चों को स्कूलों, कॉलेजों में सौ फीसदी आरक्षण देने, लैंड पुलिंग स्कीम खत्म करने, म्यूटेशन पुनः शुरू करने, रेवन्यू दस्तावेजों को उर्दू व फारसी से हिंदी में करने, गांवों के युवाओं को सरकार नौकरियों में सौ फीसदी आरक्षण देने, गांवों के जल स्रोतों को विकसित करने, बारात घर व पंचायत घर गांव वालों को सौंपने की मांग को लेकर आंदोलन करेंगे।



- दिल्ली पंचायत संघ गांवों की मांगों को लेकर प्रत्येक गांव व सभी नेताओं के पास जाएगाः थान सिंह यादव

# जीएल बजाज यूनिवर्सिटी आगरा और नोएडा टीमों के साथ LLC Ten 10 में शामिल

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

लीजेंड्स लीग क्रिकेट ने छछउ ळील्ल 10 में शामिल होने पर जीएल बजाज यूनिवर्सिटी का स्वागत किया है। इस नई फ्रैंचाइजी के पास आगरा और नोएडा टीमों का स्वामित्व है। यह करार उत्तर प्रदेश राज्य में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक बड़ी कामयाबी है।

उम्मीद है कि लीग में जीएल बजाज यूनिवर्सिटी की टीमों के शामिल होने से एक नई ऊर्जा और प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ेगी। अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोग और खेल प्रेमी एकजुट होकर क्रिकेट के मैदान में उतरेंगे और अपना हुनर दिखाएंगे। यह यूनिवर्सिटी अन्य शिक्षा संस्थानों को भी खेलों और एक्स्ट्राकरिकुलर एक्टिवीटीज में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए उनके समग्र विकास में योगदान देगी।

बजाज यूनिवर्सिटी ने यह पहल कर खेलों के साथ-साथ अन्य एक्स्ट्राकरिकुलर एक्टिवीटीज में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया है।

भारत के लोग क्रिकेट और क्रिकेटरों के दीवाने हैं। यह मेरे लिए दूसरे घर की तरह है। भारतीय प्रशंसकों से मुझे अतुलनीय प्यार और स्नेह दिया है। मैं नए क्रिकेटरों को मेंटर करने के लिए उत्साहित हूं, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेट स्टार ब्रेट ली ने कहा।

नए करार से उत्साहित लीजेंड्स लीग क्रिकेट के सह-संस्थापक रमन रहेजा ने कहा, जीएल बजाज यूनिवर्सिटी को लीजेंड्स लीग क्रिकेट परिवार में शामिल कर हम बहुत उत्साहित हैं। यह यूनिवर्सिटी शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो सराहनीय बात है। हमें यह विश्वास है कि इस भागीदारी के परिणामस्वरूप आगरा और नोएडा में लीग की पहुंच और लोकप्रियता काफी बढ़ेगी।

उन्होंने बताया, हम ब्रेट ली, हरभजन सिंह और जोंटी रोड्स जैसे मेंटरों को विभिन्न फ्रैंचाइजी के साथ जोड़कर गंभीर क्रिकेट के साथ उसकी मस्ती बढ़ाने में सफल होंगे।

छछउ ळील्ल 10 का यह नया सीजन खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों सभी के लिए काफी रोमांचक होने वाला है। जीएल बजाज यूनिवर्सिटी की टीमों ने धूम मचाने की तैयारी कर ली है।

जीएल बजाज एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस के वाइस-चेयरमैन श्री पंकज अग्रवाल ने यह जोर देकर कहा कि यह युनिवर्सिटी समर्पण भाव से विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। ह्यह्यजीएल बजाज यूनिवर्सिटी में हम विद्यार्थियों का मानसिक और शारीरिक दोनों विकास करना चाहते हैं। हमारी तरह छछउ ळील्ल 10 की दूरदृष्टि भी शिक्षा के साथ-साथ खेल में उत्कृष्टता के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है। हम आगरा और नोएडा की टीमों का हौसला बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं और हमें क्रिकेट के इस रोमांचक सीजन का इंतजार है।

जीएल बजाज यूनिवर्सिटी का परिचय - जीएल बजाज यूनिवर्सिटी विद्यार्थियों की शिक्षा में उत्कृष्टता और समग्र विकास के लिए समर्पित एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह नवाचार, नेतृत्व और खेल कौशल बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। जीएल बजाज यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी अपनी पूरी क्षमता हासिल करें इस उद्देश्य से यहां कई विशिष्ट प्रोग्राम और एक्टिवीटीज हैं।

# रोबोटिक तकनीक से इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल में कार्डियक सर्जरी



जीतेन्द्र शर्मा

**नई दिल्ली,** इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल में रोबोटिक कार्डियक सर्जरी से मरीजों की सबसे तेज और बेहतर रिकवरी हो रही है। स्थिति यह है कि पारंपरिक तरीकों से अलग इस प्रक्रिया के जरिए अब तक 98 फीसादी रोगियों में सफलता हासिल हुई है। यह जानकारी नई दिल्ली स्थित इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के प्रसिद्ध कार्डियक सर्जन डॉ. एमएम यूसुफ और डॉ. वरुण बंसल ने एक सम्मेलन के दौरान साझा की। अपोलो अस्पताल के रोबोटिक्स और मिनिमली इनवेसिव हार्ट सर्जरी विभाग के वरिष्ठ सलाहकार एवं हृदय विशेषज्ञ डॉ. एमएम यूसुफ ने कहा, हृदय देखभाल में रोबोटिक कार्डियक सर्जरी एक परिवर्तनकारी प्रगति का प्रतीक है। इस अत्याधुनिक रोबोटिक प्रौद्योगिकी से हम बेहद सटीक और कम जोखिम भरी प्रक्रियाएं करने में सक्षम हैं जो मरीज के लिए जटिलताओं को काफी कम कर देती हैं। सम्मेलन के दौरान, डॉ. यूसुफ और डॉ. बंसल ने रोबोटिक सहायता से जटिल स्थितियों के प्रबंधन में इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल की विशेषज्ञता को प्रदर्शित करते हुए विस्तृत केस अध्ययन प्रस्तुत किया। उन्होंने मरीजों की कहानियां साझा कीं। इनमें ओपन-हार्ट सर्जरी के लिए उच्च जोखिम वाले लोग, काम पर जल्दी वापसी और सक्रिय जीवन चाहने वाले और न्यूनतम घाव पसंद करने वाले लोग शामिल थे। रोबोटिक कार्डियक सर्जरी की प्रभावशीलता को रेखांकित करते हुए, ये मरीज तेजी से ठीक हो गए और अपना जीवन फिर से शुरू कर दिया।

विशेषज्ञों का यहां तक कहना था कि इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल हृदय संबंधी देखभाल के क्षेत्र में सबसे आगे बना हुआ है और रोगी के परिणामों में सुधार के लिए लगातार उन्नत रोबोटिक तकनीकों का लाभ उठा रहा है। जैसे-जैसे रोबोटिक कार्डियक सर्जरी का क्षेत्र बढ़ता जा रहा है, अस्पताल नए मानक स्थापित करने और अपने रोगियों के लिए सर्वोत्तम संभव देखभाल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

# मुंडका की LED बनाने की फैक्ट्री में लगी भीषण आग

- 250 फायर कर्मी आग बुझाने में शाम तक जुटे रहे
- 10 घंटे बाद भी काबू नही, 52 गाड़ियां जा चुकी मौके पर

मुंडका इलाके में आज सुबह हुंडई शोरूम शोरूम के पास एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। मौके पर अलग-अलग फायर स्टेशनों से आग बुझाने वाली 34 गाड़ियां भेजी गई। बाद में इनकी संख्या बढ़कर 52 तक पहुंच गई। लगभग 10 घंटे की मशक्कत के बाद आग को कंट्रोल तो कर लिया गया है। लेकिन उसे बुझाए नहीं जा सका है। मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम लगातार काम कर रही है। पूरी तरह आग बुझाने का काम किया जा रहा है। फायर डायरेक्टर अतुल गर्ग ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि फायर कंट्रोल रूम को सुबह 7:17 पर आग लगने की कॉल मिली थी। आग एक हजार स्क्वायर में बने फैक्ट्री



की बिल्डिंग में लगी है। ग्राउंड फ्लोर पूरी तरह चपेट में आ गया। फर्स्ट और सेंड फ्लोर को बचा लिया गया है। मौके पर चीफ फायर ऑफिसर वीरेंद्र सिंह की देखरेख में डिप्टी चीफ फायर ऑफिसर एस के दुआ, ए के मालिक, डीओ मुकेश वर्मा सहित लगभग 250 फायर कर्मियों की टीम आग बुझाने में लगी हुई रही। राहत की बात यह है, कि अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। समाचार लिखे जाने तक मौके पर 20 गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हुई थी।

## अवैध फ्लैट बनाने वाले बिल्डर और निगम को नोटिस जारी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने खरीददारों की याचिका पर दिल्ली नगर निगम व अवैध फ्लैट बनाकर बेचने वाले मालिकों को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने इस मामले में प्रतिवादियों को आठ जुलाई के लिए नोटिस जारी किया है। पीठ ने सभी पक्षकारों को इस याचिका पर अगली सुनवाई पर जवाब दाखिल करने को कहा है। दरअसल इस मामले में पांच लोगों की तरफ से उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई है। उनका कहना है कि उन्होंने एक नवनिर्मित इमारत में फ्लैट खरीदे हैं, लेकिन हाल में उन्हें दिल्ली नगर निगम की तरफ से इन फ्लैटों को ढहाने का नोटिस मिला है। निगम का कहना है कि यह फ्लैट अवैध तरीके से बनाए गए हैं। इनकी मंजूरी विभाग से नहीं ली गई है। याचिकाकताओं का कहना है कि उन्होंने यह फ्लैट बनाने वाले व्यक्ति से विक्रय पत्र(सेल डीड) पर खरीदे हैं। याचिकाकताओं की दलील है कि अगर उनके इस आशियाने को ढहाया जाता है तो वह इस भरी गर्मी में बेघर हो जाएंगे। उन्होंने अपनी गाढ़ी कमाई इन फ्लैटों को खरीदने में लगा दी है।

# मरीज को दूसरे विभाग में रेफर करने पर तय होगी जवाबदेही

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अस्पतालों के लिए मरीज को एक विभाग से दूसरे में रेफर करने के संबंध में पहली बार दिशानिर्देश जारी किए हैं। ऐसा रेफर प्रक्रिया की विसंगतियों को दूर करने व जिम्मेदार की जवाबदेही तय करने के लिए किया गया है। दिशा-निर्देश में इस बात पर जोर दिया गया है कि जब भी मरीजों को विशेष देखभाल, नैदानिक मूल्यांकन या परामर्श की आवश्यकता हो, तो रेफर की प्रक्रिया को तुरंत शुरू किया जाना चाहिए। मंत्रालय की ओर से सात जून को जारी दिशा-निर्देशों (अस्पतालों के भीतर) में कहा गया है कि किसी परामर्शदाता की राय के लिए केवल परामर्शदाताओं द्वारा ही रेफर किया जाना चाहिए। स्नातकोत्तर रेजिडेंट चिकित्सक अपने परामर्शदाताओं से चर्चा किए बिना मरीज को खुद रेफर नहीं कर सकते। भूमिका निर्धारण न होने से इलाज में देरी

मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल ने कहा है कि रेफर प्रक्रिया किसी भी चिकित्सा संस्थान में रोगी की उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल का एक महत्वपूर्ण घटक है। खराब समन्वय-संचार, अस्पष्ट प्रक्रियाएं, गैर-मानकीकृत प्रारूप और स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए अपर्याप्त प्रशिक्षण जैसी समस्याएं आम हैं। ये समस्याएं रोगियों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर भूमिकाएं निर्धारित न होने की वजह से रोगी के इलाज में देरी होती है।

अस्पतालों को लागू करना होगा प्रोटोकॉल

मंत्रालय ने कहा है कि रेफर किए जाने का एक मजबूत और कुशल तंत्र भी रेजीडेंट के प्रशिक्षण का अनिवार्य हिस्सा होना चाहिए। यह आगे चलकर उनके लिए बहुत उपयोगी होगा। दिशा-निर्देश में कहा गया है कि किसी भी अंतर-विभागीय रेफर प्रक्रिया में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जिसे दूर करने के लिए अस्पतालों को मानकीकृत प्रोटोकॉल लागू करना होगा।

## पेड़ से लटका मिला अधेड़ का शव



नई दिल्ली। द्वारका नॉर्थ थाना क्षेत्र स्थित एक पार्क में 15 जून को एक अधेड़ ने आत्महत्या कर ली। राहगीरों ने उसके शव को पेड़ से लटका हुए देखकर मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने शव की पहचान कर उसके परिजनों को वारदात की जानकारी दे दी है। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि 48 वर्षीय रमेश अपने परिवार के साथ भरत विहार, दिल्ली में रहता था। परिजनों ने फिलहाल किसी पर कोई संदेह नहीं जताया है। ऐसे में पुलिस रमेश के परिजनों और दोस्तों के बयान लेकर मामले की जांच कर रही है।

# लूटपाट से पहले हेलमेट खरीदने के लिए किया था पेटीएम

संवाददाता

- उसी भुगतान से पुलिस को मिला सुराग 4 गिरफ्तार

लूटपाट से पहले हेलमेट खरीदने के लिए पेटीएम से पैसे भुगतान करना बदमाशों को भारी पड़ गया। पुलिस ने पेटीएम से किए गए भुगतान की मदद से पहले एक बदमाश के एड्रेस का पता किया। फिर तीन लुटेरे समेत चार आरोपियों को धर दबोचा। उनके पास से एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और एक सोने की चेन बरामद हुआ है। वही गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साहिल अफरीदी,सलमान उर्फ अरसद, फैजल और सुमित वर्मा के तौर पर हुई है। उनकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने 10 मामले भी सुलझाने का दावा किया है।

डीसीपी सेंट्रल एम हर्षवर्धन ने बताया कि 2 जून को करोलबाग पुलिस को स्नैचिंग की कॉल मिली थी। नाइवालान मेन रोड पर स्कूटी सवार दो बदमाश एक दुकानदार के गले से सोने की चेन लूट ली थी। पीड़ित ने उनका पीछा भी किया था। लेकिन आरोपियों ने इशारा कर डराया तो वह पीछा करना बंद कर दिया। उनके शिकायत पर लूटपाट का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पता चला कि वारदात से पहले दो आरोपियों ने दिल्ली गेट से हेलमेट खरीदा गया था। तब दुकानदार ने बताया कि उन दोनों ने नहीं किसी तीसरे ने हेलमेट खरीदा था और दो बार 500 रुपए का भुगतान पेटीएम से किया था। तब पेटीएम के मदद से साहिल अफरीदी की पहचान कर उसे पुलिस ने उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया।

उसकी निशानदेही पर उसके साथी सलमान उर्फ अरसद और फैजल को गिरफ्तार किया गया। आखिरी में उनके चौथे साथी सुमित वर्मा को भी गिरफ्तार कर लिया गया। साहिल को छोड़ तीन आरोपी पहले से भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रह चुके है।

# पिटाई का बदला लेने के लिए युवक को चाकू से गोदा

नई दिल्ली। अंबेडकर नगर इलाके में शनिवार को पिटाई का बदला लेने के लिए तीन युवकों ने एक शख्स को चाकू से गोद दिया। इस दौरान पुलिसकर्मी ने एक बदमाश को मौके पर ही पकड़ लिया और घायल युवक को लोगों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया। घायल के बयान पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ हत्या का प्रयास और अन्य धाराओं में केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि घायल 18 वर्षीय लक्की अपने परिवार के साथ दक्षिणपुरी में रहता है। पुलिस को दिए बयान में लक्की ने बताया कि करीब तीन माह पहले आरोपियों में शामिल एक शख्स से उसका झगड़ा हुआ था। झगड़े में लक्की ने उसकी पिटाई कर दी थी। शनिवार को वह अपने घर के काम से बी ब्लॉक गया था। यहां आरोपी उसके साथ झगड़ा करने लगे। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने पीड़ित की पिटाई की और फिर चाकू से हमला कर दिया। इसी दौरान हेडकांस्टेबल हुकुम सिंह शोर सुनकर मौके पर पहुंचे।

# दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने पुलिस से पानी की पाइपलाइन की सुरक्षा करने का अनुरोध किया

- आतिशी ने कहा, यमुना नदी में कम पानी छोड़े जाने के कारण पानी की मात्रा में 70 एमजीडी की गिरावट आई है

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी में गहराए जल संकट के मद्देनजर दिल्ली सरकार की जल मंत्री आतिशी ने रविवार को पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा को पत्र लिखकर कई प्रमुख पाइपलाइन की सुरक्षा और गश्त करने के लिए अगले 15 दिन तक पुलिसकर्मियों को तैनात करने का अनुरोध किया है। मंत्री ने पत्र में कहा कि दिल्ली भीषण गर्मी और जल संकट से जूझ रही है।

आतिशी ने कहा, यमुना नदी में कम पानी छोड़े जाने के कारण पानी की मात्रा में 70 एमजीडी की गिरावट आई है, जिससे दिल्ली के कई इलाके जल संकट से जूझ रहे हैं। ऐसे में पानी की एक-एक बूंद कीमती है। उन्होंने पुलिस आयुक्त को लिखे पत्र में कहा कि दिल्ली जल बोर्ड ने मुख्य जल वितरण नेटवर्क के लिए गश्ती दल तैनात किए हैं।




जल वितरण नेटवर्क नदी में छोड़े गए पानी को जल शोधन संयंत्रों तक पहुंचाता है और फिर वहां से शहर के विभिन्न हिस्सों के भूमिगत जलाशयों तक आपूर्ति की जाती है।

आतिशी ने कहा, हमने इस काम में मदद लेने के लिए अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट की देखरेख में कई टीम भी तैनात की हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड के गश्ती दल ने शनिवार को दक्षिण दिल्ली पाइपलान में रिसाव की जानकारी दी थी जो सोनिया विहार जल शोधन संयंत्र से दक्षिणी दिल्ली के इलाकों तक पानी पहुंचाने वाली मुख्य पाइपलाइन है।

आतिशी ने कहा, गढ़ी मेडू में डी.टी.एल. सबस्टेशन के पास पाइपलाइन में रिसाव हुआ था। हमारे गश्ती दल को पता चला कि पाइपलाइन में 375 एम.एम. के कई बड़े बोल्ट और 12 इंच का एक बोल्ट कटा हुआ था जिससे रिसाव हो रहा था। उन्होंने कहा, इससे पता चलता है कि पाइपलाइन में कुछ गड़बड़ी की गई है या उसमें जानबूझकर तोड़फोड़ की गई है।

आतिशी ने पुलिस आयुक्त से अगले 15 दिन तक दिल्ली की प्रमुख पाइपलाइनों की सुरक्षा करने और शरारती तत्वों को इनमें किसी भी तरह की छेड़छाड़ करने से रोकने के लिए पुलिसकर्मियों को तैनात करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, ह्यइस स्थिति में पानी की प्रमुख पाइपलाइन में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या तोड़फोड़ दिल्ली के लोगों के समक्ष पहले से ही मौजूद जल संकट को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना देगी।

आतिशी ने कहा कि रखरखाव टीम ने लगातार छह घंटे तक काम करने के बाद रिसाव को ठीक किया और क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत की। उन्होंने कहा, लेकिन इस दौरान हमें छह घंटे तक पानी की आपूर्ति रोकनी पड़ी, जिससे 20 एमजीडी पानी की आपूर्ति नहीं की जा सकी। इसके परिणामस्वरूप पहले से ही गहराए जल संकट के कारण दक्षिणी दिल्ली में 25 प्रतिशत पानी की कमी और हो जाएगी।

# नीट परीक्षा में धांधली पर भड़के सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने नीट की परीक्षा में हुई धांधली पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 24 लाख बच्चे यदि दोबारा परीक्षा की मांग कर रहे हैं तो केंद्र सरकार को इसे मान लेना चाहिए। उन्होंने देश के लोगों से भी अपील की है कि वह इन बच्चों की आवाज बनें, नहीं तो देश को बहुत नुकसान होगा। ये सिर्फ बच्चों का मामला नहीं है। ये देश का मामला है। जो 60 लाख रुपये देकर नीट की परीक्षा पास करेगा वो क्या डॉक्टर बनेगा और क्या इलाज करेगा। डॉक्टर बनने की ख्वाहिश लिए बच्चों ने 18-18 घंटे तक पढ़ाई की लेकिन परीक्षा में धांधली से आज उनका दिल टूटा हुआ है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि देश भर से 24 लाख से अधिक बच्चों ने डॉक्टर बनने की ख्वाहिश लिए नीट की परीक्षा दी थी। साल भर मेहनत कर एमबीबीएस में एडमिशन के लिए नीट का एग्जाम दिया। अब लगातार खबरें आ रही हैं कि इस एग्जाम में बड़े स्तर पर धांधली हुई है। जो बच्चे



24 में से 18 घंटे पढ़ते थे कि उन्हें डॉक्टर बनना है आज उनका दिल टूटा हुआ है। गुजरात में जिस सेंटर पर पेपर लीक हुआ था। वहां पर कहा गया था पेपर लेकर उत्तर वाली सीट खाली छोड़ दीजिए। उस सेंटर के टीचर उत्तर वाली सीट में सही उत्तर भर देंगे।

न्होंने कहा कि आज बिहार से खबर आई कि नीट की परीक्षा से पहले 13 लोगों को एक सेफ हाउस में ले जाया गया था। उनको वहां पर नीट का पेपर दिया गया। इसके बदले उनके मां बाप से 30 से 60 लाख रुपये ले लिए गए। आज बच्चे मांग कर रहे हैं कि इस एग्जाम को दोबारा करा दो। क्या केंद्र सरकार बच्चों की एक छोटी सी बात नहीं मान सकता है। जब कोई व्यक्ति या समूह परेशान होता है तो हम लोग कहते हैं कि हमे क्या। इस देश के अंदर किसानों ने लंबा आंदोलन किया। 700 किसानों की जान चली गई। लोगों ने कहा हमें क्या। ये किसानों का मसला है। देश की सेना के जवानों ने वन रैंक वन पेंशन के लिए जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया, लोगों ने कहा हमें क्या। देश के डॉक्टरों, वकीलों ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने डॉक्टरों, वकीलों से मारपीट की लोगों ने कहा हमें क्या। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि छात्र और बेरोजगार लोग प्रदर्शन कर रहे हैं क्योंकि छोटे से लेकर बडे एग्जाम लीक हो जाते हैं। दिन रात मेहनत करने वाले युवा दर दर भटक रहे हैं। न्याय मांग रहे हैं। मैं लोगों से निवेदन करना चाहता हूं कि हमें क्या वाली ये जो सोच है, इससे देश को बहुत नुकसान हो रहा है। अपने इन 24 लाख बच्चों के लिए खड़े हो जाइए। नहीं तो इस देश से शाख खत्म हो जाएगी। बाहर के तमाम देशों में यहां के डॉक्टरों की मांग इसलिए बहुत ज्यादा है, क्योंकि भारत का एग्जाम और कंपटीशन को सब लोग मानते हैं। जो बच्चे 60 लाख रुपये देकर एग्जाम को पास करेंगे वह क्या डाक्टर बनेंगे। वो क्या इलाज करेंगे। सभी लोगों को 24 लाख बच्चों के लिए आवाज उठानी चाहिए।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात: किरण

# राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, सोमवार, 17 जून, 2024

## हरियाणा से दिल्ली के हक का पानी मांगने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री के आवास पहुंचे आप विधायक, नहीं मिलने पर सौंपा पत्र

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता



हरियाणा की भाजपा सरकार द्वारा दिल्ली के हक का पानी नहीं देने के मुद्दे पर रविवार सुबह आम आदमी पार्टी के विधायकों का एक प्रतिनिधि दल केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मिलने उनके आवास पहुंचा। दल का नेतृत्व कर रहे विधायक दिलीप पांडे ने कहा कि मंत्री से मुलाकात नहीं हो पाई, लेकिन हमने हरियाणा से दिल्ली के हक का पानी दिलाने की मांग करते हुए उनके आवास पर एक पत्र सौंपा है और अनुरोध किया है कि वो दिल्ली का दर्द समझें और तत्काल राहत दिलाने की पहल करें। अगर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री अभिभावक की भूमिका निभाते हुए इंटर स्टेट कोऑर्डिनेशन कर दें तो दिल्ली को इस भीषण गर्मी में पानी मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जल संकट हर पल गंभीर रूप ले रहा है। यमुना का जल स्तर घटने से पानी का उत्पादन कम हो रहा है। ऐसे समय में कुछ लोग पानी पर राजनीति भी कर रहे हैं, जो ठीक नहीं है। जबकि, आप और दिल्ली सरकार पानी की समस्या के समाधान के लिए जमीन पर उतर कर काम कर रही है। इस दौरान पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम, राखी बिड़लान, दुर्गेश पाठक समेत अन्य विधायक मौजूद रहे। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक दिलीप पांडे ने कहा कि दिल्ली के अंदर जल संकट हर क्षण गंभीर रूप ले रहा है। यमुना का जल स्तर नीचे जाने की वजह से दिल्ली में पानी का प्रोडक्शन कम हो रहा है। इसकी वजह से कई इलाकों में पानी की आपूर्ति कम हो पा रही है। भीषण गर्मी पड़ रही है और इस भीषण गर्मी में जल ही जीवन है। जल संकट का मतलब जीवन पर संकट है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के सभी विधायकों ने शनिवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल को पत्र लिखा, ईमेल किया, उनके सभी सार्वजनिक व व्यक्ति फोन नंबरों पर मैसेज किया और उन्हें बताया कि दिल्ली के अंदर गंभीर जल संकट है। आपके थोड़े से कोऑर्डिनेशन से इस समस्या का समाधान हो सकता है।

दिलीप पांडे ने कहा कि दिल्ली के लोग पानी की कमी की वजह से परेशान हैं। हिमाचल की सरकार दिल्ली को पानी देने के लिए तैयार है, लेकिन बीच में हरियाणा राज्य पड़ रहा है, जिससे होकर पानी दिल्ली आएगा। इसलिए इंटर स्टेट कोऑर्डिनेशन जरूरी है। सीआर पाटिल केंद्र सरकार में एक जिम्मेदार व्यक्ति हैं और जल शक्ति विभाग के मंत्री हैं। इसलिए सीआर पाटिल से पूरी दिल्ली की जनता को उम्मीद है कि वो अभिभावक की भूमिका निभाते हुए इंटर स्टेट कोऑर्डिनेशन कर दे तो दिल्ली के दो करोड़ लोगों को इस भीषण गर्मी में पानी मिल जाएगा। दिल्लीवालों की जान हलकान होने से बच जाएगी।

दिलीप पांडे ने मुनक कैनाल की कुछ वीडियो और फोटो दिखाते हुए कहा कि पानी माफिया मुनक कैनाल में पाइप लगाकर पानी चोरी कर रहे हैं। बुराड़ी के पास हिरण्की है। उसके दूसरी तरफ यमुना के पास उत्तर प्रदेश का पछड़ा पड़ता है। वहां पर बालू माफिया यमुना में बांध बनाकर यमुना की धारा प्रवाह को रोक रहे हैं और अवैध बालू खनन कर रहा है लेकिन उत्तर प्रदेश पुलिस की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसी तरह के छोटे-छोटे अवरोध हैं, जिसमें केंद्र सरकार से थोड़ा सा सहयोग मिल जाएगा तो दिल्ली के लोगों को इस भीषण गर्मी में जल संकट से राहत मिल जाएगी।

उन्होंने कहा कि जनता को जल संकट से राहत दिलाने के लिए दिल्ली सरकार की जल मंत्री आतिशी और सभी विधायक जमीन पर उतर कर काम कर रहे हैं। जल विभाग, डीएम, एसडीएम समेत सभी महकमा जमीन पर है और लगातार यह सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है कि कहीं पर भी पानी की एक बूंद बर्बाद न हो और पाइप लीकेज की वजह से पानी बर्बाद न हो। हम इसी उम्मीद के साथ केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के आवास पर आए थे कि हमारी बात सुनी जाएगी। हमें पता चला है कि सीआर पाटिल नहीं हैं। उनकी अपनी व्यस्तताएं हो सकती हैं लेकिन दिल्ली की जनता के प्रतिनिधि होने के नाते उसकी बात हम लोग ही कहेंगे। उसी उम्मीद से हम दिल्ली की जनता की पीड़ा रखने के लिए सीआर पाटिल के आवास पर आए थे। हमने पहले ही अपनी तरफ से एक चिट्ठी सीआर पाटिल के आवास पर मौजूद जिम्मेदार अफसरों को दे दी है और केंद्रीय मंत्री से हस्तक्षेप करने की अपील की है ताकि दिल्ली की जनता को तत्काल राहत मिल सके।

दिलीप पांडे ने उम्मीद जताते हुए कहा कि सीआर पाटिल दिल्ली की जनता का दर्द समझेंगे। हम समझ सकते हैं कि उनको नया-नया मंत्रालय मिला है और मंत्रालय की प्रक्रियाओं को समझने में थोड़ दिन और लगे, लेकिन सीआर पाटिल बहुत मजबूत और अनुभवी मंत्री हैं। उनका थोड़ा सा हस्तक्षेप दिल्ली की जनता को भारी जल संकट से राहत दिला सकता है। एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि लोग जल संकट के उपर राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन आम आदमी पार्टी के विधायक केवल दिल्ली की जनता की पीड़ा बयान कर रहे हैं। दिल्ली सरकार की जल मंत्री केवल पानी की समस्या के समाधान पर काम कर रही हैं। मुझे लगता है कि यह समय दिल्ली की जनता की जान के उपर राजनीति करें। राजनीति अन्य मुद्दों पर करें, लेकिन जल संकट राजनीति करने का विषय नहीं है। पानी के मुद्दे पर हम सबको दलगत राजनीति से उपर उठकर दिल्ली की जनता को राहत दिलाने पर काम करना चाहिए।

## राष्ट्रीय स्तर की कला प्रदर्शनी पैशन एक्सप्लोसन का हुआ दिल्ली में आयोजन

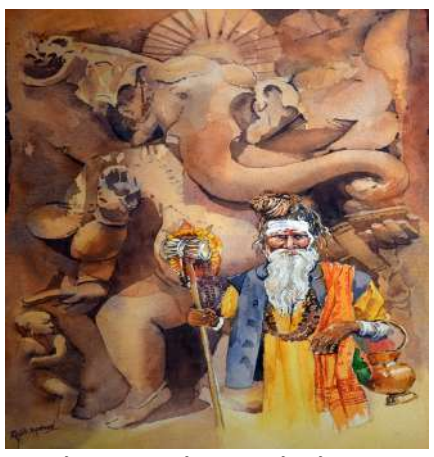

- भारत के 12 राज्यों के 38 कलाकारों की सामूहिक कला प्रदर्शनी दिल्ली में आयोजित
- सामूहिक कला प्रदर्शनी का दिल्ली में आयोजन
- नव श्री आर्ट एंड कल्चर द्वारा आयोजित पैशन एक्सप्लोसन का हुआ दिल्ली में आयोजन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता



हर साल नव श्री आर्ट एंड कल्चर आर्गेनाईजेशन द्वारा ह्यपैशन एक्सप्लोसन नाम से ड्राइंग, पेंटिंग, कला और शिल्प की एक समूह प्रदर्शनी आयोजित की जाती है। इस वर्ष की प्रदर्शनी आर्टिजन आर्ट गैलरी, प्यारे लाल भवन, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित की जा रही है। प्रदर्शनी 14 जून से 16 जून 2024 तक सुबह 11 बजे से शाम 6:30 बजे तक चलेगी।

अखिल भारतीय चित्रकला प्रतियोगिता के नामांकित कलाकारों सहित पूरे भारत के 38 कलाकार इस प्रदर्शनी में भाग ले रहे हैं। एक ही छत के नीचे विभिन्न कलाओं और शिल्पों को देखा जा सकता है। सभी कलाकार अपने काम को जनता के सामने पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। इस प्रदर्शनी में दर्शकों के लिए पेंटिंग और शिल्प वस्तुओं को बहुत अच्छी तरह से प्रदर्शित किया जाता है। यहां कुछ अनोखी और दिलचस्प चीजें देखने को मिल सकती हैं।

नव श्री कला एवं संस्कृति संगठन के अध्यक्ष श्री मोहित मनोचा की बचपन से ही कला में गहरी रुचि थी। उनका कहना है कि वह कलाकारों को उनकी मंजिल से जोड़ने का रास्ता बनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इस तरह उनके लिए अपने गंतव्य तक पहुंचना आसान हो जाएगा। वह आगे कहते हैं कि प्रदर्शनियों के माध्यम से वह कलाकारों को बढ़ावा देने और उनमें विश्वास जगाने में सफल रहे हैं।

दिल्ली से अदिति शर्मा, उत्तर प्रदेश से आकाश मौर्य, उत्तर प्रदेश से अंजलि मिश्रा, महाराष्ट्र से अंजना घैसास, दिल्ली से अनूप कुमार दुबे, उत्तर प्रदेश से अपराजिता रे, बिहार से अरुण कामती, महाराष्ट्र से आर्य संदीप मुले, दिल्ली से आयुष अग्निहोत्री, उत्तर प्रदेश से बिजय शर्मा, झारखंड से चंदा कुमारी, नई दिल्ली से चांदनी रजिया, नई दिल्ली से दीपू डेविड, मध्य प्रदेश से ध्रुव अग्रवाल, पंजाब से गुरिंदर पाल सिंह, आंध्र प्रदेश से जीवन कुमार तुराका, दिल्ली से कुलदीप वर्मा, असम से मेघा जैन, दिल्ली से मोहित खरकवाल, उत्तर प्रदेश से नेहा, हरियाणा से नेहा, महाराष्ट्र से निताश्री प्रवीण ढेंगे, महाराष्ट्र से प्रदीप रामचंद्र मस्के, पश्चिम बंगाल से प्रणब नंदी, दिल्ली से प्रीति गुप्ता, नई दिल्ली से रजत गोयल, बिहार से राजेश राठौर, झारखंड से राजीव अग्रवाल, नई दिल्ली से रविंदर कुमार, दिल्ली से ऋतंबरा शर्मा, हरियाणा से रुचि भसीन, नई दिल्ली से शिखा और अनुजा अग्रवाल, उत्तर प्रदेश से शिवांगी जायसवाल, ओडिशा सुमीत से कुमार नाइक, नई दिल्ली से सूरज कुमार, महाराष्ट्र से वैष्णवी रतनलाल जायसवाल, दिल्ली से जकिया राशिद, हरियाणा से लक्षित से मुखिया, कोलंबिया से मैगनोलिया पेरेज बेजरानो भाग ले रहे हैं। अनेक कला प्रेमियों की उपस्थिति ने कलाकारों को नई ऊर्जा से भर दिया है।

## मानक चिन्ह के दुरुपयोग करने वाले पर भारतीय मानक ब्यूरो गाज़ियाबाद शाखा द्वारा छापामारी अभियान चलाया गया।

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता



भारतीय मानक ब्यूरो गाजियाबाद शाखा कार्यालय की टीम के द्वारा मेसर्स ललित मैकेनिकल वर्क्स, 109/52, न्यू राजेंद्र नगर औद्योगिक क्षेत्र, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, 201005 में तलाशी और जब्ती अभियान चलाया। आईएसआई के साथ चिह्नित एसी संचालन के लिए सर्किट ब्रेकरों का लगभग 150 पैक स्टॉक मार्क, सीएम/एल-3073850, आईएस/आईईसी 60898-1 फर्म के पास उपलब्ध था। कंपनी द्वारा एक पुराने लाइसेंस का दुरुपयोग किया जा रहा था, जो पहले मेसर्स परम स्विथगियर प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली को जारी किया गया था और साथ ही इसकी समयावधि समाप्त हो चुकी थी।

भारतीय मानक ब्यूरो गाजियाबाद शाखा को इसकी जानकारी कुछ उपभोगताओं द्वारा निरंतर दिया जा रहा था। जिसके बाद शाखा प्रबंधक श्री कुमार अनिमेष के नेतृत्व में गठित टीम ने इसकी जानकारी जुटा, इस जब्ती अभियान को सफल बनाया, यह तलाशी और जब्ती अभियान भारतीय मानक ब्यूरो के जिसमें श्री नवीन कुमार (संयुक्त निदेशक) श्री हरिओम मीना (उप निदेशक) श्री राहुल कुमार एवम अन्य द्वारा गाजियाबाद पुलिस के पुलिसकर्मियों के सहयोग से चलाया गया। सारा सामान जब्त कर लिया गया है और साक्ष्य के उद्देश्य से कुछ सर्किट ब्रेकरों को सील कर लिया गया है। शाखा कार्यालय बीआईएस अधिनियम 2016 के अनुसार उल्लंघन के प्रावधान के अनुसार माननीय अदालत मे मामला दर्ज करेगा और जब्त की गई सामग्री को सबूत के रूप में अदालत में पेश किया जाएगा।

इस छापामारी अभियान के भारतीय मानक ब्यूरो गाजियाबाद शाखा प्रबंधक श्री कुमार अनिमेष ने बताया कि उपभोगताओं से ठगी और मानकों के दुरुपयोग को भारतीय मानक ब्यूरो किसी भी तरह बर्दाश्त नहीं करेगा, और इस तरह की छापामारी निरंतर जारी रहेगी, साथ ही उपभोगताओं से अनुरोध किया कि अपने आसपास हो रहे इस तरह के मनकों के दुरुपयोग या ठगी की शिकायत स्त्रस्र द्वारा या अन्य माध्यमों से कार्यालय तक पहुंचाएं।

## मुंडका इलाके में फैक्ट्री में लगी भीषण आग, दमकल की 35 गाड़ियां ने पाया काबू

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता



राजधानी दिल्ली में गर्मी और शॉर्ट सर्किट से आग की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। ताजा मामला रविवार को मुंडका औद्योगिक इलाके से सामने आया है। यहां गद्दे की एक फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची फायर विभाग की गाड़ियां आग बुझाने में जुट गईं। फायरकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है।

दरअसल, जिस फैक्ट्री में आग लगी है वह चार मंजिला है। इस आग की घटना में किसी के घायल होने की कोई जानकारी सामने नहीं आई है। दिल्ली फायर सर्विस ने जानकारी देते हुए बताया कि आग बुझाने के लिए मौके पर 35 फायर टेंडर भेजे गए। वहीं, लगने की वजह अभी पता नहीं चल पाया है। हालांकि, माना जा रहा है कि शॉट सर्किट के कारण आग लगी है। बता दें, आग तेजी से फैलती हुई पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया था। जैसे ही आग की शुरूआत हुई वैसे ही यहां काम कर रहे कर्मचारी बाहर आ गए जिससे बड़ा हादसा होते होते टल गया। फिलहाल आग को काबू कर लिया गया है। बाद में जांच के दौरान पता चलेगी की आग लगने की असल वजह क्या थी और यह फैक्ट्री वैध थी या अवैध। ज्ञात हो कुछ दिन पहले ही दिल्ली के चांदनी चौक में आग लग गई थी और यह लगभग 50 दुकानों तक फैल गई थी इस आगजनी से करोड़ों रुपये का नुकसान भी हुआ था।

## एनसीवीईटी ने डीएमआरए को प्रदान की दोहरी मान्यता

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता



दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी (डीएमआरए) को राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) द्वारा पुरस्कार देने वाली संस्था और मूल्यांकन एजेंसी दोनों के रूप में दोहरी मान्यता प्रदान की गई है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एनसीवीईटी एक नियामक निकाय है जो भारत में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए योग्यता और मूल्यांकन प्रक्रियाओं को विनियमित एवं मानकीकृत करती है। उन्होंने कहा कि एनसीवीईटी का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम सुनिश्चित करना है जो उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करे और राष्ट्र की कौशल विकास पहल में योगदान दे। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने कहा कि एनसीवीईटी द्वारा मिली यह मान्यता इस बात का प्रतीक है कि डीएमआरए राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुसार अनुमोदित प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने और नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) के अनुसार कठोर मूल्यांकन करने के लिए उच्चतम मानकों को पूरा करता है। दयाल ने कहा कि पुरस्कार देने वाली संस्था के रूप में डीएमआरए को अब व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को विकसित करने, वितरित करने और प्रमाणित करने के लिए मान्यता मिली है, इसके अतिरिक्त एक मूल्यांकन एजेंसी के रूप में डीएमआरए को पेशेवरों की योग्यताओं का मूल्यांकन और प्रमाणन करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि डीएमआरए मेट्रो रेल उद्योग में कुशल पेशेवरों के विकास के लिए समर्पित एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है। डीएमआरसी द्वारा स्थापित अकादमी मेट्रो रेल संचालन, रखरखाव और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करती है। डीएमआरए एक दिन में 900 से अधिक प्रशिक्षुओं को समायोजित कर सकता है।

## गर्भवती पत्नी और माता-पिता की हत्या कर 16 साल से था फरार

### क्राइम ब्रांच ने आरोपी को गुवाहाटी से किया गिरफ्तार

संवाददाता

क्राइम ब्रांच की टीम ने अपनी प्रेग्नेंट पत्नी और माता पिता की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आरोपी नितिन वर्मा को 16 साल बाद गुवाहाटी से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पैरोल पर बाहर आने के बाद जेल में सरेंडर नहीं किया था। डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि 19 अप्रैल 2008 को द्वारका के राजनगर-2, पालम गांव इलाके में ट्रिपल मर्डर हुआ था।

घर में एक मेल और दो फीमेल के खून से लथपथ शव पड़े हुए थे। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। परिवार के ही नितिन को भी घायलावस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस को नितिन पर शक था। पूछताछ करने पर पता चला कि उसी ने अपनी गर्भवती पत्नी और माता-पिता की हत्या की है। कोर्ट ने उसको आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वह एक साल से अधिक समय से पैरोल पर रिहा होने के बाद वह कभी भी जेल वापिस नहीं गया।

अपराध शाखा की टीमें वांटेड बदमाशों के बारे में पता करके उनको पकडे की कोशिश कर रही है। जिसमें से एक नितिन वर्मा भी था। जिसके बारे में पता चला कि वह पालम कॉलोनी में रह रहा है और दरिया गंज इलाके में नौकरी कर रहा है। एसीपी उमेश बर्थवाल की देखरेख में इंस्पेक्टर विवेक मलिक, सब इंस्पेक्टर शुभेंदु की टीम ने उसके ठिकानों पर छापेमारी की। पता चला कि एक महीने पहले ही दरियागंज छोड़ चुका था।

आगे की जांच में पता चला कि वह गुवाहाटी भाग गया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार अपना मोबाइल फोन, नंबर और ठिकाने बदल रहा था। आखिरकार उसको एक पुख्ता जानकारी के बाद गुवाहाटी ठिकाने से पकड़ लिया। वह गुवाहाटी में अपना कारोबार करने की तैयारी कर रहा था।

## अनुचित पार्किंग के लिए 2.4 लाख से अधिक लोगों के खिलाफ पर मामला दर्ज किया

नई दिल्ली । दिल्ली यातायात पुलिस ने इस साल अब तक गलत जगहों पर वाहन खड़े करने के लिए 2.4 लाख से अधिक उल्लंघनकताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में लगभग 35 प्रतिशत अधिक है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यातायात पुलिस ने इस साल गलत जगह पार्किंग के अधिक मामले दर्ज किए हैं। उन्होंने बताया कि इन आंकड़ों से पता चलता है कि यह कार्रवाई यातायात में सुधार लाने और दिल्ली की सड़कों पर सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की व्यापक पहल का हिस्सा है। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली यातायात पुलिस ने पिछले कई महीनों में गलत जगह पार्किंग की समस्या के समाधान के लिए प्रयास तेज किए हैं क्योंकि अक्सर अनुचित जगह पर पार्किंग से जाम लग जाता है और कई बार इससे सड़क दुर्घटनाएं भी होती हैं। इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप पार्किंग उल्लंघन के लिए किए गए चालानों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अवैध पार्किंग की घटनाओं पर अधिक प्रभावी ढंग से निगरानी रखने के लिए अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया है। इसके कारण गलत जगहों पर पार्किंग करने वाले लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने में मदद मिली है। साथ ही इस कदम से लोग उचित जगह पर पार्किंग करने के लिए प्रोत्साहित हुए हैं। अधिकारी ने बताया, दिल्ली यातायात पुलिस ने इस साल अबतक गलत जगह पार्किंग के लिए 2,40,152 उल्लंघनकताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जबकि 2023 में यह संख्या 1,77,800 थी। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 35 प्रतिशत अधिक है।

## न्यू उस्मानपुर में युवक की गोली मारकर हत्या, जांच में हुआ ये खुलासा

नई दिल्ली । उत्तर पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर गांव में 34 साल के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के वक्त व्यक्ति स्कूटी से घर जा रहा था। इसी दौरान बाइक सवार बदमाशों ने उसपर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने वहां पहुंचकर उसे जग प्रवेश अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। कुछ महीने पहले मृतक के भाई की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने सड़क जाम कर विरोध जताया। जाम की जानकारी मिलते ही डीसीपी डॉ. जॉय टिर्की मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा बुझाकर जाम हटवाया। मृतक की पहचान विक्की के रूप में की गई है, जो कि उस्मानपुर गांव का रहने वाला है और वह दूध का कारोबार करता था। डीसीपी डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि शनिवार रात करीब 10:30 बजे उस्मानपुर गांव के शांति मोहल्ले में, डॉक्टर पुलिया के पास एक युवक को गोली मारे जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद मौके पर पुलिस पहुंची और घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। शुरूआती जांच में पता चला है कि विक्की जैसे ही डॉक्टर पुलिया के पास पहुंचा, पहले से घात लगाए बाइक सवार तीन बदमाश उसे पीछे से गोली मारकर फरार हो गए। क्राइम टीम और फोरेंसिक टीम से घटनास्थल का निरीक्षण कराया गया है। मौके से तीन खाली खोखे बरामद किए गए हैं। आरोपियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। साथ ही मृतक के परिवार से भी बातचीत की जा रही है। डीसीपी ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया है कि गांव के ही एक परिवार से मृतक के परिवार की पुरानी रंजिश है। इससे पहले 26 मार्च को मृतक के छोटे भाई की हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने सभी आरोपी को पकड़कर जेल भेज दिया था। मामले की सभी एंगल से जांच की जा रही है, जिसके बाद ही घटना का कारण पता चल पाएगा।

**सूचना** जलसंकट की स्थिति और बिगाड़ने के लिए साज़िशन मुख्य पाईपलाइन को काटकर नुकसान पहुँचाने का षड्यंत्र हुआ

## जल मंत्री आतिशी ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता



दिल्ली में जलसंकट की स्थिति को और बिगाड़ने के लिए साज़िशन मुख्य पाईपलाइन को काटकर नुकसान पहुँचाने का षड्यंत्र किया जा रहा है। बता दे कि, कल दिल्ली जलबोर्ड की ग्राउंड पेट्रोलिंग टीम ने दक्षिण दिल्ली राइजिंग मेन्स - मुख्य जल पाइपलाइन जो सोनिया विहार डब्ल्यूटीपी से दक्षिण दिल्ली तक पानी ले जाती है - में एक बड़े रिसाव की सूचना मिली। इस टीम ने गढ़ी मेढू में डीटीएल सब स्टेशन के पाया कि यहाँ मौजूद पाइपलाइन से कई बड़े 375 मिमी बोल्ट और एक 12 इंच बोल्ट काट दिया गया था, जिससे रिसाव हो रहा था। जो किसी बड़ी साज़िश को दिखाता है। पाइपलाइन की रिसाव को तो जलबोर्ड द्वारा 6 घंटे में दूर कर दिया गया लेकिन इस षड्यंत्र के कारण आज दक्षिणी दिल्ली में 25% कम पानी पहुँचा है।

इस बाबत जल मंत्री आतिशी ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा, शहर में पानी की मुख्य पाइपलाइनों को सुरक्षा देने की माँग की। उन्होंने दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा से अगले 15 दिनों के लिए दिल्ली में पानी की प्रमुख पाइपलाइनों की गश्त और सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों को तैनात करने की माँग की।

जलमंत्री आतिशी ने कहा कि, इस जलसंकट में शरारती और असामाजिक तत्वों को पानी की मुख्य पाईपलाइनों में छेड़छाड़ और तोड़फोड़ करने से रोकने के लिए इनपर पुलिसकर्मियों की तैनाती जरूरी है।

जलमंत्री आतिशी ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को लिखे अपने पत्र में कहा कि, वर्तमान में दिल्ली भीषण गर्मी और जल संकट से जूझ रही है। यमुना में पानी की कमी के कारण पानी के उत्पादन में लगभग 70 एमजीडी की गिरावट आई है और दिल्ली के कई हिस्सों में पानी की कमी हो रही है। ऐसे में पानी की एक-एक बूंद कीमती हो जाती है। उन्होंने आगे लिखा कि, दिल्ली जल बोर्ड के पास मेन वाटर डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के लिए पेट्रोलिंग टीम हैं जो पानी को स्त्रोतों से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) तक और फिर डब्ल्यूटीपी से शहर के विभिन्न हिस्सों में हमारे मुख्य यूजीआर तक पहुँचाने वाले पाइपलाइनों की मॉनिटरिंग कर रहे है। साथ ही दिल्ली सरकार द्वारा इस काम में सहयोग के लिए एडीएम की देखरेख में भी टीमें तैनात की हैं।

जलमंत्री ने कहा कि, कल हमारी ग्राउंड पेट्रोलिंग टीम ने हमारे दक्षिण दिल्ली राइजिंग मेन्स - मेन वाटर पाइपलाइन जो सोनिया विहार डब्ल्यूटीपी से दक्षिण दिल्ली तक पानी ले जाती है - में एक बड़े रिसाव की सूचना दी। यह गढ़ी मेढू में डीटीएल सब स्टेशन के पास था। हमारी गश्ती टीम ने पाया कि पाइपलाइन से कई बड़े 375 मिमी बोल्ट और एक 12 इंच बोल्ट काट दिया गया था, जिससे रिसाव हो रहा था। ऐसा लग रहा है कि दिल्ली में पानी की परेशानी बढ़ाने के लिए षड्यंत्र हो रहा है।

जलबोर्ड की मेंटेनेंस टीम ने लगातार 6 घंटे तक काम किया और रिसाव की मरम्मत की, लेकिन इस कारण 6 घंटे तक पानी की पंपिंग रोकनी पड़ी और इस दौरान 20 एमजीडी पानी पंप नहीं किया गया। परिणामस्वरूप दक्षिणी दिल्ली में 25% पानी कम पहुँचा।

जलमंत्री ने आगे कहा कि, ह्लऐसे में मैं दिल्ली पुलिस कमिश्नर से अगले 15 दिनों के लिए हमारी प्रमुख पाइपलाइनों की गश्त और सुरक्षा के लिए पुलिस कर्मियों की तैनाती का अनुरोध करती हूं। यह शरारती तत्वों या गलत इरादे वाले लोगों को पानी की पाइपलाइनों से छेड़छाड़ करने से रोकने के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि, इस समय पानी की पाइपलाइनों में तोड़फोड़ या कोई भी छेड़खानी दिल्ली में मौजूदा जलसंकट को और भी बदतर बना देगी।

## दिल्ली. के माननीयों को नहीं सरकारी अस्पफतालों पर भरोसा, प्राइवेट में इलाज कराने का हर साल बढ़ रहा खर्च

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी सरकार भले ही पछिले कई सालों में राजधानी के स्वास्र्थ्‍ सस्टिीम में बेहतर सुधार करने का दंभ भरती आ रही हो, लेकनि इन सुवधिाओं पर चुने हुए जनप्रतनिधियिों को ही भरोसा नहीं है। दल्लिी के माननीय अपनी बीमारी का इलाज कराने के लएि सरकारी की बजाय प्राइवेट अस्पदताल में भर्ती होना ज्यायदा पसंद कर रहे हैं। सरकार में रहने वाले ही सरकारी सस्टियम में भरोसा नहीं रख पा रहे हैं, जसिके चलते इन सालों में जनप्रतनिधियिों के मेडकिल ट्रीटमेंट पर सरकार ने करोड़ों रुपए खर्च कयिा है। माननीयों के मेडकिल ट्रीटमेंट पर खर्च की जाने वाली राशा में साल दर साल लगातार बढ़ोतरी रकिॉर्ड की जा रही है।

दल्लिीा वधिानसभा सचविालय से उपलब्ध्‍ं आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो दल्लिीज के वधिायकों व पूर्व वधिायकों के अलावा स्पीउकर और डप्टिीड स्पीाकर के इलाज पर भी लाखों रुपये खर्च कएि गए हैं। दल्लिीस की आम आदमी पार्टी के सत्ताड पर काबजि होने के बाद हर साल इस खर्चे में बड़ा इजाफा रकिॉर्ड कयिा गया है। इसका बड़ा उदाहरण यह है क‍ि दल्लिीर वधिानसभा के स्पीकर/डप्टिीं स्पीकर के ऊपर मेडकिल पर जो खर्चा 2014-15 में 60,409 रुपये रकिॉर्ड कयिा गया था वो 2022-23 में 2,78,625 रुपये हो गया है। जानिए, कितना हो रहा खर्च

बात अगर सर्फि स्पीरकर/डप्टिीा स्पीमकर के पछिले 9 सालों के मेडकिल खर्चों की बात करें तो इनके स्वास्र्प्‍ को सही रखने की लएि सरकार लाखों रुपये खर्च कर रही है। 2014-15 में 60,409 रुपये खर्च कएि थे तो 2015-16 में यह राशा 2,26,179 रुपये रकिॉर्ड की गई। इसी तरह से 2016-17 में यह राशा 87,098 दर्ज की गई। वहीं, 2017-18 में 1,33,132 रुपये खर्च कएि। वहीं अगले साल 2018-19 में यह राशा 2,06,000 रुपये रकिॉर्ड कयिा गया। इसके अलावा 2019-20 में 1,47,769 रुपये मेडकिल पर खर्च कएि गए। 2020-21 में भी 1,68,353 रुपये, 2021-2022 में 2,01,792 रुपये और 2022-23 में 2,78,635 रुपये मेडकिल सुवधिाओं पर खर्च कएि गए।

सुविधाओं पर इतना हुआ खर्च

बात अगर दिल्ली के विधायकों और पूर्व विधायकों के स्वास्थ्य सुवधिाओं पर किए जाने वाले खर्चे की करें तो हर साल करोड़ों रुपये मेडिकल सुविधाओं पर खर्च किया जा रहा है। 2014-15 में दिल्ली के विधायक और पूर्व विधायकों के इलाज पर एक करोड़ 26 लाख 74 हजार 270 रुपए खर्च किए गए। जबकि 2015-16 में यह राशि 94 लाख 08 हजार 305 रुपये रिकॉर्ड की गई। इसके बाद 2016-17 से लेकर 2022-23 तक भी माननीयों के इलाज पर कई करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। साल 2016-17 में एक करोड़ 19 लाख 93 हजार 492 रुपये, 2017-18 में एक करोड़ 25 लाख 86 हजार 341 रुपये, 2018-19 में एक करोड़ 90 लाख रुपये, 2019-20 में एक करोड़ 84 लाख 16 हजार 433 रुपये, 2020-21 में एक करोड़ 99 लाख 94 हजार 748 रुपये खर्च किए गए। इसी तरह से 2021-22 में 2 करोड़ 33 लाख 52 हजार 855 रुपये और 2022-23 में 2 करोड़ 96 लाख 32 हजार 960 रुपये माननीयों की बीमारियों के इलाज पर खर्च किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, दल्लिी के सरकारी अस्पतालों में हर रोज आम लोगों को दवाईयों से लेकर संबंधति बीमारियों से जुड़े टेस्ट आद‍ि कराने को लेकर बड़ी जद्दोजहद करनी होती है।

## संक्षिप्त खबरें

### दो भाईयों पर कुदाल से प्रहार कर किया घायल

जमुई [ झाझा ] अपने घर पर मिटटी भरने के दौरान दो भाईयों पर गांव के ही दो महिला ने कुदाल से प्रहार कर दोनो भाईयों को घायल कर दिया। मामला थानाक्षेत्र के करमा गांव का है। घायल की पहचान शंभू यादव और इंद्रदेव यादव के रूप में हुई है। अस्पताल में दोनो घायल भाईयों को लोगों की मदद से इलाज के लिए भर्ती करवाया जहां चिकित्सक के द्वारा दोनो घायल भाईयों का इलाज किया गया गया। घायल शंभू यादव ने बताया कि मै अपने घर पर मिटटी भरने के लिए सड़क पर गिरे मिटटी को उठा रहा था कि तभी चंदू यादव के घर के दो महिला ने कुदाल लेकर आया और मुझे तथा मेरे भाई पर अचानक हमला कर घायल कर दिया।

### चाचा चाची ने हसुआ से भतीजा पर प्रहार कर किया घायल

जमुई [ झाझा ] मुख्य बाजार स्थित एक बर्तन दुकानदार को उसके चाचा और चाची ने हसुआ से शरीर पर प्रहार करते हुए घायल कर दिया। घायल दुकानदार की पहचान सतीश कुमार केशरी के रूप में हुई है। जिसका इलाज अस्पताल में किया गया। घायल दुकानदार ने बताया कि मै अपने दुकान पर झाड़ू लगा रहा था कि तभी चाचा पिंटू केशरी दुकान पर आकर गाली गलौज करने लगा जिसपर मैनें भी उसे गाली गलौज किया और फिर चाचा वहां से घर गया और चाचा चाची हसुआ लेकर दुकान पर आकर मेरे उपर अचानक प्रहार करते हुए मुझे घायल कर दिया। घायल दुकानदार ने बताया कि मेरा कारोबार अच्छा से चलने के कारण चाचा हमेशा मेरे कारोबार को देखकर जलन की भावना रखता है और उसी बात को लेकर मारपीट किया।

### शिक्षकों की दो चरणों में उपस्थिति दर्ज होगी

जमुई/गिद्धौरः- विद्यालयों में 25 जून से कार्यरत प्रधानाध्यापक शिक्षक और अध्यनरत छात्रों की ऑनलाइन हाजिरी बनेगी। बता दें कि ई-शिक्षा कोष ऐप के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराई जाएगी।शिक्षा विभाग द्धारा अब तक किए जा रहे विभिन्न गतिविधियों की निगरानी की ई शिक्षा कोष के माध्यम से किया जा रहा है।जिसे बेहतर बनाते हुए मोबाइल एप तैयार किया गया है।जिसके माध्यम से पारदर्शी तरीके से शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चत की जाएगी।जारी निर्देश के अनुसार की ई-शिक्षा कोष पर दो चरणों में उपस्थिति दर्ज की जाएगी।

# आदेश-पहले 30 जून से लगती थी रोक,इसबार 15 से ही लगी पाबंदी, नदियों से बालू खनन बंद

## चोरी की 11 बाइक और बाइक के दर्जनों टंकी के साथ गैरेज मालिक सहित चार गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर। बिहार सरकार के खान व भूतत्व निदेशक की तरफ से जारी किए गए विभागीय फरमान के अनुसार जमुई के उलाय,बनरार,कटहरा नदी सहित सभी नदियों के घाटों से बालू खनन का काम 15 जून आधी रात के बाद बंद हो गया है। जो 15 अक्टूबर तक जारी रहेगा। विभाग ने पुराने नियमों में बदलाव करते हुए 30 जून की जगह 15 जून को ही नदियों के बालू घाटों के खनन का काम बंद करने का निर्देश जारी किया है।उसी तरह पूर्व से चली आ रही प्रक्रिया के अनुसार 30 सितंबर को बालू घाटों से खनन का प्रतिबंध समाप्त हो जाता था। उसे बढ़ाकर 15 अक्टूबर तक कर दिया गया है। खान निदेशक मोहम्मद नैयर इकबाल ने राज्य के सभी पुलिस अधीक्षकों को इस आशय की कॉपी भिजवा दी है। इसमें मानसून अवधि का जिक्र करते हुए बालू घाटों पर 15 जून की आधी रात बाद से खनन का काम बंद करने का निर्देश दिया गया है। 14 जून को जारी इस निर्देश के ज्ञापांक 2374 के अनुसार विभाग का फरमान सभी जिलों तक पहुंचाया गया है।जिसे अविलंब लागू करते हुए संबंधित थाना के थानाध्यक्षों को निर्देशित करने को कहा गया है।

राजस्व का होगा नुकसान

बालू घाटों की पहले से चली आ रही निलामी परिपाटी के अनुसार बालू खनन का काम 30 जून से 30 सितंबर तक बंद रहता था। इस दौरान बालू खनन नहीं किया जाता था। 3 महीने की इस अवधि के अलावे 9 महीने जमुई जिले के उलाय नदी सहित अन्य नदियों के बालू घाटों से खनन का काम होता था। जिससे एक महीने का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हो जाते थे। नए फरमान के अनुसार 15 जून से 15 अक्टूबर की अवधि ने 1 महीने ज्यादा का प्रतिबंध बढ़ाया है। जो अब 4 महीने का होगा। इससे राजस्व में भारी कमी आएगी।देखना यह है कि विभाग इस नुकसान की भरपाई किस तरह से करता है। भंडारण पर भी पड़ा प्रभाव आमतौर पर 30 जून को बालू खनन पर रोक लगाने की जानकारी पहले से घाट संचालकों की होती थी तो वह 15 जून के बाद बालू के भंडारण पर फोकस करते थे। जैसे ही या फरमान आया तो घाट संचालकों को भंडारण का मौका 24 घंटे का भी नहीं मिल पाया। जिससे उन्हें लाखों रुपए का नुकसान झेलना पड़ेगा।साथ ही घाट संचालकों को भारी घाटा होने का अनुमान भी है।उलाय,कटहरा,बरनार नदी में अभी मानसून जैसे हालात नहीं है। पूरी नदी सूखी पड़ी है। जिसमें अभी 15 दिन बालू का खनन हो सकता था। सरकार के इस निर्देश से घाट संचालकों को भारी नुकसान पहुंचाया है। योजनाओं पर पड़ेगा असर लोकसभा चुनाव के दौरान मार्च,अप्रैल व मई में सरकारी और गैर सरकारी योजनाएं बुरी तरह प्रभावित थी। कहीं आदर्श आचार संहिता के पालन तो कहीं मालवाहक गाड़ियों के कम चलने से बालू की आपूर्ति नहीं हो पा रही थी। उम्मीद थी कि पूरा जून महीना इस योजनाओं के कार्यरूप को आगे बढ़ाने के लिए काफी होगा। तभी 15 जून को लगे रोक ने इन योजनाओं की ऐसी की तैसी कर दी। अब बालू के अभाव में इन योजनाओं को पूरा होने के लिए 15 अक्टूबर के बाद तक इंतजार करना पड़ेगा।

# दो घरों से लाखों की चोरी, पुलिस कर रही है मामले की छानबीन

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/चकाई चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र के घोरमो गांव स्थित दो अलग-अलग घरों से दरबाजा की कुंडी खोलकर अज्ञात चोरों ने शनिवार देर रात लाखों रुपये की सम्पति चोरी कर चोर आराम से चलते बने। जानकारी देते हुए गृहस्वामी नंदलाल वर्मा एवं उमेश वर्मा ने बताया कि चोर घर की कुंडी खोलकर नंदलाल वर्मा के यहां से नगद 53 हजार, कांसा-पीतल का बर्तन, कपड़ा, सोने चांदी की जेबरात एवं दो बड़ा खस्सी सहित दो लाख से अधिक की संपत्ति चोर चोरी कर आराम से चलते बने। वहीं उमेश वर्मा के घर से 30 हजार नगद, कपड़ा, बर्तन, बक्सा में रखा सोने चांदी की जेवरात सहित एक लाख से अधिक की संपत्ति चोर चोरी कर आराम से चलते बने। सुबह गृहस्वामी की जब नींद खुली तो देखा कि घर का दरबाजा खुला हुआ है और सामान बिखरा पड़ा हुआ है घर से खस्सी गायब है। जब घर के अंदर गया तो वहां बख्सा का ताला भी टूटा हुआ है। गृहस्वामी द्वारा हो हल्ला करने पर आस-पास के ग्रामीण पहुंचे और समान की खोजबीन इधर-उधर झाड़ी में करने लगे मगर किसी भी सामान का अता-पता नहीं चला तब जाकर इसकी सूचना चंद्रमंडीह पुलिस को दी गयी। सूचना पाते ही थानाध्यक्ष सुबोध यादव अपने दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर चोरी की घटना की जानकारी ली। गृहस्वामी के द्वारा चोरी गयी सामान की बरामदगी को लेकर चंद्रमंडीह पुलिस को अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है। इधर चंद्रमंडीह पुलिस मामले की तहकीकात को लेकर अज्ञात चोरों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

# रास्ते के विवाद को लेकर हुई मारपीट में एक घर के चार सदस्य हुआ घायल

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [ झाझा ] थानाक्षेत्र के बलियाडीह उपरेली टोला गांव में रास्ते के विवाद को लेकर हुए विवाद में दो गोतिया के बीच जमकर मारपीट हो गई जिसमें एक पक्ष से कुल चार सदस्य घायल हुआ। मारपीट में घायल हुए सभी लोगों को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल झाझा परिजनों की मदद से लाया गया जहां सभी घायलों का इलाज किया गया। घायल में समीना खातुन, उसका पति तस्लीम अंसारी, पुत्री असमिया खातुन, भतीजा मो. तोसिम अंसारी के रूप में हुई है। इलाज के दौरान घायल समीना खातुन ने बताया कि उसके दबंग पड़ोसी मोहम्मद तौसीफ उसे घर जाने के लिए रास्ता से होकर गुजरने से रोकता है। जबकि रास्ता सार्वजनिक है। इसी बात को लेकर कई माह से उनलोगों के घर वालों से विवाद भी होते आ रहा है। रविवार को जब उस सार्वजनिक रास्ते से गुजर रहे थे तो तभी मो. तौसीफ सहित अन्य लोगों के द्वारा रास्ते से गुजरने से रोक दिया और जब इसका विरोध किया तो वे लोग लाठीडंडा से मारपीट करने लगा और मुझे बचाने के लिए मेरे पति, बेटी, भतीजा आया तो उनलोगों के साथ भी मारपीट किया गया। घायल महिला ने बताया कि मारपीट की शिकायत थाना में किया गया तो वहां से सर्वप्रथम सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि आवेदन देने पर प्राथमिकी दर्ज कि जाएगी और नामजद के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

# बारिश नहीं होने और गर्मी के कारण विकट हुई स्थिति

## सुखी उलाय नदी,जलसंकट गहराया,खेती करने में किसानों को हो रही परेशानी

प्रात : किरण संवाददाता

झाझा और गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र से गुजरने वाली नदियों की धार कभी रुकती ना सूखती थी परंतु कुछ वर्ष के उपरांत इस वर्ष जून माह में देखने को मिल रहा है।उलाय नदी में हमेशा पानी चलता और जमा रहता था,जिसके कारण पशु-पक्षी व पशुपालक को गर्मी में राहत मिलती थी,पर इस जून माह में प्रचंड रूप से आकाश से बरस रहे अंगारे से तपती धरती ने किसानों सहित आमलोगों को बेहाल कर दिया है। तब रही धरती व गर्म हवा से सूखे पड़े ताल के कारण बाग-बगीचों में विचरण करने वाले पशु-पक्षी भी पानी के बगैर बदहाल है। तपती दोपहरी व उमस भरी गर्मी से आमजनों का हाल बेहाल है। वही लोग जल्द मानसून आने के इंतजार में है,ताकि गर्मी में राहत मिल सके। जबकि भूगर्भ जल स्तर के खिसकने से पेयजल संकट भी गहराने की बात सोंच लोग भयभीत है। चापाकलों से भी नहीं निकल रहा पानी ग्रामीण मिथिलेश यादव,पवन कुमार, राहुल कुमार,भीमराज,ललन रावत,अरूण कुमार,पिन्टू यादव,अरविन्द सिंह के अनुसार गिद्धौर प्रखंड टावर चौक,रतनपुर,पतसंडा,छतरपुर,रेलवे स्टेशन,महुली,सेवा,मौरा,कोल्हुआ सहित कई गांव में चापाकल पानी देना कम कर दिया है। काफी परिश्रम के बाद बड़ी मुश्किल से एक बाल्टी पानी निकल पाता है। वहीं कई जगहों पर चापाकल बंद होने की स्थिति में पहुंच गया है। जिससे लोगों में पेयजल संकट गहराने की आशंका व्याप्त है। बुजुर्गों ने बताया कि किसानों के सहयोग से आहार बनाया गया था। जहां जल संचयन की व्यवस्था थी। गर्मी के दिनों में भी आहार में पानी भरा रहता था। जिससे कृषकों के खेतों की सिंचाई में काम तो आता ही था। बागों में रहने वाले पशु पक्षी भी आबाद रहते थे। सबसे बड़ी बात यह थी कि जल संचयन से भूगर्भ जलस्तर बरकरार रहता था। परंतु लोगों की उदासीन रवैये व अतिक्रमण का शिकार हो आहार तो समाप्त हुआ ही जल भंडारण को भी बड़ा नुकसान पहुंचा है। दूसरी तरफ लोगों ने बताया कि भूमि से हो रहे लगातार जल दोहन से जलस्तर काफी प्रभावित हुआ है।

# गंगा दशहरा पर गायत्री ज्ञान मंदिर में हुआ पांच कुंडीय हवन

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [ झाझा ] गंगा दशहरा के पावन मौके पर रविवार को रेलवे कॉलौनी स्थित गायत्री ज्ञान मंदिर में 5 कुंडीय गायत्री हवन पूजन सह भंडारा, प्रवचन एवं धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। पांच कुंडीय गायत्री हवन पूजन में दंपति परिवार सहित अन्य श्रद्धालुओं ने सर्वप्रथम माता गायत्री की पूजा अर्चना करते हुए हवन पूजन , गंगा लहरी का पाठ कर सुखमय जीवन के साथ पूरे परिवार के लिए सुख समृद्धि की कामना किया। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच गायत्री ज्ञान मंदिर के पुजारी ज्ञान प्रकाश ने बताया कि इस दिन ही संसार के कल्याण के लिए धरती पर मां गंगा का अवतरण हुआ था। माता गंगा के स्मरण करते रहने से मानव जाति अपने आप को शुद्ध कर सकते है। इसलिए मानव जाति को अपने मन से नकरात्मक चीजों को हमेशा दूर कर सकरात्मक बातों को ही सोचना और करना चाहिए इससे मानवजाति के साथ समस्त जगत का कल्याण होगा। गंगा दशहरा पर श्रद्धालुओं ने हवन पूजन में हर हर गंगे और माता गायत्री के जयकारे भी लगाए। हवन पूजन के बाद लोगों के बीच महाभंडारा भी किया गया जिसमें लोगों प्रसाद ग्रहण किया।

# सुबह 7 बजे से जामा मस्जिद में अदा होगी नमाज

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर थाना परिसर में शुक्रवार की शाम अंचलाधिकारी आरती भूषण,बीडिओं अजय कुमार एवं थानाध्यक्ष रीता कुमारी की उपस्थिति में 17 जून सोमवार को बकरीद पर्व शांतिपूर्वक मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई थी।इसमें जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों की उपस्थिति भी रही।बकरीद पर्व को सामंजस्य एवं सौहार्द पूर्ण वातावरण में संपन्न कराने पर सभी लोगों ने प्रशासन को सहयोग करने का आश्वासन दिया।लोगों ने बताया कि सुबह 7 बजे से 7.30 बजे तक जामा मस्जिद में नवाज अदा की जाएगी।

# पर्यावरण को बढ़ावा देने हेतु शादी के बाद वर-वधु को भेंट किया फलदार पौधा, बना चर्चा का विषय

## सामाजिक शैक्षणिक कल्याण संघ के इस कार्य का चहूंओर हो रहा है प्रशंसा

प्रात : किरण संवाददाता

चौसा (मधेपुरा) अक्सर शादी में दूल्हा-दुल्हन को उपहार में चैन, या अन्य महंगी वस्तुएं दी जाती हैं लेकिन जिले के सामाजिक शैक्षणिक कल्याण संघ चौसा के युवाओं ने पर्यावरण को बढ़ावा देने हेतु लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से एक विवाह समारोह में वर-वधु को पौधे भेंट किए हैं। वर-वधु ने भी सप्रेम इन पौधों को स्वीकार कर इन्हें रौपा और इन्हें पालने का संकल्प लिया है। पौधे के तौर पर वह अपने विवाह की तिथि और उस पल को अमिट करेंगे। मालूम हो कि बीते दिन जदयू नेता नित्तम कुमार गांधी की शादी हुई थी। शादी के बाद उनके घर चौसा प्रखंड के चौसा पूर्वी पंचायत अंतर्गत अभिया टोला में आयोजित वर वधु स्वागत के लिए एक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें संघ के युवाओं ने उपस्थिति दर्ज कर वर वधु को दो फलदार पेड़ भेंट की।यह पहल चारों तरफ चर्चा का विषय बन गया है। संघ के सचिव संजय कुमार सुमन ने बताया कि अक्सर पैसे वाले लोग महंगी वस्तुएं उपहार में प्रदान कर देते हैं, लेकिन गरीब लोगों के सामने उपहार देने की समस्या होती है। इसलिए उनके द्वारा यह नई प्रथा प्रारंभ की जा रही है, जिसमें वह प्रत्येक विवाह में वर-वधु को फूल व फलदार पौधे उपहार में देंगे। उन्होंने कहा कि इस पौधे को वर-वधु दोनों के द्वारा लगवाया जाएगा और उन्हें संकल्प दिलाया जाएगा कि वह इस पौधे का संरक्षण भी करें और इसको पाले भी। पौधा लगाकर वर-वधु अपने विवाह दिवस को भी हमेशा के लिए अमिट कर सकते हैं।शादी- विवाह, मुंडन, जन्मदिन, श्राद्ध जैसे कार्यक्रमों में वह पाम, तुलसी, वट, पीपल, फलदार व मनी प्लांट के पौधे देकर उसे लगाने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि हर साल लाखों शादियां होती हैं, यदि सारे जोड़े विवाह के बाद पौधरोपण करें, तो सभी इलाके हरे भरे होंगे और इसके लिए अलग से किसी योजना की जरूरत नहीं पड़ेगी। संघ के संरक्षक सत्यप्रकाश गुप्ता विदुरजी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में जीवन के तमाम अवसरों को उत्सव स्वरूप मनाने की परंपरा है, जिससे बचपन से ही बालमन में प्रकृति, पर्यावरण, परंपरा, संस्कार, संस्कृति के विचारों का पोषण और समाजपोयोगी व्यक्तित्व का निर्माण होता है। शिक्षक महेश कुमार मुरारी, डॉ. मनोज कुमार मंडल ने कहा कि पर्यावरण संकट लगातार गहराता जा रहा है, जिसके लिए सरकार नित नई योजनाएं और अभियान चलाती है, जिससे लोग जागरूक हो सकें। इसके बावजूद लोग पेड़ों को काटने से नहीं हिचकते। वर वधू ने इस उपहार की प्रशंसा कर उनकी पूरी जिम्मेदारी से रखवाली करने का प्रण लिया है। जिस तरह शादी के पवित्र बंधन को निभाना है उसी प्रकार पृथ्वी को बचाने के लिए पेड़ पौधों की पूरी जिम्मेदारी के साथ रखवाली कर इस बंधन को भी निभाई जानी चाहिए। मौके पर जदयू नेता नवदम्पत्ति नित्तम कुमार गांधी, सिम्पल कुमारी, परमानंद मंडल, डॉ. मनोज कुमार मंडल, डॉ. संजय कुमार मंडल, युवा समाजसेवी अमित कुमार अमर्त्य, अंजनी देवी, अनुपम कुमार, सिंटू कुमार, नयन कुमार समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

# चलती गाड़ी में एक बुर्जुग रेलयात्री की तबीयत बिगड़ी, सदर अस्पताल हुआ रेफर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [ झाझा ] चलती गाड़ी में अचानक एक बुर्जुग व्यक्ति की तबीयत बिगड़ गई जिससे आरपीएफ की मदद से इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने बुर्जुग व्यक्ति का इलाज किया लेकिन स्थिति गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया। तबीयत बिगड़े बुर्जुग की पहचान सीवान जिला के खैरमा क्षेत्र का रहने वाला 75वर्षीय एसबीपी यादव के रूप में हुई है। जानकारी अनुसार बुर्जुग व्यक्ति सियालदह बलिया एक्सप्रेस में एसी बी1 के 36 नंबर सीट पर नेहटी से सीवान जाने के लिए अकेले यात्रा कर रहा था और वह अपने कोच से निकलकर शौचालय गया जिसके बाद झाझा स्टेशन पर कार्यरत टीटी अमन कुमार को कंट्रोल से सूचना मिली तो आरपीएफ के मदद से बुर्जुग व्यक्ति को झाझा रेलवे स्टेशन पर उतारने के बाद रेफरल अस्पताल आनन फानन में लाया गया। डॉक्टर सदाब अहमद ने बताया कि जांच के दौरान बुर्जुग व्यक्ति का बायां भाग कुछ भी काम नही कर रहा था जिससे ऐसा प्रतित हुआ कि पैरलाइसिस का अटैक हुआ है। वही बुर्जुग व्यक्ति के परिजनों को भी आरपीएफ के द्वारा पूरी सूचना दी गई।

# बंजर भूमि करें पुकार, पेड़ पौधे लगाकर करो श्रृंगार

प्रात : किरण संवाददाता

● विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस के पूर्व लोगों को मरूस्थल बन रही भूमि को पुनर्जीवित करने के लिए किया जागरूक

जमुई/सिकंदरा। साईकिल यात्रा एक विचार, जमुई के बैनर तले अपने नियमित रविवारीय यात्रा के 441वें क्रम में श्री कृष्ण सिंह स्टेडियम से यात्रा निकल के सिकंदरा प्रखंड के बसैया ग्राम पहुंची जहां लोगो को अपने खेती वाली भूमि पर उपजाऊ बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों के निजी जमीन पर पौधा रोपण करते हुए शैलेश भारद्वाज ने बताया की धरती पर जब पानी घटती है तो भूमि उपजाऊ विहीन हो कर मरुस्थल बनने लगता है इससे बचने के लिए वृक्षारोपण को बढ़ावा देना चाहिए। साथ ही धरती पर वन संपदा के संरक्षण के लिए वृक्षों को काटने से रोका जाना चाहिए।

मौके पर उपस्थित ठाकुर डुगडुग सिंह ने बताया की खेतों की मेड़ों पर पौधे लगाने से जमीन हमेशा के लिए उपजाऊ रहता है लगे पेड़ के पत्ते सुख के खेत में गिरते है तो वो जमीन को नमी प्रदान तो करते ही है इसके साथ ही सड़ के खाद के रूप में काम भी करते गया इससे भूमि को अधिक समय तक उपजाऊ बनाए रखते है। ऐसा करने से एक और फायदा होता की खेतो में अनाज उपजाने में रासायनिक और कीटनाशक दवाई का उपयोग में भी कमी हो जाती है उपजे हुए अनाज भी स्वस्थवर्धक होगे।

सदस्य अमरेश मिश्रा ने बताया की भूमि को सूखे से रोकने के लिए आने वाले मानसून में रिक्त भूमि पर, पार्कों में, सड़कों के किनारे वृक्षारोपण करना एवं उसकी संरक्षण नियमित करते रहना चाहिए। यही एकमात्र उपाय से भविष्य को पर्यावरण से सुरक्षित रखा जा सकता है।

मंच द्वारा अनंत सिंह द्वारा सैकड़ों पौधे का संरक्षण करने के प्रयास को लेकर पर्यावरण मित्र के रूप सम्मानित अपने आगामी कार्यक्रमों में करने का भी निर्णय लिया गया।

इस अवसर पर विवेक कुमार, शैलेश भारद्वाज, ठाकुर डुगडुग सिंह, अमरेश मिश्रा, सिंटू राज पंडित, अनंत सिंह राठौड़,बिनोद कुमार सिंह, देवा सिंह, निशांत सिंह राठौड़ सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

# पिता हैं असली रखवाले, जो कदम कदम पर संभाले

● फादर्स डे पिता को एहसास कराने और सम्मान देने का दिवसः प्रो.गौरी शंकर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुईः-फादर्स डे के अवसर पर मुंगेर विश्वविद्यालय का अंगीभूत कॉलेज कुमार कालिका मेमोरियल महाविद्यालय जमुई में बच्चों के जीवन में पिता की अहमियत विषय पर एक परिचय आयोजित की गई,जिसकी अध्यक्षता स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ गौरी शंकर पासवान ने की। डॉ गौरी शंकर पासवान ने अपने अध्यक्षीय प्रबोधन में कहा कि फादर्स डे प्रत्येक वर्ष जून माह के तीसरे रविवार को मनाया जाता है। फादर्स डे पिता को एहसास कराने और सम्मान देने का दिवस है। पिता बच्चों के असली रखवाले होते हैं, जो कदम कदम पर उन्हें संभालने का काम करते हैं। पिता परिवार की एक ऐसी हस्ती होता है, जिसके बिना परिवार ही अधूरा लगता है। यह दिवस हर वर्ष एक पिता को विचारवान बनने की भी गुहार लगाता है। संतान का सही पालन पोषण माता एवं पिता दोनों की जिम्मेवारी है। उन्हें दोनों के प्यार और निगरानी की जरूरत पड़ती है। तभी बच्चों का चौमुखी विकास होता है। उन्होंने कहा कि एक पिता का अपने बच्चों की जीवन में बहुत बड़ी अहमियत होती है। उनके समग्र विकास में पिता के योगदान को नकारा नहीं जा सकता है। कहते हैं कि -ह्ममाता बैरी पिता शत्रु यो बालो न पाठितः। न शोभते सभा मध्ये हंस मध्यो बको यथा। अर्थशास्त्र की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सरदार राम ने कहा कि पिता जन्मदाता के साथ-साथ घर का शासक होता है। बच्चों का फ्यूचर होता है। मां के साथ-साथ बच्चों के लिए पिता भी आवश्यक होता है। क्योंकि माता और पिता गृहस्ती या जीवन रूपी रथ के दो पहिए होते हैं। और दोनों में संतुलन रहने पर ही रथ का चलना संभव है। बच्चों के जीवन में जितना मां का महत्व है, उतना ही महत्व एक पिता का भी होता है। इसलिए बच्चों के लिए माता-पिता दोनों आवश्यक। स्नातकोत्तर इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ सत्यार्थ प्रकाश ने कहा कि पिता परिवार रूपी न्यायालय का न्यायाधीश होता है। अक्सर वह लड़के लड़कियों में अंतर नहीं करता है। बच्चों के लिए हमेशा न्यायोचित कार्य करता है। इसलिए बच्चों को भी पिता के आदेश को मनना चाहिए। कुल मिलाकर हम कह सकते हैं कि मां-पिता दोनों का अहमियत बच्चों के जीवन में होता है। उनके बिना उनका जीवन अधूरा होता है। फादर्स डे के दिन बच्चों को पिता का सम्मान करना चाहिए। उनके विचारों को महत्व देना चाहिए। उनकी इच्छाएं पूरी की जानकारी चाहिए।

# आजादी के सात दशक बाद भी नहीं बदली गंगापुर पंचायत कुछ सड़कों की तस्वीर

प्रात : किरण संवाददाता

आलमनगर (मधेपुरा) आलमनगर प्रखंड के गंगापुर पंचायत के कुम्हारा वासा वार्ड 8 का सड़क वर्षा के समय कीचड़मय हो जाता है जिससे आम लोगों का आवागमन करना मुश्किल हो जाता है। आजादी के 7 दशक बाद भी भारत के इस गांव को पक्की सड़क अब तक नसीब नहीं हो सकी है।लिहाजा गांव वालों को कई परेशानियों से हर रोज दो चार होना पड़ता है। हैरानी की बात है कि चुनाव के दौरान सड़क बनाने का दावा करने वाले नेता जी चुनाव जीतने के बाद इस गांव में जाना भी पसंद नहीं करते हैं। गांव में परेशानी इस कदर है कि यहां शादी करके आने वाली बहुएं भी अपने आप को कोसती रहती है। पक्की सड़क तो आज भी एक सपने जैसा लगता है। इस सपने को पूरा करने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने कई ख्वाब दिखाए। लेकिन आज तक इस मसले पर न तो किसी ने गंभीरता दिखाई और न ही किसी ने इस दिशा में कोई पहल की। नेता चुनाव के समय हाथ जोड़कर वोट मांगने आ जाते हैं। परिणामों की घोषणा होते ही वे लौट कर नहीं आते। आलम यह है कि आज भी ग्रामीण अपनी तकदीर को कोस रहे हैं। लोग अपनी मजबूरियों के बीच समय व्यतीत कर रहे है। स्थानीय ग्रामीण का कहना है की पक्की सड़क के अभाव में इस गांव में घुट-घुट कर जीवन बिताना पड़ रहा है। अगर किसी की तबीयत खराब हो जाए तो गांव से बाहर जाने के लिए सड़क नहीं है। ऐसे में मरीज की क्या हालत होगी और उनके परिजनों पर क्या गुजरेगी इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। ऐसे में आजाद भारत की खूबसूरत तस्वीर की कल्पना गांव वालों को आज भी बेमानी लगती है। वही इस दौरान ग्रामीणों ने महागठबंधन के पूर्व प्रत्याशी इंजीनियर नवीन कुमार निषाद को बुलाया सड़क की दैनिए स्थिति से अवगत कराया। पूर्व प्रत्याशी नवीन कुमार निषाद ने विभागीय जेई से बात कर सड़क बनाने की बात रखी। वही इस दौरान पूर्व प्रत्याशी इंजीनियर नवीन कुमार निषाद ने बताया कि सड़क मामला को लेकर जिला पदाधिकारी से बात करेंगे। मौके पर सुरो ऋषिदेव, झकसु ऋषिदेव, विलास ऋषिदेव, अखिलेश ऋषिदेव, प्रमोद राय, दिलीप राय, अमित राय, श्यामा देवी, फुदकी देवी, अवधेश पंडित, धनेश्वर पंडित, अशोक राय आदि ग्रामीण मौजूद थे।

# रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं : अभिषेक आनंद

(मधेपुरा) आलमनगर विधानसभा क्षेत्र के चौसा प्रखंड अंतर्गत धोसाई निवासी चंद्र किशोर पासवान की धर्मपत्नी सुनीता देवी वे लंबे समय से बीमार चल रही थी। सुनीता देवी को डॉक्टर ने बताया कि इनको खुन की कमी है। सुनीता देवी की पति चंद्र किशोर पासवान ने खून को लेकर काफी चिंतित थे। इसकी जानकारी लोजपा (रामविलास) के प्रदेश महासचिव अभिषेक आनंद को मिला तो उन्होंने दूरभाष के माध्यम से उनसे सारी जानकारी ली। मरीज की स्थिति को देखते हुए अभिषेक आनंद ने एक यूनिट ब्लड देकर बीमार महिला सुनीता देवी की जान बचाई। वही इस दौरान लोजपा (रामविलास) के प्रदेश महासचिव अभिषेक आनंद ने बताया कि रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है।

# विचार मंथन

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, सोमवार, 17 जून, 2024

सम्पादकीय

## अंदरूनी कलह बड़ी भूमिका निभाई

हिंदुओं के तीर्थ अयोध्या, रामेश्वरम में मिली हार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को काशी में पिछली बार के मुकाबले बहुत कम अंतर से मिली जीत से कई तरह के सवाल उठते है। इन नतीजों के बाद सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत द्वारा अहंकार की ओर इशारा करना भी क्या इस बुरे प्रदर्शन का कारण बना? सूत्रों के अनुसार इस बार के चुनावों कम सीट आने के पीछे भाजपा में अंदरूनी कलह ने भी एक बड़ी भूमिका निभाई। अचानक कहीं कुछ नहीं होता, अंदर ही अंदर कुछ घिस रहा होता है, कुछ पिस रहा होता है। इन पंक्तियों में कवि ने इस बात पर इशारा किया है कि किसी भी काम का विपरीत अंजाम आने पर हमें ऐसा क्यों लगता है कि ऐसा कैसे हो गया? जबकि उसके पीछे के कारणों पर कोई ध्यान नहीं देता। ऐसा ही कुछ हुआ 2024 के उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों के परिणामों के बादहै। प्रदेश में बीजेपी को पहले के मुकाबले इस बार बहुत कम सीटें मिलीं है। ऐसा क्या कारण था कि भाजपा का प्रदर्शन इतना बुरा रहा? जबकि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण, अनुच्छेद 370 के हटने और तीन तलाक के मुद्दे थे। ये ऐसे कुछ मुद्दे थे जिन पर भाजपा को पूरा विश्वास था कि वह अबकी बार 400 पार के अपने नारे को सच कर दिखाएँगे। परंतु ऐसा नहीं हो सका। ऐसा माना जाता है कि दिल्ली की गद्दी का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है। इस बार के चुनावों में उत्तर प्रदेश का जो परिणाम रहा उसने सत्तारूढ़ दल को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि ऐसी कौनसी कमी उनकी नीति मे थी जो वोटरों को अपनी ओर आकर्षित करने में विफल रही? ऐसा क्या हुआ कि पार्टी के कार्यकर्ताओं में वो उत्साह नहीं था जो पिछले दो लोकसभा चुनावों में देखा गया?क्या संगठन के काम करने के ढंग या उनके द्वारा लिये गये गलत फैसलों ने जमीनी कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित किया? क्या उत्तर प्रदेश में या अन्य राज्यों में, जहां भाजपा का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था वहाँ पर उम्मीदवारों के चयन में गलती हुई? हिंदुओं के तीर्थ अयोध्या, रामेश्वरम में मिली हार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को काशी में पिछली बार के मुकाबले बहुत कम अंतर से मिली जीत से कई तरह के सवाल उठते है। इन नतीजों के बाद सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत द्वारा अहंकार की ओर इशारा करना भी क्या इस बुरे प्रदर्शन काकारण बना?सूत्रों के अनुसार इस बार के चुनावों कम सीट आने के पीछे भाजपा में अंदरूनी कलह ने भी एक बड़ी भूमिका निभाई। जिस तरह केंद्र के नेतृत्व द्वारा राज्य की सरकारों व राज्यों के नेताओं की उपेक्षा की गई और वो फिर जनता के सामने आई वह भी इन नतीजों का कारण बनी। भाजपा और संघ के बीच हुए मतभेदों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। यदि केंद्र और राज्य के नेतृत्व में कोई मतभेद थे तो उन्हें समय रहते एक मर्यादा के तहत हल किया जाना चाहिए था। भाजपा और संघ के कार्यकर्ताओं का इस बार के चुनावों में सक्रिय योगदान नहीं दिखाई दिया उससे देश भर में एक संदेश गया है कि राष्ट्रीय नेतृत्व जमीन से कट गया है। इस बार के चुनावों को इतने चरणों में बाँटने से भी कार्यकर्ताओं की सहभागिता में कमी नज़र आई। कार्यकर्ताओं को इस बात का पूर्ण विश्वास था कि पिछले दस वर्षों में देश में ऐसे कई बदलाव आए हैं जो तीसरी बार भी मोदी सरकार को पूर्ण बहुमत दिलाएँगे। शायद इसी के चलते भी कार्यकर्ताओं में उतना उत्साह दिखाई नहीं दिया। वहीं दूसरी ओर देखें तो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके कार्यकर्ताओं ने जिस तरह उत्तर प्रदेश के चप्पे-चप्पे पर अपनी नजर.बनाए रखी और खूब भागदौड़ की वो काफी फायदेमंद रहा।

## विकास की सार्थकता पर सवाल

भारत डोगरा

वैसे तो वर्तमान विकास की विसंगतियां कई स्तरों पर नजर आ रही हैं, पर स्थिति तब और भी स्पष्ट हो जाती है, जब इस विकास की दौड़ में सबसे आगे माने जाने वाले देशों में भी लोग इस विकास की सार्थकता के बारे में सवाल खड़े करने लगें। ब्रिटिश सोशल साइंस रिसर्च काउंसिल (ब्रिटिश समाज शास्त्र अनुसंधान परिषद) द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में ऐसे ही सवाल सामने आए हैं। इस सर्वेक्षण में पांच वर्षों के दौरान तीन बार 1500 सामान्य नागरिकों के सैंपल से पूछा गया कि जीवन को बेहतर बनाने के लिए वे किन बातों को महत्त्व देते हैं और क्या उन्हें लगता है कि जीवन पहले से बेहतर हो रहा है या नहीं। ब्रिटेन के समाज को (अन्य पश्चिमी विकसित देशों की तरह) काफी भौतिकवादी माना जाता है पर 71 प्रतिशत लोगों ने जीवन की गुणवत्ता (क्वालिटी) के बढ़ने या जीवन बेहतर होने में जिन बातों को महत्त्व दिया उनका आय या दौलत के बढ़ने से कोई संबंध नहीं था। उपभोक्ता वस्तुओं से अधिक महत्त्व अच्छे पारिवारिक जीवन और संतोष की स्थिति को देने वाले लोगों की संख्या अधिक थी। सबसे महत्त्वपूर्ण बात जो इस सर्वेक्षण में सामने आई वह यह थी कि लगभग सभी नागरिकों के मत में पिछले पांच वर्षों में उन्हें उपलब्ध उपभोक्ता वस्तुओं की मात्रा बढ़ गई थी पर साथ ही जीवन की गुणवत्ता कम हो गई थी। इतना ही नहीं, लगभग सभी लोगों ने यह विचार भी व्यक्त किया कि अगले पांच वर्षों में यही स्थिति और आगे बढ़ने की संभावना है- उपभोक्ता वस्तुओं की मात्रा और बढ़ जाएगी पर साथ ही जीवन की गुणवत्ता और घट जाएगी। इस सर्वेक्षण से यह बात सामने आई है कि वर्तमान विकास की विसंगतियों पर जोर देना केवल जीवन की गहराई में गोता लगाने वाले कुछ दर्शनशास्त्रियों या पर्यावरणविद् तक ही सीमित नहीं है अपितु इस विकास के क्षेत्र में अग्रणी माने जाने वाले देशों के सामान्य लोग भी अब इस पीड़ा को समझ रहे हैं, चाहे विकल्पों के अभाव में इस पीड़ा से बाहर निकलने की कोई दिा अभी न मिल रही हो। प्रायः प्रति व्यक्ति आय को किसी देश के विकास का सबसे महत्त्वपूर्ण द्योतक माना जाता है। चाहे दो राष्ट्रों की तुलना करनी हो या एक ही राष्ट्र की वर्तमान स्थिति की कुछ समय पहले की स्थिति से तुलना करनी हो, सबसे प्रचलित तरीका यही अपनाया जाता है कि राष्ट्रीय आय को जनसंख्या से विभाजित कर प्रति व्यक्ति आय प्राप्त कर ली जाती है। लेकिन अब अनेक अर्थशास्त्री व अन्य विद्वान राष्ट्रीय आय या प्रति व्यक्ति आय को वास्तविक विकास का द्योतक मानने के बारे में अनेक महत्त्वपूर्ण सवाल उठाने लगे हैं। राष्ट्रीय आय में सब तरह की वस्तुओं व सेवाओं को जोड़ा जाता है, इस बात को कोई महत्त्व नहीं दिया जाता है कि वह वस्तु जन-कल्याण से जुड़ी है या समाज के लिए हानिकारक है। यदि किसी देश में एक दशक के दौरान अन्य बातें समान हैं पर शराब, तंबाकू, वेश्यावृत्ति और जुआघरों में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है तो राष्ट्रीय आय या प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों के अनुसार विकास की गति काफी तेज मानी जाएगी। राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय द्वारा विकास को जानने की एक अन्य प्रमुख कमी यह है कि पर्यावरण को होने वाली क्षति का उचित आकलन इसमें नहीं होता है अपितु कई बार तो विपरीत आकलन होता है। एक देश में वनों को बहुत सुरक्षित रखा गया है ताकि भविष्य में जल व मिट्टी संरक्षण का कार्य अच्छी तरह से होता रहे, दूसरे देश में कुछ ही वर्षो में सारे जंगलों को काटकर उनकी लकड़ी बेच दी जाती है व इससे प्राप्त धनराशि को तरह-तरह के अनैतिक कायरे में खर्च कर दिया जाता है। राष्ट्रीय आय के आंकड़े तो यही बताएंगे कि दूसरे देश में अधिक विकास हुआ है क्योंकि लकड़ी काटने व बेचने से प्राप्त धनराशि की गिनती राष्ट्रीय आय में हो जाएगी। पहले देश द्वारा वन बचाए रखने के महत्त्व को राष्ट्रीय आय के आंकड़े नहीं पहचानेंगे। विकास के द्योतक के रूप में राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय की एक अन्य प्रमुख कमी यह हैं कि इससे हमें आय के वितरण के बारे में कुछ पता नहीं चलता है। प्रति व्यक्ति आय जिस दशक के दौरान तेजी से बढ़ी है, हो सकता है कि उसी दशक के दौरान अर्थव्यवस्था के नीचे के 50 प्रतिशत लोगों का अभाव पहले से भी अधिक बढ़ गया हो। प्रति व्यक्ति (औसत) आय में वृद्धि पूरी तरह अमीर तबके की आय में तेजी से हो रही वृद्धि पर आश्रित हो सकती है। इस स्थिति में अतिरिक्त आय फिजूलखर्ची में जाएगी और गरीब लोगों को बुनियादी जरूरतों में भी और कटौती करनी पड़ेगी, पर राष्ट्रीय व प्रति व्यक्ति आय के आंकड़े यही बताएंगे कि तेज विकास हो रहा है। किसी भी देश के लोगों की आर्थिक स्थिति से अलग बहुत सी बातें होती हैं जो प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों की पहुंच से बहुत दूर हैं। उस देश में भाईचारे और अच्छे नागरिक होने की भावना कितनी प्रबल है, पारिवारिक संबंध बेहतर हो रहे हैं या बिगड़ रहे हैं, शिक्षा पण्राली कैसी है, बचपन कितना सुरक्षित है ऐसी कितनी ही बातें हैं जो प्रति व्यक्ति आय की परिधि से बाहर हैं। फिर भी किसी समाज के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। ब्रिटेन में पिछले चार दशकों में कितना विकास हुआ है, इसका पता लगाने का एक अपेक्षाकृत अधिक ईमानदार प्रयास नव अर्थशास्त्र प्रतिष्ठान ने किया है। इस प्रतिष्ठान ने टिकाऊ कल्याण का एक सूचक तैयार किया है। इस अनुमान के अनुसार जहां ब्रिटेन की राष्ट्रीय आय में 1950-90 तक 230 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहां टिकाऊ आर्थिक कल्याण में मात्र 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यदि केवल वर्ष 1975 के बाद के आंकड़ों को देखें, तो इस दौरान राष्ट्रीय आय तो एक तिहाई बढ़ गई पर टिकाऊ आर्थिक कल्याण में 50 प्रतिशत की गिरावट आई। ऐसा व्यापक पर्यावरण के नुकसान व संसाधन आधार को क्षति पहुंचने के कारण हुआ।

# रचनात्मक राजनीति समय की जरुरत

**अब चुनाव हो चुके हैं, इसलिए लोकतांत्रिक देश होने के नाते आवश्यक है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष को जनता की भावनाओं को ध्यान में रखकर ही काम करना चाहिए। क्योंकि चुनाव प्रचार के दौरान जिस प्रकार के बयान दिए गए, उससे यही लगता है कि इसकी प्रतिध्वनि आगे भी सुनाई देगी। आज के राजनीतिक हालातों का अध्ययन किया जाए तो यह कहना सर्वथा उचित ही होगा कि दलीय आधार की राजनीति करना केवल चुनाव तक ही सीमित रहना चाहिए। उसका असर अगर संसद की कार्यवाही में दिखाई देगा तो यह देश के साथ अन्याय ही होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को ही चाहिए कि वह अब देश हित की राजनीति करने वाले ही कदम उठाए। जहां तक राजनीतिक विश्लेषण की बात है तो यही कहा जाएगा कि भारत की जनता ने भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को सत्ता सौंपी है और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को विपक्ष में बैठने का जनादेश दिया है। दोनों पक्ष की अलग भूमिका होती है। संसद के माध्यम से देश का संचालन किया जाता है। यह राजनीतिक जोर आजमाईश का मैदान नहीं है, इसलिए संसद की गरिमा का भी सभी राजनीतिक दल ध्यान रखें, ऐसी भूमिका सभी मिलकर तय करें। सरकार और विपक्ष दोनों को चाहिए कि वह रचनात्मक राजनीति करके देश हित पर ध्यान दें, क्योंकि लोकतंत्र में लड़ाई सिर्फ चुनाव तक ही सीमित रहना चाहिए। भारत की राजनीति का उद्देश्य भी यही है कि इसके माध्यम से जनसेवा की जाए। अगर दलीय आधार पर संसद में राजनीति की जाए तो फिर देश बनाने की आशा किससे की जाए।**






सुरेश हिंदुस्थानी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत एक लोकतांत्रिक है। इसका तात्पर्य यही है कि देश की जनता ही भारत की असली सरकार है। लोकसभा चुनावों के बाद अब देश में सरकार और विपक्ष की भूमिका भी तय हो गई है। जनता ने जहां नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए राजग को बहुमत दिया है, वहीं कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष को एक बार फिर से सत्ता से दूर कर दिया है। अब चुनाव हो चुके हैं, इसलिए लोकतांत्रिक देश होने के नाते आवश्यक है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष को जनता की भावनाओं को ध्यान में रखकर ही काम करना चाहिए। क्योंकि चुनाव प्रचार के दौरान जिस प्रकार के बयान दिए गए, उससे यही लगता है कि इसकी प्रतिध्वनि आगे भी सुनाई देगी। आज के राजनीतिक हालातों का अध्ययन किया जाए तो यह कहना सर्वथा उचित ही होगा कि दलीय आधार की राजनीति करना केवल चुनाव तक ही सीमित रहना चाहिए। उसका असर अगर संसद की कार्यवाही में दिखाई देगा तो यह देश के साथ अन्याय ही होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को ही चाहिए कि वह अब देश हित की राजनीति करने वाले ही कदम उठाए। जहां तक राजनीतिक विश्लेषण की बात है तो यही कहा जाएगा कि भारत की जनता ने भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को सत्ता सौंपी है और कांग्रेस नेतृत्व वाले गठबंधन को विपक्ष में बैठने का जनादेश दिया है। दोनों पक्ष की अलग भूमिका होती है।

संसद के माध्यम से देश का संचालन किया जाता है। यह राजनीतिक जोर आजमाईश का मैदान नहीं है, इसलिए संसद की गरिमा का भी सभी राजनीतिक दल ध्यान रखें, ऐसी भूमिका सभी मिलकर तय करें। सरकार और विपक्ष दोनों को चाहिए कि वह रचनात्मक राजनीति करके देश हित पर ध्यान दें, क्योंकि लोकतंत्र में लड़ाई सिर्फ चुनाव तक ही सीमित रहना चाहिए। भारत की राजनीति का उद्देश्य भी यही है कि इसके माध्यम से जनसेवा की जाए। अगर दलीय आधार पर संसद में राजनीति की जाए तो फिर देश बनाने की आशा किससे की जाए। उल्लेखनीय है कि जनता की पसंद और नापसन्द जानने के लिए ही देश में लोकतंत्र है। चुनाव के बाद निर्वाचित हुए प्रतिनिधि वास्तव में जनता के ही प्रतिनिधि हैं, इसलिए अब सभी को जनता के लिए ही जिम्मेदार होना चाहिए। चुनाव तक ही भाजपा और कांग्रेस की राजनीति रहती है, अब विपक्ष को भी चाहिए कि वह अच्छे कार्यों में सरकार का साथ दे, क्योंकि अब सरकार राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि भारत की सरकार है। भारत की सरकार का आशय हम सबकी सरकार ही है।

कहने को देश में लोकतंत्र है, लेकिन ऐसा लगता है कि राजनीतिक दलों के जो नेता जनप्रतिनिधि बनकर दिल्ली या प्रदेश की राजधानियों में बैठते हैं, उनको केवल अपने दल के अनुसार ही काम करना होता है। जिसमें लोक की भावनाओं का समावेश बिलकुल भी नहीं रहता। हमेशा यही देखा जाता है कि लोकतंत्र को कमजोर करने वाले हमारे राजनेता केवल विरोध करने के लिए ही विरोध करने की शैली को अपनाने के लिए ही बाध्य होते हैं। पिछली बार हम सबने देखा कि संसद की कार्यवाही को कई बार बाधित किया गया। लोकतंत्र की व्यवस्था के अनुसार विपक्ष का होना भी अत्यंत जरूरी है, लेकिन जो विपक्ष रचनात्मक भूमिका का पालन नहीं करता ऐसे विपक्ष से तो विपक्ष का न होना ही सही है। सत्ता पक्ष की निरंकुशता पर लगाम स्थापित करने के लिए ही विपक्ष का काम होता है, लेकिन भारत में प्रायः देखा जाता है कि सत्ता पक्ष के हर कार्य के लिए विपक्ष अपना विरोधी रुख अपनाता है। सरकार के हर कार्य का विरोध करना भी ठीक नहीं है।

यह बात सही है कि इस बार लोकसभा में मजबूत विपक्ष है। इसलिए विपक्ष अपने आपको मजबूत ही दिखाएगा, यह स्वाभाविक ही है। पिछले समय जब विपक्ष बिखरा हुआ था, तब भी विपक्ष ने अपनी ताकत दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। लेकिन इस बार राजनीतिक स्थितियाँ बदली हुई हैं। सरकार की ताकत भी कम हुई है, गठबंधन के सहयोगी दल भी अपनी उपस्थिति का अहसास हमेशा कराते रहेंगे। ऐसे में सरकार जनता के किए गए कितने वादों पर अमल कर पाएगी, यह देखने वाली बात होगी। वहीं विपक्षी दलों की परेशानी यह है कि उसने जनता से जो वादे किए हैं, उसका क्या होगा, क्योंकि विपक्ष ने यह प्रचारित करके अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा ही काम किया है कि उसने भाजपा की जीत के रथ को रोक दिया है, जबकि यथार्थ में ऐसा नहीं है। जनता के बीच विपक्ष ने अपनी जीत का ही सन्देश दिया है, इससे जनता एक बार फिर से भ्रमित होती दिखाई दे रही है और इसीलिए ही कांग्रेस के कार्यालयों पर जनता की भीड़ उमड़ रही है। यह जनता कांग्रेस से अपने वादे पूरे करने की मांग कर रही है। क्योंकि उनके सामने यही सन्देश दिया है कि कांग्रेस सहित विपक्ष की बड़ी जीत हुई है। वर्तमान स्थिति का राजनीतिक विश्लेषण किया जाए तो यही कहना उचित होगा कि भाजपा आज भी जनता की पहली पसंद है। भाजपा को जितनी सीट मिली हैं, उसके आधे भी विपक्ष के किसी दल को नहीं मिली। प्रचार में पूरी ताकत झोंकने के बाद भी कांग्रेस सौ के आंकड़े को नहीं छू सकी, यह गहन चिंता का विषय है, लेकिन कांग्रेस इस सत्य को स्वीकार करने की मानसिकता नहीं बना पाई। राजनीति में सीटों की संख्या का महत्व होता है और सीटों के मामले में भाजपा बहुत आगे है। यह अलग बात है कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में भाजपा को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई, लेकिन इस बार भाजपा ने दक्षिण के कुछ राज्यों में अपनी उपस्थिति का अहसास कराया है। यह भाजपा के लिए आनंद की ही बात है। जिस दक्षिण के लिए भाजपा अछूत मानी जाती थी, वहां भाजपा स्वीकार होने लगी है।

एक खास बात यह भी है कि इस बार के चुनावों में जनता ने क्षेत्रीय दलों को भी बहुत अच्छा महत्व दिया है। क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व में आने के बाद देश में गठबंधन की राजनीति का युग फिर से आ गया है। राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा और कांग्रेस की उपस्थिति देश के अधिकतर राज्यों में है। बाकी सभी दल राष्ट्रीय फलक पर प्रभाव दिखाने वाले नहीं हैं। इसके अलावा विपक्ष में अभी से बिखराव प्रारम्भ हो गया है। आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस से पूरी तरह से किनारा कर लिया है। ऐसे में विपक्षी गठबंधन पर फिर से सवाल उठने लगे हैं। खैर.. यह राजनीति है, राजनीति में कब क्या हो जाए कहा नहीं जा सकता। लेकिन जहां देश हित की बात आती है तो वहां राजनीति नहीं होना चाहिए। राजनीति रचनात्मक होगी तो ही देश चलेगा, विरोध की राजनीति तो अवरोध पैदा करने वाली होती है।

# भारत सहित विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक बढ़ा रहे है अपने स्वर्ण भंडार

**यह सोने के भंडार भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा हैं) और यदि उस देश की अर्थव्यवस्था में कभी परेशानी खड़ी हो एवं उस देश की मुद्रा का तेजी से अवमूल्यन होने लगे तो इस प्रकार की परेशानियों से बचने के लिए उस देश को अपने स्वर्ण भंडार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचना पड़ सकता है। इस कारण से विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने पास स्वर्ण के भंडार रखते हैं। पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण भंडार का 17 प्रतिशत हिस्सा विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के पास जमा है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास भी 822 टन के स्वर्ण भंडार हैं। सुरक्षा की दृष्टि से इसका 50 प्रतिशत से अधिक भाग, अर्थात लगभग 413 .8 टन, भारत के बाहर अन्य केंद्रीय बैंकों विशेष रूप से बैंक आफ इंग्लैंड एवं बैंक आफ इंटर्नैशनल सेटल्मेंट के पास रखा गया है। उक्त वर्णित 308 टन के अतिरिक्त 100 .3 टन स्वर्ण भंडार भी भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा है। वर्ष 1947 में भारत के राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व ही भारत ने अपने स्वर्ण के भंडार बैंक आफ इंग्लैड में रखे हुए हैं। इसके बाद 1990 के दशक में भी भारत ने अपनी आर्थिक परेशानियों के बीच अपने स्वर्ण भंडार को बैक आफ इंग्लैंड में गिरवी रखकर अमेरिकी डॉलर उधार लिए थे। विभिन्न देशों द्वारा लंदन में स्वर्ण भंडार इसलिए रखे जाते हैं क्योंकि लंदन पूरे विश्व का सबसे बड़ा स्वर्ण बाजार है**






प्रहलाद सबनानी
सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक

समस्त देशों के केंद्रीय बैंक अपने यहां सोने के भंडार रखते हैं ताकि इस भंडार के विरुद्ध उस देश में मुद्रा जारी की जा सके (भारत में 308 टन सोने के विरुद्ध रुपए के रूप में मुद्रा जारी की गई है, यह सोने के भंडार भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा हैं) और यदि उस देश की अर्थव्यवस्था में कभी परेशानी खड़ी हो एवं उस देश की मुद्रा का तेजी से अवमूल्यन होने लगे तो इस प्रकार की परेशानियों से बचने के लिए उस देश को अपने स्वर्ण भंडार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचना पड़ सकता है। इस कारण से विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने पास स्वर्ण के भंडार रखते हैं। पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण भंडार का 17 प्रतिशत हिस्सा विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के पास जमा है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास भी 822 टन के स्वर्ण भंडार हैं। सुरक्षा की दृष्टि से इसका 50 प्रतिशत से अधिक भाग, अर्थात लगभग 413.8 टन, भारत के बाहर अन्य केंद्रीय बैंकों विशेष रूप से बैंक आफ इंग्लैंड एवं बैंक आफ इंटर्नैशनल सेटल्मेंट के पास रखा गया है। उक्त वर्णित 308 टन के अतिरिक्त 100.3 टन स्वर्ण भंडार भी भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा है। वर्ष 1947 में भारत के राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व ही भारत ने अपने स्वर्ण के भंडार बैंक आफ इंग्लैड में रखे हुए हैं। इसके बाद 1990 के दशक में भी भारत ने अपनी आर्थिक परेशानियों के बीच अपने स्वर्ण भंडार को बैक आफ इंग्लैंड में गिरवी रखकर अमेरिकी डॉलर उधार लिए थे। विभिन्न देशों द्वारा लंदन में स्वर्ण भंडार इसलिए रखे जाते हैं क्योंकि लंदन पूरे विश्व का सबसे बड़ा स्वर्ण बाजार है और यहां स्वर्ण को सुरक्षित रखा जा सकता है। यहां के बैकों द्वारा विभिन्न देशों को स्वर्ण भंडार के विरुद्ध अमेरिकी डॉलर एवं ब्रिटिश पाउंड में आसानी से ऋण प्रदान किया जाता है बल्कि यहां पर स्वर्ण भंडार को आसानी से बेचा भी जा सकता है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण के कई खरीदार यहां आसानी से उपलब्ध रहते हैं।

कुल मिलाकर इंग्लैंड स्वर्ण का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत बड़ा बाजार हैं। लंदन के बाद न्यूयॉर्क को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण का एक बड़ा बाजार माना जाता है। भारत को इस स्वर्ण भंडार को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिवर्ष फी के रूप में कुछ राशि बैंक आफ इंग्लैड को अदा करनी होती थी अतः अब भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 100 टन स्वर्ण भंडार को भारत लाने के बाद इस फी की राशि को अदा करने से भी भारत बच जाएगा। दूसरे अपने यहां स्वर्ण भंडार रखने से भारत के पास सदैव तरलता बनी रहेगी। जब चाहे भारत इस स्वर्ण भंडार का इस्तेमाल स्थानीय अथवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने हित के लिए कर सकता है।

वर्ष 2009 में भारत ने 200 टन का स्वर्ण भंडार अंतरराष्ट्रीय बाजार में 670 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि अदा कर खरीदा था। 15 वर्ष वर्ष बाद पुनः भारत ने अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि करने का निश्चय किया है। स्वर्ण भंडार सहित आज भारत के विदेशी मुद्रा भंडार 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गए हैं और यह भारत के लगभग एक वर्ष के आयात के बराबर की राशि है। अतः अब भारत को अपने स्वर्ण भंडार बेचने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी इसलिए भी भारत ने ब्रिटेन में स्टोर किए गए अपने स्वर्ण भंडार को भारत में वापिस लाने का निर्णय किया है।

विश्व में आज विभिन्न देश अपने विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के उद्देश्य से अपने पास स्वर्ण के भंडार भी बढ़ाते जा रहे हैं। आज पूरे विश्व में अमेरिका के पास सबसे अधिक 8133 मेट्रिक टन स्वर्ण के भंडार है, इस संदर्भ में जर्मनी, 3352 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ दूसरे स्थान पर एवं इटली 2451 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ तीसरे स्थान पर है। फ्रांस (2437 मेट्रिक टन), रूस (2329 मेट्रिक टन), चीन (2245 मेट्रिक टन), स्विजरलैंड (1040 मेट्रिक टन) एवं जापान (846 मेट्रिक टन) के बाद भारत, 812 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ विश्व में 9वें स्थान पर है। भारत ने हाल ही के समय में अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि करना प्रारम्भ किया है एवं यूनाइटेड अरब अमीरात से 200 मेट्रिक टन स्वर्ण भारतीय रुपए में खरीदा था। हाल ही के समय में चीन का केंद्रीय बैंक भारी मात्रा में अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की खरीद कर रहा है। कुछ अन्य देशों के केंद्रीय बैंक भी अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि करने में लगे हैं। इसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण के दामों में बहुत अधिक वृद्धि देखने में आई है और यह 2400 अमेरिकी डॉलर प्रति आउंस तक पहुंच गई है।

कई देश संभवतः अपने विदेशी मुद्रा के भंडार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में स्वर्ण भंडार को अधिक महत्व दे रहे हैं, क्योंकि अमेरिकी डॉलर पर अधिक निर्भरता से कई देशों को आर्थिक नुक्सान झेलना पड़ रहा है। यदि अमेरिकी डॉलर अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत हो रहा हो तो उस देश की मुद्रा का अवमूल्यन होने लगता है। इससे उस देश में वस्तुओं का आयात महंगा होने लगता है और उस देश में मुद्रा स्फीति के बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। इन विपरीत परिस्थितियों में घिरे देश के लिए स्वर्ण भंडार बचाव का काम करते हैं। इसलिए आज लगभग प्रत्येक देश के केंद्रीय बैंक अपने स्वर्ण भंडार को बढ़ाने के बारे में विचार करते हुए नजर आ रहे हैं।

# क्या सत्ता में बैठे व्यक्ति को अहंकारी होना चाहिये?

एल.एस. हरदेनिया-

इस समय राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के द्वारा भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व पर जबरदस्त हमला हो हो रहा है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व अत्यधिक आत्मविश्वासी और अहंकारी हो गया है। यह आरोप राष्ट्रीय स्वयं संघ के मुखपत्र आर्गनाइजर में संघ के प्रमुख चिंतक श्री रतन शारदा द्वारा लगाया गया है। उनका आरोप है कि यदि नेतृत्व अहंकारी नहीं होता और अति आत्मविश्वासी नहीं होता तो भाजपा की झोली में लोकसभा की 400 सीटें आ जातीं। यद्यपि नाम नहीं लिया जा रहा है परंतु बहुत साफ है कि यह हमला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर है। इसमें कोई संदेह नहीं कि श्री मोदी अपने व्यवहार और अपने नीतिगत निर्णयों को लेने में बहुत कम अपने सहयोगियों से परामर्श करते हैं। जहां भाजपा का सवाल है वह राष्ट्रीय स्वयं संघ की एक शाखा है। संघ द्वारा 1950 में जनससंघ का गठन किया था। उसके बाद कुछ कारणों से जनसंघ को भंग करना पड़ा और उसके बाद भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ। चाहे जनसंघ का समय हो चाहे भारतीय जनता पार्टी का, दोनों संस्थाओं के गठन के समय यह तय हो गया था कि जनसंघ और भाजपा कोई भी निर्णय आपसी परामर्श से ही करेंगे। इस तरह का मैकेनिजम चलता रहे इसलिए यह तय किया गया था कि राष्ट्रीय स्वयं संघ की ओर से एक प्रमुख नेता जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी में डेपुटेशन के रूप में भेजा जाता था और इस व्यक्ति को आर्गनाइजर कहा जाता था। इस समय यह व्यवस्था है कि नहीं ज्ञात नहीं है। इस बात पर कोई संदेह नहीं कि किसी व्यक्ति का पद जितना ऊँचा हो उतना ही उससे यह अपेक्षा होती है कि वह उतना विनम्र और सोम्य हो। भारतीय जनता पार्टी में अटल बिहारी वाजपेयी ऐसे ही नेता थे। वे जब तक प्रधानमंत्री रहे, उन्होंने संघ से संपर्क बनाए रखा। वे नागपुर जाकर संघ के प्रमुख से मिलते रहे। वे जब भी बंबई जाते थे शिवसेना के प्रमुख बाल ठाकरे के निवास पर जाकर उनसे मिलते थे।

अब हम कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों की चर्चा करें तो प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू जी कहीं से अहंकारी नजर नहीं आते थे। बड़े नेताओं से लेकर आम जनता तक उनका सतर्क सम्पर्क रहता था। वे जब दिल्ली में रहते थे तो रोज कम से कम 500-600 लोगों से अपने निवास-तीन मूर्ति मार्ग पर मिलते थे। वे ठीक 9 बजे जनता के बीच में पहुँच जाते थे और जब तक आखिरी व्यक्ति से नहीं मिल लेते थे वे सचिवालय के लिए रवाना नहीं होते थे। उनके उत्तराधिकारी लालबहादुर शास्त्री तो दिखने में कतई प्रधानमंत्री नहीं लगते थे। उनकी इमेज लगभग एक किसान नेता की थी। शास्त्री जी के बाद इन्दिरा जी प्रधानमंत्री बनीं। इन्दिरा जी का स्वभाव कुछ हद तक अहंकारी था परंतु राष्ट्र के हित में वे अपने अहंकार का चोला उतार फेंक देती थीं। इस संबंध में दो घटनाएँ मुझे याद आ रही हैं-उत्तरप्रदेश में चुनाव होने वाले थे। उत्तरप्रदेश की राजनीति में हेमवती बहुगुणा का काफी महत्व था। चुनाव के पूर्व इन्दिरा जी और बहुगुणा में कुछ मतभेद थे। परंतु चुनाव की खातिर वे बहुगुणा से मिलने गईं और उस मुलाकात के बाद दोनों के मतभेद दूर हो गये। इस घटना की टाईम्स ऑफ इण्डिया ने जैसे रिपोर्ट की थी वह मुझे आज भी याद है। टाईम्स ऑफ इण्डिया ने लिखा कि ह्यह्यप्राईम मिनिस्टर इंदिरा गांधी इन ऑर्डर टू ओवरकम। द एंगरी फीलिंग्स ऑफ बहुगुणा वेंट टू मीट हर अलांग विथ हिज सन राजीव गांधी, डॉटर इन-लॉ सोनिया गांधी, सन संजय गांधी, डॉटर इन-लॉ मेनका गांधी एण्ड देयर सन एण्ड डाटर्स सी ऑलसो टुक अलांग विथ हर देयर पेटी डॉग। द रिजल्ट वॉज पॉजिटिव। जब बंगलादेश का युद्ध चल रहा था तो यह आवश्यक समझा गया कि देश में सांप्रदायिक सौहाद्र बना रहे। इस काम में वे जानती थीं कि राष्ट्रीय स्वयं संघ के प्रमुख गोलवलकर की प्रमुख भूमिका हो सकती है।

गोलवलकर से इन्दिरा जी के संबंध कभी मधुर नहीं थे। परंतु राष्ट्र के हितों को देखते हुए उन्होंने गुरू गोलवलकर से मधुर संबंध बनाना आवश्यक समझा। इसमें उन्होंने अटल बिहारी वायपेयी का उपयोग किया। उन्होंने वाजपेयी जी ने अनुरोध किया कि वे नागपुर जायें और गुरू जी को मेरा संदेश दें कि इस दरम्यान यदि देश में एक भी मुसलमान का एक बूंद भी खून बहा तो मेरी नाक कट जायेगी। यह काम गुरू जी ही सुनिश्चित कर सकते हैं। मैं चाहती हूँ कि वे यह जिम्मेदारी पूरी संजीदगी से निभा सकते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी नागपुर गये और इन्दिरा का यह संदेश गुरू गोलवकर को दिया। गोलवलकर जी यह संदेश पढ़कर बहुत प्रसन्न हुये और उन्होंने इन्दिरा जी से फोन पर कहा कि वह इतना ऐतिहासिक काम कर रही हैं कि उसके लिए मेरे शरीर के खून का एक-एक कतरा हाजिर है। इन संदेशों के आदान-प्रदान से हिन्दुस्तान के एक-एक नागरिक ने इन्दिरा जी के प्रति अपनी वफादारी दिखाई और भारत में पाकिस्तान के दो टुकड़े करने का ऐतिहासिक काम हासिल किया। और भी कई मौके हैं जब इन्दिरा जी ने अपने अहंकार को त्यागकर देश के हित में कई निर्णय लिये। राजनीतिज्ञ का अंहकार उसका कैसा नुकसान करता है उसका एक उदाहरण मध्यप्रदेश का है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री पंडित डी.पी. मिश्रा थे। स्वभाव से दृढ़निश्चयी। जो निर्णय ले लिया उस पर वे हर हालत में कायम रहते थे। उनके पद पर रहते हुए कांग्रेस के 36 विधायक पार्टी छोड़कर चले गये और वे गोविन्द नारायण सिंह और राजमाता के नेतृत्व में सरकार में शामिल हो गये।

## संक्षिप्त खबरें

### हृदय गति रुकने से पत्रकार की माता का हुआ निधन

बेतिया।मझौलिया प्रखंड के दैनिक जागरण के पत्रकार मुन्ना खान की 85 वर्षीय माता हलीमा खातून का रविवार की सुबह हृदय गति रुकने से देहांत हो गया। इसकी सूचना मिलते ही प्रखंड पत्रकार संघ शोकाकुल होकर भाव विभिन्न श्रद्धांजलि अर्पित की तथा इस विपदा की घड़ी में शोक संतप्त परिजनों को हिम्मत धैर्य और साहस देने की प्रार्थना की। बताते चले की मृतक को दो पुत्र और एक पुत्री है। बड़ा पुत्र चुन्ने खान एक प्रसिद्ध व्यवसायी है तो दूसरे पुत्र मुन्ना खान पत्रकार और समाजसेवी है। मृतिका सेवानिवृत्त शिक्षिका थी। शोक सभा मैं शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में अध्यक्ष मुस्लिम जमाल शास्त्री,शंभू पांडे,अनिल कुमार शर्मा,संजय कुमार पांडे,राजू शर्मा, नेयाज आलम साई,राजीव उपाध्याय,अनिल शर्मा,उनीत लाल,बब्लू पटेल आदि पत्रकार शामिल है।

### बकरीद पर्व को लेकर पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

बेतिया।मझौलिया थाना के विभिन्न पंचायत चौक चौराहा पर बकरीद पर्व को लेकर थाना अध्यक्ष अखिलेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में थाना के अधिकारी एवं चौकीदार द्वारा फ्लैग मार्च निकालकर शांतिपुर वातावरण में ईद उल जोहा का नमाज अदा करने की अपील की। उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र के सभी संवेदनशील जगहों पर बकरीद पर्व को लेकर थाना के अधिकारियों समेत पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है।पूरे क्षेत्र में पुलिस गश्ती भी जारी रहेगी। असामाजिक तत्वों एवं सोशल मीडिया पर विशेष नजर रखी जा रही है

### सद्भाव के साथ मनाए बकरीद का पर्व : सीओ

एकम- रसूलपुर थाना परिसर में बकरीद का पर्व को लेकर सीओ राहुल शंकर की अध्यक्षता में एक बैठक हुई । इस दौरान सीओ ने कहा कि बकरीद महापर्व इसकी मयार्दा बनाए रखना सभी समुदाय के लोगों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों सामाजिक कार्यकताओं राजनीति कार्यकताओं दावित बनता है ।इस महापर्व के अवसर पर शांति व्यवस्था और आपसी भाईचारा बनाए रखने के लिए उपस्थित लोगों से अपील किया । वहीं थाना अध्यक्ष प्रभात कुमार ने कहा कि इस महापर्व के अवसर पर शांति व्यवस्था और आपसी भाईचारा बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन प्रतिबद्ध है। इसको लेकर जारी सभी सरकारी दिशा निदेर्शों का प्रशासन बख्शती से अनुपालन करेगा। इस मौके पर मुखिया प्रतिनिधि मिथिलेश प्रसाद मुखिया गणेश शाह प्रखंड सरपंच संघ के अध्यक्ष सुशील सिंह सरपंच विकास कुमार मुखिया रंजीत यादव मृत्युंजय साईं आरिफ मियां मुन्ना मियां आदि उपस्थित थे ।

### शक्तिनगर हनुमान मंदिर परिसर में मुफ्त मेगा शिविर का हुआ आयोजन

छपरा कार्यालय। स्थानीय शक्तिनगर हनुमान मंदिर परिसर में दधीचि देहदान समिति छपरा ईकाई के तत्वाधान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच दवा वितरण सह स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजन शहर के सुप्रसिद्ध फिजिशियन डॉक्टर सुधांशु शेखर मिश्रा और डॉक्टर महिमा पांडेय के देखरेख में किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ दीप प्रज्वलित और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ डॉक्टर सुधांशु शेखर और डॉक्टर महिमा पांडेय,संस्था के जिलाध्यक्ष संजीव चौधरी और कामख्या नारायण सिंह राजन मिश्रा अमित कुमार ने संयुक्त रूप से किया आगत अतिथियों के बीच पर्यावरण बचाने के लिए 51 पौधों का वितरण किया गया।

# बाजार का भूमि अतिक्रमण मुक्त नहीं होने को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने अंचल अधिकारी से किया शिकायत

## डीएम से लेकर मुख्यमंत्री तक शिकायत के बावजूद भी नहीं हटा अतिक्रमण

प्रात :किरण संवाददाता

बेतिया।मझौलिया प्रखंड क्षेत्र के चर्चित जौकटिया पंचायत के नईडीह बाजार का सेड एवं भूमि पर हुए अतिक्रमण का अंचल द्वारा भूमि का पैमाइश कर दो बार नोटिस देने के बावजूद भी आज तक अतिक्रमण मुक्त नहीं होने को लेकर राष्ट्रीय युवा शक्ति के जिला अध्यक्ष सह समाज सेवी रामबाबू सिंह के नेतृत्व में दर्जनों युवा एवं ग्रामीण जनता दरबार में पहुंचकर अंचल अधिकारी से शिकायत की इन लोगों का आरोप था कि थाना नंबर 285 खाता संख्या 608 खेसरा संख्या 3014 रकबा 19 कट्ठा 19 धुर सरकारी बाजार की भूमि में कुछ दबंगों द्वारा बना शेड में मवेशी समेत अपने निजी काम हेतु तथा घर एवं दुकान बनाकर अतिक्रमण कर लिए हैं ।जिसके आलोक में प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान अंचल से अतिक्रमण बाद संख्या 12/22,23 चल रहा है। अतिक्रमण हटाने हेतु अंचल कार्यालय से इसके पूर्व दो बार नोटिस भी जारी कर दिया गया है ।इसके बावजूद अतिक्रमणकारियों द्वारा बाजार की भूमि को लगातार अतिक्रमण किया जा रहा है। यहां कभी भी शांति व्यवस्था भंग होने की संभावना बनी रहती है ।अतिक्रमण के कारण सब्जी एवं अन्य दुकानदार अपना दुकान नहीं लग पा रहे हैं ।ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी से तीसरा बार अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध नोटिस भेज कर बाजार की भूमि को अभिलंब अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की है अन्यथा बाध्य होकर ग्रामीणों द्वारा प्रशासनिक उदासीनता के खिलाफ जनता चरणवद्ध आंदोलन चलाएगी।वही इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अंचलाधिकारी राजीव रंजन ने अंचल नाजिर अमित कुमार से अभिलंब अतिक्रमण बाद का भूमि अतिक्रमण मुक्त नहीं होने को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने अंचल अधिकारी से किया शिकायत

**डीएम से लेकर मुख्यमंत्री तक शिकायत के बावजूद भी नहीं हटा अतिक्रमण**

मझौलिया प्रखंड क्षेत्र के चर्चित जौ कटिया पंचायत का नई डीह बाजार का सेड एवं भूमि का अतिक्रमण अंचल द्वारा भूमि का पैमाइश कर दो बार नोटिस देने के बावजूद भी आज तक अतिक्रमण मुक्त नहीं होने को लेकर राष्ट्रीय युवा शक्ति के जिला अध्यक्ष सह समाज सेवी रामबाबू सिंह के नेतृत्व में दर्जनों युवा एवं ग्रामीण जनता दरबार में पहुंचकर अंचल अधिकारी से शिकायत की इन लोगों का आरोप था कि थाना नंबर 285 खाता संख्या 608 वॉट खेसरा संख्या 3014 रकबा 19 कत्था 19 धुर सरकारी बाजार की भूमि में कुछ दबंगों द्वारा बना शेड में मवेशी समेत अपने निजी काम हेतु तथा घर एवं दुकान बनाकर अतिक्रमण कर लिए हैं जिसके आलोक में प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान अंचल से अतिक्रमण बाद संख्या 12/22 23 चल रहा है अतिक्रमण हटाने हेतु अंचल कार्यालय से इसके पूर्व दो बार नोटिस भी जारी कर दिया गया है इसके बावजूद अतिक्रमणकारियों द्वारा बाजार की भूमि को लगातार अतिक्रमण किया जा रहा है यहां कभी भी शांति व्यवस्था भंग होने की संभावना बनी रहती है अतिक्रमण के कारण सब्जी एवं अन्य दुकानदार अपना दुकान नहीं लग पा रहे हैं ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी से तीसरा बार अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध नोटिस भेज कर बाजार की भूमि को अभिलंब अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की है अन्यथा बाध्य होकर ग्रामीणों द्वारा प्रशासनिक उदासीनता के खिलाफ जनता चरण वध आंदोलन चलाएगी इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अंचलाधिकारी राजीव रंजन ने अंचल नाजिर अमित कुमार से अभिलंब अतिक्रमण बाद का फाइल उपलब्ध कराने का सख्त निर्देश दिए तथा लोगों को समझा बूझकर संतुष्ट किया।बताया जाता है कि पूर्व जिला पार्षद सह माले नेता शंभू प्रसाद सिंह ने अपना पूरा जीवन इस बाजार की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के सपने को देखते-देखते स्वर्ग सिधार गए। उन्हीं के सपने को साकार करने के लिए युवा वर्ग एवं ग्रामीण चटनी एकता का परिचय दे रहे हैं। इस मौके पर पंचायत के मुखिया पुत्र विपिन कुमार उप मुखिया मंटू यादव खुर्शीद आलम रामनरेश पटेलप्रद्युम्न पटेल बसंत साह जितेंद्र कुमार समेत दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थें।

# नीट के पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री और एनटीए के अध्यक्ष दें तत्काल इस्तीफा

प्रात :किरण संवाददाता

छपरा। रविवार को एआईएसएफ सारण जिला सचिव अमित नयन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि नीट के पेपर लीक मामले में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एन टीए) के अध्यक्ष तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को परीक्षा धांधली के मामले में तत्काल अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। अमित नयन ने कहा कि 24 लाख छात्रों का भविष्य केंद्र सरकार और एनटीए अधर में लटका दिया है। देश के बच्चों के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ हो रहा है। जिला सचिव अमित नयन ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बयान को लेकर घोर निंदा की है। उन्होंने कहा कि कैसे बिना कोई जांच के शिक्षा मंत्री एनटीए को क्लीन चिट दे रहे हैं? शिक्षा मंत्री का स्टेटमेंट पुरी तरह से गैरजिम्मेदाराना है।एक तरफ देश में लगातार हर जगह पेपर लीक होते जा रहा है। वहीं केंद्र सरकार और प्रतिष्ठित संस्थान जिन्हें परीक्षा संचालन की जिम्मेदारी मिली है वह अपना पल्ला झाड़ रहे हैं।यह देश के लिए बेहद हीं दुर्भाग्यपूर्ण है।नीट धांधली में उन्हें और एनटीए के अध्यक्ष को तत्काल अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।केंद्र सरकार और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को संवेदनशीलता दिखाते हुए तो पेपर लीक के दोषियों को शीघ्रता पूर्वक गिरफ्तार करते हुए कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। ताकि भविष्य में ऐसी कोई भी गुस्ताखी करने से माफिया का गिरोह हजार बार सोचे। कई जगह गिरफ्तारिया हो रही है, ऐसे समय में केंद्रीय शिक्षा मंत्री बयान दे रहे हैं की नीट की परीक्षा में कोई धांधली नहीं हुई है। यह बेहद ही असंवेदनशील एवं गैरजिम्मेदाराना है। सभी प्रदेशों को विश्वास में लेकर देश में एक पेपर लीक पर ठोस कदम उठाने की जरूरत है। दोषियों को सख्त से सख्त सजा मुकर्रर हो इसके इंतजामात हो। एआईएसएफ जिला परिषद इसकी मांग करता है।

# पानी नहीं मिलने से नाराज ग्रामीणों ने किया सड़क जाम, आवागमन बाधित

प्रात :किरण संवाददाता

भेल्दी(सारण)।पचरूखी पंचायत के फिरोजपुर वार्ड नंबर 13 में पीएचडी विभाग द्वारा लगाए गए टंकी का मोटर काफी दिनों से खराब होने व भीषण तपिश में पानी नहीं मिलने से नाराज ग्रामीणों ने पीएचडी विभाग के खिलाफ रविवार को फिरोजपुर में आगजनी कर दिघवारा-भेल्दी मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।इस दौरान आक्रोशित ग्रामीणों ने पीएचडी विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए सड़क पर टायर जलाकर आगजनी की।सड़क जाम होने से सड़क के दोनों किनारे वाहनों की लंबी कतारें लग गई और आवागमन ठप हो गया। ग्रामीण विटामिन सिंह,बच्चा सिंह,भृगुनाथ सिंह,किशुन राम,मुन्ना मांझी,भरोसा राम,राजकुमार मांझी,फजल रहमान,मेंहदी हसन,विश्वनाथ साह,धर्मनाथ साह,चन्देश्वर राम,राजेश्वर राम,डा.मनीर,जान महम्मद,सैफूदीन,साकेत सिंह,भानू साह,रंजय साह,विक्की कुमार,चंदन कुमार आदि का कहना है कि फिरोजपुर में पीएचडी विभाग द्वारा पानी टंकी का निर्माण कराया गया है जिसका मोटर पिछले एक महीने से खराब होने के कारण सैकड़ों घरों के लोग इस भीषण गर्मी में पानी के लिए तरस रहे हैं।कई बार ठेकेदार व पीएचडी विभाग में शिकायत करने के बाद भी मोटर को ठीक नहीं कराया जा सका।हारकर ग्रामीण सड़क पर उतर गए और विरोध-प्रदर्शन करने लगे।सड़क जाम की सूचना मिलते ही भेल्दी पुलिस व पचरूखी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि पप्पु सिंह मौके पर पहुंच विभागीय अधिकारियों से बात की और जल्द ही मोटर को ठीक कर पानी की सप्लाई किए जाने का आश्वासन मिलने के बाद लोग शांत हुए और सड़क जाम खत्म हुआ।सड़क जाम खत्म होते ही वाहनों का परिचालन शुरू हो सका।

पीएचडी विभाग के कार्यपालक,सहायक व कनीय अभियंता पहुंच मोटर को खोलवाए

सड़क जाम खत्म होने के एक घंटे के अंदर फिरोजपुर एकल ग्रामीण जलापूर्ति योजना का मोटर जलने की सूचना मिलते ही लोक स्वास्थ्य अनियंत्रण विभाग के कार्यपालक अभियंता संयोग कुमार,सहायक अभियंता धर्मेन्द्र कुमार आनंद व कनीय अभियंता विजय शर्मा मौके पर पहुंच जले मोटर को निकलवाकर बनाने के लिए भेज दिया।कार्यपालक अभियंता ने कहा कि कल तक जलापूर्ति शुरू करवा दी जाएगी।

# चंडीगढ़ में छपरा के डॉ हरेंद्र कुमार हुए सम्मानित

प्रात :किरण संवाददाता

छपरा सदर। चंडीगढ़ में पसवा के 11वें राष्ट्रीय समारोह में छपरा के सी पी एस ग्रुप के निदेशक डॉ हरेन्द्र सिंह को सम्मानित किया गया है।बताते चले कि प्राइवेट स्कूल एवं चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन का तीन दिवसिये समारोह चंडीगढ़ के पंचकूला में आयोजित हुआ था।जिसका उद्घाटन रोटरी क्लब के अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष शेखर मेहता, हॉकी खिलाड़ी सह पूर्व मंत्री असलम शेर खान, बिहार के पंचायती राज मंत्री एवं सासाराम के विधायक मुरारी प्रसाद गौतम, संगठन के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव एसपी वर्मा, गुरप्रीत सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष स्माइल अहमद आदि की उपस्थिति में प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी और सीपीएस ग्रुप के चेयरमैन डॉ. हरेन्द्र सिंह को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए ह्यग्लोबल रिप्रेजेंटेटिव लीडरशिप अवार्ड-2024ह्व से सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि डॉ. हरेन्द्र सिंह के पहल के तहत सीपीएस छपरा द्वारा प्रतिवर्ष 51 बालिकाओं का निःशुल्क शिक्षण किया जाता है। इसके अलावा, विद्यालय सामाजिक एवं प्रशासकीय कार्यों में भी बढ़- चढ़कर भाग लेता है। समारोह में अतिथिओं ने सरकार के सामने निजी विद्यालयों की मांगों को भी प्रस्तुत किया।

# जेपीयू के कुलपति ने विभिन्न विभागों के शिक्षकों को सौंपा विश्वविद्यालय का विभिन्न कार्यों का दायित्व

प्रात :किरण संवाददाता

छपरा सदर। जे पी यू के कुलपति डॉ परमेंद्र कुमार बाजपेई के निर्देश पर कुलसचिव डॉ रणजीत कुमार ने पत्र निर्गत कर विभिन्न विभागों के शिक्षकों को अपने मूल कार्य के अतिरिक्त अन्य कार्यों का भी दायित्व सौंपा है । जिसमे मुख्य रूप से बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1976 (अद्यतन संशोधित) की धारा 14 (इ) के प्रावधानों के तहत कुलपति प्रो परमेंद्र कुमार बाजपेई ने प्रशासनिक दृष्टिकोण से प्रो. (डॉ.) वीरेन्द्र कुमार, आचार्य, भूगोल विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा को उनके अपने कार्यों के अतिरिक्त इस विश्वविद्यालय के समायोजक, महाविद्यालय विकास परिषद् के पद पर अगले आदेश तक के लिए नियुक्त करने की कृपा प्रदान की है। वही प्रो. (डॉ.) हरिश्चन्द को आदेशित किया गया है कि वे अपना कार्यभार प्रो. (डॉ.) वीरेन्द्र कुमार को सौंप दें।वही कुलपति ने प्रो. रामनाथ प्रसाद, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा को उनके कार्यों के अतिरिक्त इस विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मामले का प्रभारी पदाधिकारी के पद पर अगले आदेश तक के लिए नियुक्त की है।कुलपति ने प्रो. राजेश नायक, आचार्य, इतिहास विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा को उनके अपने कार्यों के अतिरिक्त इस विश्वविद्यालय का खेल निदेशक के पद पर अगले आदेश तक के लिए नियुक्त करने की कृपा प्रदान की है। कुलपति ने प्रो. सुधीर कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा को उनके अपने विभागीय दायित्वों के अतिरिक्त इस विश्वविद्यालय के परिवहन कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी के पद पर अगले आदेश तक के लिए नियुक्त करने की कृपा प्रदान की है।

# 112 डायल टीम के सदस्यों ने बाईक दुर्घटना में जख्मी व्यक्ति को त्वरित ईलाज के लिए पहुंचाया अस्पताल

प्रात :किरण संवाददाता

बगहा।बगहा पुलिस जिला के नौरंगिया थाना के डायल 112 टीम के पुलिस पदाधिकारी व पुलिस कर्मी काफी सख्त है। दुर्घटना की जैसे ही सुचना मिलती है,वे शीघ्रता शीघ्र घटना स्थल पर पहुंच कर जख्मी व्यक्ति को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाने में विलंब नहीं करते,बल्कि ससमय अस्पताल पहुंचा रहे हैं। ताकि जख्मी व्यक्ति की बेहतर उपचार हो सकें। नौरंगिया थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि रविवार की सुबह थाना क्षेत्र के खैरटवा टोला के पास बाईक से दुर्घटना ग्रस्त गंभीर रूप से जख्मी एक व्यक्ति पडा है। उन्होंने बताया कि जैसे ही घटना की जानकारी थाना के डायल 112 के प्रतिनियुक्त विकास कुमार, रवि कुमार, शैलेश चौधरी व सैप जवान अरुण कुमार सिंह को मिली। वे तत्काल घटना स्थल पर पहुंचे तथा जख्मी व्यक्ति को अनुमंडलीय अस्पताल बगहा ईलाज हेतु पहुंचाया। थानाध्यक्ष ने बताया कि दुर्घटना में जख्मी व्यक्ति की पहचान पटखौली थाना क्षेत्र के बरवल गांव के प्रवेश गोड़ के रुप में की गई है। उन्होंने बताया कि ससमय 112 डायल की गाड़ी घटना स्थल पर नहीं पहुंचती, तो किसी भी प्रकार की अनहोनी हो सकती थी। लेकिन नौरंगिया थाना की डायल 112 टीम के सदस्यों के सहयोग से ससमय अस्पताल पहुंचा कर सहायता प्रदान की तथा जख्मी व्यक्ति की बेहतर उपचार कराया गया। लौकरिया थानाध्यक्ष ने टीम के प्रतिनियुक्त सदस्यों को धन्यवाद दिया।

# भीष्ण गर्मी को देखते हुए रोटी बैंक ने प्रज्ञान फाउंडेशन के साथ मिलकर लोगों को पिलाया शर्बत

प्रात :किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)।गरीब व असहाय लोगों को भोजन कराने के लिए समर्पित एक धर्मार्थ ट्रस्ट रोटी बैंक बेतिया ने प्रज्ञान फाउंडेशन के साथ मिलकर लोगों को शर्बत वितरित करने के लिए एक तरोताजा करने वाला शिविर आयोजित किया। यह कार्यक्रम आज दोपहर एक्सिस बैंक के पास सुप्रिया सिनेमा रोड पर हुआ, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली।रोटी बैंक बेतिया ट्रस्ट के संस्थापक संजू गिरी ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य राहगीरों को ठंडा और स्फूर्तिदायक पेय प्रदान करना था, जो ऐसी चुनौतीपूर्ण मौसम स्थितियों के दौरान हाइड्रेशन के महत्व को स्वीकार करता है।शिविर ने न केवल सद्भावना का संकेत दिया, बल्कि समुदाय के भीतर एकता और एकजुटता की शक्ति का भी उदाहरण दिया। इन दोनों संगठनों के संयुक्त प्रयास ने सकारात्मक प्रभाव डालने और जरूरतमंद लोगों की भलाई का समर्थन करने की उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित कियामौके पर अंकित बरनवाल, विनीत कुमार, अभिषेक गुप्ता, सोनू गुप्ता, जिशु बरनवाल एवं सतीश उपस्थित रहें।

# बगहा पुलिस द्वारा रात्रि पेट्रोलिंग के क्रम में सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों, एटीएम के आस-पास विशेष निगरानी रखी गई

## बगहा पुलिस द्वारा वाहन जांच के दौरान 99,000 रुपए का लगाया गया जुमार्ना

- बगहा पुलिस की कार्रवाई में 4 अभियुक्त गिरफ्तार,कुल अवैध शराब 75 .28 लीटर देशी व अंग्रेजी शराब,01 कार ,01 टेम्पू, 01 मोटरसाईकिल और 01 साईकिल बरामद

प्रात :किरण संवाददाता

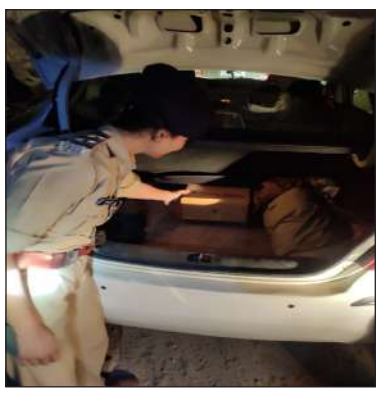

बगहा।बगहा पुलिस जिला में शनिवार को विगत 24 घंटा में 04 अभियुक की गिरफ्तारी की गई है।कुल-03 अजमानतीय वारंट तथा 01 कुर्की का निष्पादन किया गया है। उक्त जानकारी पुलिस अधीक्षक,बगहा सुशांत कुमार सरोज ने प्रेस रिलीज जारी करके दिया। उन्होंने बताया कि बगहा थाना, लौकरिया थाना,नदी थाना,रामनगर थाना द्वाराशराब के कांड व वारंट में 4 अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया साथ ही अवैध 67 लीटर देशी शराब और 8.28 लीटर अंग्रेजी शराब,01 कार ,01 टेम्पू, 01 मोटरसाईकिल और 01 साईकिल बरामद किया गया हैं। इस संबंध में बगहा पुलिस द्वारा अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। एसपी ने बताया कि बगहा पुलिस द्वारा को अपराध नियंत्रण हेतु वाहन जाँच किया गया।जाँच के क्रम में यातायात थाना द्वारा-34,000, चौतरवा थाना द्वारा-18,500, बगहा थाना द्वारा-12,000, धनहाँ थाना द्वारा-12,000, रामनगर थाना द्वारा-11,500, पटखौली थाना द्वारा-11,000 इस प्रकार कुल-99,000 रुपए का जुमार्ना लगाया गया।एसपी ने बताया कि बगहा पुलिस द्वारा रात्रि पेट्रोलिंग के क्रम में सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों,एटीएम के आस-पास विशेष निगरानी रखी गई। रविवार को बगहा पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाए रखने हेतु दिवा गस्ती के दौरान विभिन्न थाना अंतर्गत वाहनो की चेकिंग की गई।

# नगर के ऐतिहासिक धरोहर हजारी बगीचा में कचरा गिराने पर तत्काल रोक लगाए नगर आयुक्तःगरिमा

प्रात :किरण संवाददाता

बेतियाः नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने शहर ऐतिहासिक धरोहर हजारी पशु मेला बगीचा में कचरा गिराने पर तत्काल रोक लगाने का आदेश नगर आयुक्त शंभू कुमार को दिया है। नगर के सामाजिक कार्यकर्त्ता रूपेश कुमार के द्वारा प्रस्तुत विडियो साक्ष्य के साथ शिकायत को महापौर ने बेहद गंभीरता के साथ लिया है। उन्होंने नगर आयुक्त को प्रेषित अपने कड़े पत्र में यह भी लिखा है कि- आप अवगत हैं कि माननीय एनजीटी के द्वारा भी हजारी बगीचा के पशु मेला ग्राउंड कचरा गिराने पर घोर आपत्ति की गई है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि इसको लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के द्वारा 42 लाख का जुमार्ना लगाने की लिखित चेतावनी दी गई है।बावजूद इसके वहां कचरा गिराने का अपराध अब भी लगातार किया जा रहा है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने यह भी लिखा है कि इस अपराध में सिटी मैनेजर अरविंद कुमार की भी सहभागिता साबित होने की शिकायत के साथ साक्ष्य भी शिकायतकर्त्ता रूपेश कुमार के द्वारा प्रस्तुत किया गया है। इसको लेकर उन्होंने निर्देश दिया है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई करते हुए हजारी मेला ग्राउंड में कचरा गिराने पर कारगर रोक लगवाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही महापौर ने बताया कि इस ऐतिहासिक धरोहर को राष्ट्रीय स्तर के एक पार्क सह पक्षी अभ्यारण्य में इसको विकसित करने के लिए प्रस्तुत आवेदन के साथ महापौर का भी अनुशंसा पत्र संलग्न किया गया है।कई एकड़ विस्तार वाले शहर के ऐतिहासिक हजारी बगीचा को पूरे नगर निगम क्षेत्र के पर्यावरण संरक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर के पार्क के साथ इसको पक्षी अभ्यारण्य के रूप में विकसित कराने का अनुरोध मुख्यमंत्री से उनके द्वारा किया गया है।

# एसटीएफ व डोरीगंज थाना की संयुक्त कर्रवाई में वांछित अपराधी गिरफ्तार : एएसपी

- अपराधी के पास से 133 जिंदा कारतूस भी हुआ बरामद

प्रात :किरण संवाददाता

छपरा । बिहार एसटीएफ एवं डोरीगंज थाना की संयुक्त कार्रवाई में हत्याकांड में वांछित व फरार चल रहे अभियुक्त को 133 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है । इस आशय की जानकारी एएसपी राज किशोर सिंह ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी । प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त डोरीगंज थाना अंतर्गत लालबाबू यादव पिता स्वर्गीय गंगासागर राय ग्राम कुतुबपुर चकिया का निवासी बताया गया है । एएसपी ने प्रेस वार्ता करते हुए यह भी बताया कि गत 1 मई को कोईलवर थाना अंतर्गत अवैध बालू खनन को लेकर गुड्डू राय गिरोह तथा सत्येंद्र पांडेय गिरोह के बीच वर्चस्व की लड़ाई में दो लोगों की हत्या हुई थी । इस मामले में कोईलवर थाना कांड संख्या 210/24 दर्ज है । प्रेस कॉन्फ्रेंस में एएसपी राज किशोर और सिंह ने कहा कि गिरफ्तार लालबाबू यादव सारण जिला अंतर्गत अपराध के मुख्य शीर्ष में वांछित था । गिरफ्तार अभियुक्त के पास से पॉइंट 315 बोर का 133 जिंदा कारतूस बरामद किया गया है, इस घटना में इस्तेमाल किए गए हथियारों के लिए पूछताछ की जा रही है । इस संबंध में डोरीगंज थाना कान संख्या 126/ 24 दर्ज कर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है ' गिरफ्तार अपराधियों के लिए लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा था । इसी क्रम में शनिवार को बिहार एसटीएफ एवं डोरीगंज थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में लालबाबू यादव को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली है । प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीएसपी राकेश कुमार के अलावा डोरीगंज थाना के पुलिस कर्मी भी उपस्थित थे ।

# हनुमान प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हांथी घोड़ा बैंड बाजा के साथ निकली गई क्लश यात्रा

प्रात :किरण संवाददाता

एकमा। स्थानीय नगर पंचायत के भरहोपुर टोला कोहरगंढ गांव स्थित नवनिर्मित हनुमान मंदिर व हनुमान प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हाथी घोड़ा बेंड बजे के साथ सैकड़ो महिला पुरुष के साथ कलश यात्रा निकाली गई । कलश यात्रा यज्ञ स्थल के परिक्रमा करने के पश्चात क्लश यात्रा मांझी प्रखंड के डुमाईगढ घाट के सरयुग तट के किनारे से सैकड़ो महिला पुरुष युवती एवं युवाओं के द्वारा जल भरी कर जय श्री राम जय हनुमान के जय घोष के साथ क्लश यात्रा यक्ष स्थल पर पहुंची । जहां संत श्री श्री हनुमान दास जी महाराज वह संत श्री श्री महेंद्र नाथ जी महाराज के अलावे अन्य सहयोगियों द्वारा वैदिक मंत्रों उच्चारण के साथ हनुमान प्राण प्रतिष्ठा के लिए पूजा पाठ हवन के साथ शुभ आरंभ हुआ । जिसमें यज्ञ स्थल सहित पूरा गांव के आलावे आसपास के सभी गांवों में भक्ति में हुई माहौल जहां यज्ञ स्थल पर श्रद्धालु परिक्रमा करते हुए जय हनुमान की जय घोष लगाते रहे। यह यज्ञ तीन दिवसीय चलेगी । जिसका शुभ आरंभ शनिवार के दिन से आरंभ हुई । जहां प्रतिदिन रात्रि के 8:00 बजे से 11:00 बजे तक प्रवचन एवं कथा वाचक वेदाचार्य द्वारा किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जंगलात यादव शशि भूषण सिंह सुजीत दुबे नागेंद्र सिंह संतोष सिंह नागेंद्र दुबे सहित समस्त ग्राम वासियों का भरपूर सहयोग रहा।

## संक्षिप्त खबरें

### आरा बक्सर में बढ़ते तापमान पर पर्यावरण विद ने चिंता जाहिर की

आरा। वैज्ञानिकों ने भारत मे बक्सर को सबसे गर्म शहर के रूप मे चिन्हित किया है जिसको लेकर पर्यावरण विद रमेश कुमार सुदामा ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि आरा - बक्सर मे बढ़ने तापमान का का मुख्य कारण है सड़कों के विस्तार के दौरान काटे गए लाखों पेड़ सड़कों के किनारे लाखों पेड़ था जिसे चौड़ीकरण के दौरान काट दिया गया, बदले में जो पौधा लगाया गया वह रखरखाव के अभाव में पेड़ नहीं बन पाया, इसके लिए सरकार पर निर्भर रहने के बजाय हम सभी को अपने-अपने गांव के सामने फोर लाइन आदि सड़कों पर वृक्षारोपण करना होगा और उन्हें जानवरों से बचाना होगा, आम नागरिकों द्वारा सड़क के किनारे लगाए गए पौधो का सबसे बड़ा दुश्मन है चरवाहा, सरकार को भी ठोस कानून बनना चाहिए जिससे पौधों को अपने जानवरों से चरवाने से लोग डरे, अभी भारत में600 करोड़ पेड़ की आवश्यकता है , और 130 करोड़ भारत की आबादी है, इस हिसाब से प्रति व्यक्ति पांच पेड़ लगाने की आवश्यकता है , हम अगर दूसरे के हिस्से का पौधा नहीं लगा सकते तो कम से कम अपने हिस्से का ही पौधा लगाए, और उसे संरक्षित करके पेड़ बनाएं।

### बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा सम्मानित हुए डॉ.ए. अहमद

आरा। बिहार राज एड्स नियंत्रण समिति द्वारा एचआईवी एवं सिफलिस के उर्ध्वाधर संरक्षण का उन्मूलन हेतु यह प्रमाण पत्र दिया गया। जिले के कई चिकित्सकों एवं बुद्धिजीवियों ने उन्हें बधाई दी पटना में राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान आरा के चिकित्सक डॉ. अबसार अहमद को मोमेंटो और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। बिहार राज एड्स नियंत्रण समिति द्वारा एचआईवी एवं सिफलिस के उर्ध्वाधर संरक्षण का उन्मूलन हेतु यह प्रमाण पत्र दिया गया ।बता दे की पूर्व में भी उन्हें विभिन्न संगठनों द्वारा बेहतरीन कार्य के लिए सम्मानित किया जा चुका है। डॉक्टर अबसार अहमद संचारी रोग पदाधिकारी ,भोजपुर के सम्मानित होने पर जिले के कई चिकित्सकों एवं बुद्धिजीवियों ने उन्हें बधाई दी है।

### विशेष जांच अभियान को लेकर आरा जंक्शन पर बेटिकट यात्रियों में मची अफरातफरी

आरा :जंक्शन : 12393 सम्पूर्ण क्रांति और 12370 कुंभ एक्सप्रेस में जेनरल टिकट लेकर एसी बोगियों में यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी महंगा पड़ गया। इस दौरान रेल यात्रियों के खिलाफ चलाये गये विशेष जांच अभियान में 17 लोग पकड़े गए। बेटिकट पकड़े गए यात्रियों से लगभग 16 हजार रुपए जुमार्ना वसूल किया गया ।इस दौरान आरा जंक्शन पर रेल यात्री बोगी से कूदकर भागने लगे, तो कुछ लोग अपनी समस्या बताने लगे, लेकिन सभी लोगों से जुमार्ना वसूला गया। इसे लेकर अफरातफरी मची रही ।बताया जा रहा है कि दानापुर रेल मंडल के आरा जंक्शन पर सहायक वाणिज्य प्रबंधक विश्वनाथ के निर्देश पर संपूर्ण क्रांति और कुंभ एक्सप्रेस ट्रेनें में जांच अभियान चलाया गया। इसमें 17 लोगों से 15560 रुपये जुमार्ना वसूला गया। अभियान में टीटी स्क्वायड आरा सीआईटी सीपी यादव, रजनीश कुमार, मनोज कुमार पांडेय सहयोग कर रहे थे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए आरपीएफ दरोगा अवधेश कुमार, एएसआई गुड्डू, प्रधान आरक्षी ए के मिश्रा, सुधीर कुमार, दिनेश यादव सहित कई जवान थे।

### श्रेया हत्याकांड में आम जनमानस से लेकर नेताओं में गुस्सा और तीन की गिरफ़्तारी

औरंगाबाद ।।नबीनगर में 11वीं कक्षा की छात्रा श्रेया की हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इस घटना के विरोध में जिले में बढ़ते आक्रोश के दौरान पुलिस ने यह कार्यवाई की है। यह घटना अब कानूनी और सामाजिक दोनों ही दृष्टियों से बेहद संवेदनशील बन गई है। आम जनमानस से लेकर नेताओं का गुस्सा इस घटना के विरोध में देखने को मिल रहा है। इस हत्याकांड में पुलिस ने श्रेया के प्रेमी, उसकी सहेली, और सहेली की मां को गिरफ्तार किया है। एसडीपीओ सदर संजय कुमार पांडेय ने प्रेसवार्ता के दौरान इस मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 12 जून को श्रेया के लापता होने के बाद 14 जून को उसका शव इंद्रपुरी बराज से बरामद किया गया था। शव की हालत इतनी खराब थी कि शरीर से त्वचा तक निकल गई थी, जिससे इस क्रूर हत्या का अंदाजा लगाया जा सकता है। प्रेसवार्ता के दौरान एसडीपीओ पांडेय ने कहा कि श्रेया की मां के द्वारा तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। जांच के दौरान पता चला कि छात्रा की सहेली और उसकी मां अक्सर श्रेया की मुलाकात उसके एक प्रेमी से करवाती थी। श्रेया की सहेली की मां इन दोनों के बीच के सूत्रधार का काम करती थी। इसी संलिप्तता के आधार पर उन्हें गिरफ्तार किया गया है। एसडीपीओ ने कहा कि श्रेया की हत्या में इन तीनों का कहीं न कहीं जुड़ाव है। सहेली की माँ ब्यूटी पार्लर संचालिका है। पुलिस ने इन तीनों को न्यायालय में समर्पित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हालांकि एसडीपीओ ने यह भी बताया कि छात्रा के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आए तथ्य और परिजनों के आरोप मेल नहीं खा रहे हैं।

# इरान में फंसे भाई की रिहाई के लिए दर दर की ठोकर खा रही है बहन

प्रात : किरण संवाददाता



आरा। ईरान मे तस्करों के चुंगल में फंसे भाई के लिए दर दर की ठोकर खा रही है बहन जी हां मामला भोजपुर जिले के पिरो थाना के सुखरौली गॉव से जुड़ा हुआ है जहाँ का रहने वाला गौरव 4 महीने से ड्रग तस्करों के चुंगल में फंसा हुआ है बताया जारहा है कि मिस्टर साहू नाम का एक दलाल भोजपुर के सुखरौली गांव के गौरव को 4 महीने पहले ईरान ले गया था। उसे तेल कंपनी में काम लगवाने का झांसा दिया गया था। तब से गौरव ईरान में ही कैद है। अभी तक उसके घर वापस नहीं लगने से पूरा परिवार किसी अनहोनी की आशंका से परेशान है और दर-दर की ठोकर खाने को मजबूर है नौकरी दिलाने के नाम पर विदेश ले जाकर मिस्टर साहू ने गौरव को ड्रग्स के बदले ईरान में गिरवी रख दिया है। ड्रग पैडलर्स अब गौरव के परिवार वालों से 2 करोड़ की फिरौती मांग रहे हैं। फिरौती की रकम नहीं देने पर गौरव की हत्या करने की धमकी दे रहे हैं। वॉट्सऐप के जरिए लगातार मैसेज कर रहे हैं।

गौरव का परिवार विदेश मंत्रालय तक पहुंचा है। विदेश मंत्रालय ने ईरान में अपने दूतावास में बात की है। लेकिन, अभी भी गौरव का कुछ पता नहीं चल सका है। मामला भले ही ईरान में भारतीय दूतावास तक पहुंच गया हो, लेकिन भोजपुर प्रशासन ने गौरव के परिवार की सुध नहीं ली है। केवल खाना पूर्ति के लिए थाने में मामला दर्ज किया गया है लेकिन अभी तक कोई करवाई नहीं हुई है कोई अधिकारी गौरव का हाल बताने या परिवार का हाल पूछने तक नहीं आता। पुलिस ने प्राथमिकी भी पूर्व सांसद आरके सिंह के कहने पर दर्ज की थी ।इधर, हर गुजरते दिन के साथ परिवार की उम्मीदें टूट रही हैं, लेकिन उन्हें मोदी सरकार पर भरोसा है। हर थककर गौरव के परिवार के लोग भोजपुर एसपी ऑफिस पहुंचे थे, लेकिन एसपी से मुलाकात नहीं हो सकी। भाई के चुंगल में फंसे होने के वीयोग में बहान का रो रो कर बुरा हाल है। गौरव की बहन निक्की कहती हैं कि पेडलर्स की ओर से लगातार धमकी दी जा रही है। दो करोड़ रुपए की मांग की जा रही है। अगर पैसे नहीं दिए तो वो लोग गौरव को मार देंगे। वो लोग (पैडलर्स) बोलते हैं- हम लोग गौरव को ऐसी मौत मारेंगे, जिसे देखकर रूह कांप जाएगी। यह बात बताते-बताते गौरव की बहन निक्की की आंखें भर आती हैं।

रोते हुए निक्की आगे बताती हैं कि विदेश मंत्रालय से एक मेल आया था। उन्होंने ईरान में मामले की सूचना देने की बात कही है। हालांकि, भोजपुर जिला प्रशासन ने अब तक हमारे परिवार के लोगों से मिलकर हाल भी पूछने की जरूरत नहीं समझी है। हमारा केस भी दर्ज नहीं किया जा रहा था। तब हम लोगों ने आरके सिंह को इसकी जानकारी दी थी। आरके सिंह के कहने पर हमारा मामला दर्ज हुआ था ।कोई भी अधिकारी हमारे बीच आकर हमसे हाल जानने की कोशिश नहीं करता है। इस वजह से आज एसपी ऑफिस आए हैं, लेकिन एसपी से मुलाकात नहीं हो सकी है।

गौरव के दोनों भाई-बहन भोजपुर पुलिस, भारतीय विदेश मंत्रालय, गुजरात के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस), नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) तक गुहार लगा चुके हैं। बुधवार को गौरव के भाई राजन ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के कार्यालय में फोन किया। कॉल पर उसकी बात विदेश सचिव के अवर सचिव विभूति नाथ पांडेय से हुई ।अवर सचिव विभूति नाथ पांडेय ने ईरान की राजधानी तेहरान में अपने भारतीय दूतावास से संपर्क किया। उन्होंने गौरव के परिवार को बताया कि भारत के वाणिज्य-दूत ने ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि से बात की है ।ईरान के फारस, सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी गई है। इंटरपोल विभाग, तेहरान को भी जानकारी दी गई है।

ऐसा आरोप है कि गौरव को फारस से सिस्तान और बलूचिस्तान में बंधक के रूप में ले जाया गया है। इसलिए हमारे वाणिज्य-दूत ने एमएफए प्रतिनिधि के साथ भी इस मामले को उठाया है। फिलहाल गौरव की अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है ।अवर सचिव ने आगे बताया कि परिवार के सदस्यों द्वारा उपलब्ध कराए मोबाइल नंबर पर संपर्क स्थापित करने के हमारे वाणिज्य दूतावास के सभी प्रयास आज तक सफल नहीं हुए हैं। क्योंकि मोबाइल नंबर बंद या नॉट रिचेबल हैं। हमारा दूतावास और वाणिज्य दूतावास गौरव कुमार का शीघ्र पता लगाने, कुशलता और भारत वापसी के लिए ईरानी पक्ष के साथ इस मामले को उठाता रहेगा ।वहीं, अवर सचिव की ओर से राजन को बताया गया कि हमारे दूतावास ने सुझाव दिया है कि गौरव कुमार को बहकाने वाले कथित अपराधी स्पष्ट रूप से भारत और दुबई में रहने वाले भारतीय नागरिक हैं। इसलिए भारत में ही आवश्यक जांच करना उचित होगा ।29 अप्रैल को भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने 173 किलोग्राम ड्रग्स पकड़ी थी। इसमें 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। एटीएस के अफसरों ने बताया था कि इन पेडलर्स ने ड्रग्स के बदले बिहार के भोजपुर के युवक को ईरान की गैंग के पास गिरवी रखा था।

इससे पहले ईरान जाने के लिए गौरव 15 फरवरी को पटना जंक्शन पहुंचा था। पटना जंक्शन से लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस ट्रेन से मुंबई पहुंचा और जॉब एजेंट कंपनी (इंटरनेशनल किडनैपर गैंग) के खर्च पर मुंबई के एक होटल में करीब एक सप्ताह ठहरा। 22 फरवरी को एयर अरबिया एयरलाइंस से शारजाह एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरा। शारजाह में उसे इंटरनेशनल किडनैपर गैंग के हैंडलर मिस्टर साहू और सोनू ने रिसीव किया। गौरव ने 24 फरवरी को दोपहर 2 बजे चेक इन किया और 25 फरवरी को दोपहर 12 बजे चेक आउट किया। ईरान जाने के दौरान गौरव से परिजनों की कई दफा वीडियो कॉल पर बात हुई थी। लेकिन, 8 मई के बाद से उससे बात नहीं हो सकी है। अब पैडलर्स लगातार दो करोड़ रुपए की मांग कर रहे हैं। जब तक रुपए नहीं दिए जाएंगे, वो गौरव से ना तो बात करवाना चाहते हैं और न ही गौरव को छोड़ना चाहते हैं। वही इस संदर्भ में पिरो के अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी राहुल सिंह ने बताया कि युवक के ईरान में फंसे होने के मामले में स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है इस मामले में इंटरपोल और गुजरात एटीएस संपर्क किया जा रहा है प्रयास है कि जल्दी गौरव को वापस लाया जाए।

## बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता



आरा। ईद उल अजहा यानी बकरीद पर्व को लेकर लोगों में काफी उत्साह दिख रहा है वही सभी लोग अपने-अपने तरीके से इसकी तैयारी में जुटे हुए हैं वहीं जिला प्रशासन भी इस पर्व को शांतिपूर्वक संपन्न कराने को लेकर कटिबद्ध है जहां की आज जगदीशपुर थाना में आगामी त्यौहार बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमेकी मुख्य रूप से पर्व को शांतिपूर्वक मनाने समेत कई मुद्दों पर चर्चा की गई जहां उसे दिन पूरे जगदीशपुर नगर में पेयजल की आपूर्ति समेत बिजली की निर्वाण रूप से आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाएगी वहीं कई स्थानों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की भी तैनाती की गई है इस बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी संजीत कुमार ने बताया कि सभी लोगों से जगदीशपुर प्रशासन की अपील है की सौहार्द पूर्ण वातावरण में पर्व मनाए किसी भी प्रकार की समस्या हो तो प्रशासन को जरूर सूचित करें वहीं बैठक में उपस्थित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजीव चंद्र सिंह ने सभी संबंधित पदाधिकारी शांति समिति के सदस्यों समेत पूरे जगदीशपुर नगर वासियों से कहां की सोमवार को मनाया जाने वाले पर्व को लेकर जगदीशपुर प्रशासन काफी सक्रिय है और सभी जगह मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है एवं सभी लोगों से यह अपील है कि शांतिपूर्ण वातावरण में इस त्यौहार को मनाई बैठक में उपस्थित लोगों में अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी थाना अध्यक्ष एवं शांति समिति के सदस्यों उपस्थित थे।

## हथियार के बल पर सीएसपी से लाखों की लूट मची सनसनी

प्रात : किरण संवाददाता



आरा। भोजपुर जिले में एक बार फिर तमाम सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए हथियारबंद अपराधियों ने सीएसपी से लाखों रुपए लूट लिए और फरार हो गए हैं घटना गजराजगंज थाना क्षेत्र के चौकीपुर पासवान चौक स्थित दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र से जुड़ा हुआ है जहां की ग्राहक के भेष में पहुंचे हथियारबंद अपराधियों ने सीएसपी से 120000 लूटकर फरार हो गए घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना गजराजगंज थाना पुलिस को दी और मौके पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है यह ग्राहक सेवा केंद्र आरा बक्सर मुख्य मार्ग पर ही अवस्थित है जहां की दोपहर में ग्राहकों से लेनदेन का काम चल रहा था तभी हथियारबंद अपराधी वहां पहुंचे और रुपए लूटकर फरार हो गए ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक संजय कुमार सिंह 2017 से ही दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक का सीएसपी यहां चलते हैं जो की आरा शहर के मौला बाग के निवासी हैं घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

वहीं घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी आराम से बाइक से फरार हो गए वहीं स्थानीय पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है हालांकि घटना के बाद लूट कांड का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है जिसके बाद पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की छानबीन में जुट गई है।

# मुख्यालय वार्षिक पारितोषिक वितरण के लिए भोजपुर सहित शाहाबाद के 108 पुलिस कर्मी चयनित

### क्षेत्रीय मुख्यालय में परेड आयोजित कर डीआइजी की ओर से सभी को किया जायेगा सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता



आराः भोजपुर में चर्चित प्रोफेसर दंपती हत्या सहित तीन कांडों के उद्भेदन करने में सराहनीय कार्य करने वाले 64 पुलिस कर्मी पुरस्कृत किए जायेंगे। वार्षिक पारितोषिक वितरण दिवस के अवसर पर सभी को क्षेत्रीय मुख्यालय में परेड आयोजित कर डीआइजी की ओर से सम्मानित (ह्व'')ुँ ङ्खल्लङ्घर्ीु्८ उक्र्)) किया जाएगा। उसके तहत वरीय अफसरों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाएगा। इंस्पेक्टर से सिपाही संवर्ग तक के कर्मियों को प्रशस्ति-पत्र के साथ पुरस्कार के तौर पर नकद राशि भी दी जायेगी। उसके लिए मुख्यालय की ओर से शाहाबाद रेंज के 108 पुलिस कर्मियों को चयनित किया गया है।

उनमें भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार यादव, तत्कालीन एएसपी चंद्रप्रकाश, जगदीशपुर एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह और तत्कालीन नगर थानाध्यक्ष शंभू भगत, नवादा थानाध्यक्ष अविनाश कुमार सहित 64 पुलिस कर्मी शामिल हैं। वहीं पुरस्कार और सम्मान के लिए एक साथ 64 पुलिस कर्मियों का चयन किए जाने से भोजपुर के पुलिस महकमे में काफी खुशी देखी जा रही है। पुलिस मुख्यालय की ओर से इस संबंध डीआइजी को पत्र भेजा गया है। उसके अनुसार आरा के नवादा क्षेत्र के कतीरा मोहल्ले में प्रोफेसर दंपती का चाकू से गोदकर हत्या का उद्भेदन, कोईलवर में बालू तस्करों के पास से एसएलआर सहित काफी संख्या में हथियार बरामदगी और हत्या के फरारी व 50 हजार के ईनामी उमाशंकर मिश्र की गिरफ्तारी को लेकर जिले के 64 पुलिस कर्मियों को सम्मानित करने के चयनित किया गया है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार प्रोफेसर दंपती हत्याकांड की चाकू से गोदकर हत्या करने और आभूषण लुटने के मामले में पुलिस टीम द्वारा सीडीआर, टावर डंप और सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन करने के बाद अपराध कर्मी तपन डे को असम से गिरफ्तार किया गया था। उसमें एसपी प्रमोद कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सराहनीय काम किया था। टीम में इंस्पेक्टर शंभू भारत, नवादा थानाध्यक्ष अविनाश कुमार, तत्कालीन दारोगा संजय कुमार सिन्हा, राकेश कुमार सिंह, सिपाही अमित कुमार, अरविंद कुमार, कपिल मंडल, संजय कुमार पाल, ब्रह्मानंद पाठक, धर्मेंद्र कुमार, विनीत कुमार, शैलेश कुमार, विपुल कुमार सिंह, रंजीत कुमार, संजू कुमार और सुकेश कुमार शामिल थे। सभी को सम्मानित करने के लिए चयनित किया गया है। बालू माफिया पर कारवाई और तस्करों के पास से एसएलआर सहित काफी संख्या में हथियार की बरामदगी को लेकर भोजपुर के 25 पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया जाना है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार सात जुलाई 23 को एसपी प्रमोद कुमार यादव के नेतृत्व में कोईलवर थाना क्षेत्र के कमालुचक घाट से छापेमारी कर आठ बालू तस्करों को गिरफ्तार किया गया था। तब तस्करों के पास से एक एसएलआर, पांच राइफल, दो देसी कट्टा, एक पिस्टल, 86 गोलियां, खोखे और सात लाख रुपए नगद बरामद किया गये थे। छापेमारी मेंएसपी प्रमोद कुमार यादव के अलावे, तत्कालीन एएसपी चंद्र प्रकाश, इंस्पेक्टर शंभू भारत, तत्कालीन दारोगा अविनाश कुमार, राकेश कुमार सिंह, रवि कुमार गुप्ता, राजू कुमार यादव, संतोष कुमार, सिपाही कमलेश कुमार, अमित कुमार, अरविंद कुमार, कपिल मंडल, संजय कुमार पाल, ब्रह्मानंद पाठक, धर्मेंद्र कुमार, विनीत कुमार, शैलेश कुमार, विपुल कुमार सिंह, रंजीत कुमार, संजू कुमार, सुकेश कुमार, रतन कुमार, प्रियतम कुमार, मदन कुमार और ओम प्रकाश शामिल हैं। सभी को सम्मानित करने के लिए चयनित किया गया है। शाहपुर के करनामेपुर थाना क्षेत्र के सोनवर्षा गांव निवासी गवाह हत्या कांड में फरार व पचास हजार के इनामी उमाशंकर मिश्र की गिरफ्तारी के लिए भी 22 पुलिस कर्मी सम्मानित किए जायेंगे। उनमें एसपी प्रमोद कुमार यादव, जगदीशपुर एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह, इंस्पेक्टर शंभू भगत, तत्कालीन दारोगा राकेश कुमार सिंह, रवि कुमार गुप्ता, राजू कुमार यादव, संतोष कुमार, सिपाही कमलेश कुमार, अमित कुमार, अरविंद कुमार, कपिल मंडल, संजय कुमार पाल, ब्रह्मानंद पाठक, धर्मेंद्र कुमार, विनीत कुमार, शैलेश कुमार, विपुल कुमार सिंह, रंजीत कुमार, संजू कुमार, सुकेश कुमार, रतन कुमार, प्रियतम कुमार, मदन कुमार और ओम प्रकाश शामिल हैं।

## गंगा नदी में डूबें चार लड़के, प्रशासन द्वारा की जा रही तलाश

प्रात : किरण संवाददाता



आरा :भोजपुर जिले के बहोरनपुर ओपी अंतर्गत गंगा नदी के शिवपुर घाट पर गंगा दशहरा पर्व पर स्नान करने के दौरान गंगा नदी में चार लड़कों की डूबने से अफरा तफरी मच गई है। प्रशासन द्वारा डूबे हुए लापता लड़कों की तलाश की जा रही है। लेकिन डूबने के दो घंटे बाद भी लड़कों का कोई अता-पता नहीं चल सका है।

गोताखोरों द्वारा बच्चों की तलाश की जा रही है। लेकिन गंगा नदी के तिलहटी में तेज धार होने के कारण लड़कों का का कुछ पता नहीं चल पा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डूबे हुए सभी बच्चे बिहिया थाना क्षेत्र के खरौनी गांव के बताए जा रहे हैं।

वही प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शिवपुर घाट पर बना रहे ब्रिज के 200 मीटर पश्चिम लड़के सेल्फी लेने के दौरान गंगा नदी में गिर पड़े एवं नदी के गहरे पानी में चले गए। इसके बाद लोगों द्वारा बचाने का काफी प्रयास किया गया। लेकिन लोग लड़कों तक पहुंच पाते तब तक चारों लड़के गहरे पानी में डूब गए और गंगा नदी के तिलहटी में तेज धार होने के कारण लापता हो गए। बहोरनपुर ओपी प्रभारी अभय शंकर सिंह के अनुसार लड़कों के खोजबीन के लिए एसडीआरएफ की टीम एवं स्थानीय गोताखोर लगाए गए हैं लापता लड़के बिहिया थाना क्षेत्र के खरौनी गांव के बताए जा रहे हैं। जिनका नाम दीपू यादव, सोनू यादव, निशु शर्मा तथा रामजी गोंड़ है।

## श्रेया हत्याकांड में सांसद लवली आनंद ने दोषियों पर गिरफ्तार करने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। नवीनगर की छात्रा श्रेया हत्याकांड में पुलिस के द्वारा अब तक कोई आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं किए जाने से नवीनगर के अलावा पूरे औरंगाबाद जिले में आक्रोश का माहौल है। यह आक्रोश जिला मुख्यालय में देखने को भी मिला। जहां सैकड़ों की संख्या में जनता सड़क पर आ गई और रमेश चौक को जाम कर दिया। इधर इस घटना की जानकारी मिलते ही शिवहर की सांसद लवली आनंद अपने पति पूर्व सांसद आनंद मोहन, बेटे शिवहर के विधायक चेतन आनंद और बेटी डॉ आयुषी के साथ शनिवार की रात्रि ही नवीनगर पहुंची। यहां उन्होंने मृतका के घर जाकर उसके परिजनों से मुलाकात की और उन्हें हरसंभव मदद करने तथा उचित न्याय दिलाने का भरोसा दिया। रविवार की सुबह जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में सांसद लवली आनंद ने कहा है कि मृत छात्रा का पोस्टमार्टम एक अज्ञात शव के रूप में लापरवाही से किया गया है जबकि इस तरह के मामले में डॉक्टरों की टीम गठित करने के बाद पोस्टमार्टम किया जाता है। उन्होंने कहा कि पुलिस इस मामले को हल्के में ले रही है जबकि यह दिल्ली की निर्भया कांड की तरह दूसरा मामला है। उन्होंने औरंगाबाद एसपी से बात की और जल्द से जल्द इस मामले में कार्रवाई करते हुए दोषियों को गिरफ्तार करने की बात कही। कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी मिलकर उन्हें इस घटना के बारे में अवगत कराया जाएगा और मृत छात्रा के परिजनों को उचित न्याय दिलाने की मांग की जाएगी। वहीं पूर्व सांसद आनंद मोहन ने कहा कि मैंने सासाराम डीएम से बात की और कहा कि पोस्टमार्टम वाले जगह का सीसीटीवी फुटेज को जब्त कर दिखाया जाए क्योंकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही अच्छे से कार्रवाई होगी। कहा कि अगर पुलिस चाहेगी तो इस घटना का सच सामने आएगा अन्यथा नहीं आएगा।

## पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सांसद आरके सिंह का भव्य स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता



आरा। लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार आरा पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सांसद राजकुमार सिंह का आरा लोकसभा क्षेत्र के प्रवेश द्वार कोईलवर में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। कड़ी धूप के बावजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने कोइलवर के थाना मोड़ के समीप एनएच 922 पर पहुँच पूर्व केंद्रीय मंत्री सह आरा के पूर्व सांसद आरके सिंह का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरके सिंह के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। स्वागत के दौरान कार्यकर्ताओं ने अंगवस्त्र से स्वागत करते हुए उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया। मौके पर ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष ऋतु राज, कोइलवर मंडक अध्यक्ष राकेश शर्मा, शेखर गुप्ता, विवेक श्यामप्रकाश विंद,वीणा गुप्ता,विशाल सिंह,सोनू पाठक समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहें।

## शहर के लोगों की समस्या का समाधान नगर आयुक्त द्वारा किए गया

प्रात : किरण संवाददाता

गया । गया शहर के लोगों की समस्या को शनिवार को अभिलाषा शर्मा, नगर आयुक्त गया नगर निगम द्वारा नगर निगम कार्यालय में जनता दरबार में आए पेंशन, होल्डिंग टैक्स, अतिक्रमण, अनाधिकृत निर्माण नाला निर्माण आदि लगभग 18 नागरिकों के शिकायतों को सुना गया है ।नागरिकों के शिकायतों को नगर आयुक्त द्वारा सुनकर उनके आवेदनों को संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी को अग्रेतर कार्यवाई हेतु अग्रसारित किया गया। नगर आयुक्त द्वारा शनिवार को जनता दरबार के माध्यम से शिकायतों को सुना गया है ।इस जनता दरबार में उप नगर आयुक्त, संबंधित लिपिक/ सहायक भी मौजूद थे

## कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी ने अग्निशमन विभाग को तीन कुलर उपलब्ध कराया

प्रात : किरण संवाददाता



गया ।कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी संस्था के द्वारा अग्निशमन कार्यालय में स्टेशन गर्मी से बचने के लिए कुलर उपलब्ध कराया गया है। इस संबंध में विकास कुमार माली ने बताया कि अग्निशमन सेवा के संयुक्त मंत्री संजय कुमार के द्वारा जानकारी मिला था। कि कार्यालय ने इस भीषण गर्मी से वहा कार्य कर रहे कर्मी काफी परेशान है। जानकारी मिलते ही कन्या विवाह एंड विकास सोसाइटी के सचिव तत्काल अग्नि समन के संयुक्त मंत्री संजय कुमार को 3 कुलर उपल्ब्ध कराया है। साथी उन्होंने कहा कि अग्निशमन विभाग विभाग के लोग अपनी जान पर खेल कर किसी के घर दुकान आदि जगहों पर आग लगता है। तो उसे बुझाने का कार्य करते हैं ।उन्होंने कहा कि ऐसे पदाधिकारी और कर्मी को हमारी संस्था से जो भी कुछ सहयोग चाहिए तो हमारी संस्था देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए संस्था के द्वारा कुलर उपलब्ध कराया गया है। संस्था अग्नि समन विभाग के लिए हमेशा तत्पर्य है।

## केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने मगध हेल्थ केयर हॉस्पिटल का किया शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता



गया ।शहर के मीर अबू सालेह रोड स्थित मगध हेल्थ केयर का रविवार को केंद्रीय सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री सह नवनिर्वाचित सांसद जीतन राम मांझी, टिकारी विधायक डॉ अनिल कुमार, जदयू महानगर अध्यक्ष राजू बरनवाल,पंचायती अखाड़ा उदासीन संगत के महंत दुर्वेश दास एवं अस्पताल के प्रबंध निदेशक सह वार्ड पार्षद राहुल कुमार ने वैदिक मंत्रोच्चारण एवं स्वस्तिवाचन के साथ फीता काटकर उद्घाटन किया गया है। इस उद्घाटन के मौके पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि गया में आधुनिक सुविधाओं से युक्त अस्पताल खोलने से आम गरीब लोगों को काफी फायदा होगा। यह अच्छा प्रयास है। गया में इस तरह के अस्पताल के अस्पताल के जरूरत थी ।वही अस्पताल के डायरेक्टर राहुल कुमार ने बताया कि हृदय रोग के लिए कार्डियोलॉजिस्ट, किडनी रोग के लिए नेफ्रोलॉजी, मधुमेह, हड्डी एवं नस , नेत्र, मुख एवं दंत, स्त्री प्रसूति एवं बांझपन रोग विशेषज्ञ और एम्स, आईजीआईएस, पीएमसीएच के चिकित्सकों द्वारा रोगियों का सफल इलाज किया जाएगा। एक छत के नीचे सभी रोगों के इलाज की सुविधा उपलब्ध है। प्रतिदिन ओपीडी सुविधाऐं मिलेगी। स्त्री रोग विशेषज्ञ के द्वारा प्रतिदिन महिलाओं के लिए परिवार नियोजन की सुविधा रहेगी। कोई भी मरीज चिकित्सकीय परामर्श संबंधित रोगों के चिकित्सक से ले सकते हैं ।इस अवसर पर जदयू महानगर अध्यक्ष राजू बरनवाल, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा वरिष्ठ नेता रोमित कुमार, वार्ड पार्षद ओमप्रकाश सिंह, धीरज रौनीयार,शहीद उच्च विद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार सिंह, अश्वनी सिंह, डॉ नवनीत निश्चल,डॉ भवानी शंकर, डॉ आशमा ज्योति,डॉ रिचा कुमारी, डॉ आनंद शंकर,डॉ अबू हुरैरा, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ सनी कुमार सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

### नशाखुरानी का शिकार हुए युवक की इलाज के दौरान सीएचसी गिद्धौर में हुई मौत

गिद्धौर/जमुई। शनिवार को गिद्धौर के दिग्विजय सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए गए नशाखुरानी गिरोह के शिकार व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया गया कि गिद्धौर रेलवे स्टेशन से किसी व्यक्ति ने डायल 112 को बेहोशी की अवस्था में मिले अज्ञात व्यक्ति की सूचना दी। जिसके बाद डायल 112 की पुलिस ने उक्त व्यक्ति को दिग्विजय सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गिद्धौर पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान शनिवार की देर रात युवक की मौत हो गई। व्यक्ति के पास से आधार कार्ड एवं ई-श्रम कार्ड मिला। जिसमें नाम मोहम्मद ताजुद्दीन गौहर, निवासी केशवा, भागलपुर, उम्र 30 वर्ष अंकित है। मामले के संदर्भ में गिद्धौर थानाध्यक्ष रीता कुमारी ने बताया कि आधार कार्ड में दिए पते के आधार पर उक्त व्यक्ति के परिजनों से संपर्क किया गया।

## डलास में कॉन्सर्ट के बीच में रोके जाने पर बादशाह ने फैंस से मांगी माफी

जाने-माने रैपर बादशाह डलास कॉन्सर्ट के बीच में ही रोक दिए जाने को लेकर फैंस से माफी मांगी है। स्थानीय प्रमोटरों और प्रोडक्शन कंपनी के बीच किसी अनबन के चलते उन्हें अमेरिका के डलास में अपना संगीत कार्यक्रम बीच में ही रोकना पड़ा। बादशाह इन दिनों अपने तीसरे स्टूडियो एल्बम एक था राजा के चलते अमेरिका और कनाडा के दौरे पर हैं। उनका ये टूर मई में शुरू हुआ और अगस्त में पूरा होगा। बादशाह ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने कहा कि उनका दिल टूट गया और वह परेशान हैं, क्योंकि डलास के कर्टिस कुलवेल सेंटर में अपना प्रदर्शन बीच में ही रोकना पड़ा। उन्होंने लिखा, डलास, आज जो कुछ हुआ उससे मैं सचमुच बहुत दुखी और निराश हूं। आप लोग बहुत अच्छे हैं और इससे बेहतर के हकदार हैं। उन्होंने आगे लिखा, मैं आपके शहर में प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक था, लेकिन स्थानीय प्रमोटरों और प्रोडक्शन कंपनी के बीच किसी अनबन के कारण, मुझे शो को बीच में रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह उन फैंस के लिए उचित नहीं है, जो उस टिकट को खरीदने के लिए अपनी मेहनत की कमाई खर्च करते हैं, और यह पूरे दल के लिए उचित नहीं है, जो इन यात्राओं पर अपना दिल लगाते हैं। हम हफ्तों तक अभ्यास करते हैं, महीनों तक योजना बनाते हैं और आपको शानदार अनुभव प्रदान करने के लिए अथक यात्रा करते हैं। रैपर ने आगे लिखा, हम प्रमोटर की ओर से प्रबंधन की इस कमी के कारण हुई असुविधा, निराशा और परेशानी के लिए ईमानदारी से माफी मांगते हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भविष्य में अधिक सक्षम प्रमोटर टीम के साथ चीजों को बेहतर ढंग से प्रबंधित किया जाए, जो गुणवत्तापूर्ण अनुभव को प्राथमिकता देती है और समझती है कि संगीत और दौरा एक गंभीर व्यवसाय है।

डलास में आयोजित बादशाह का संगीत कार्यक्रम बीच में ही रुक गया और उनके शो के टिकट खरीदने वाले फैंस अचानक रुकने के बाद निराश हो गए। इस बात को लेकर रैपर-सिंगर ने फैंस से माफी मांगी है। गायक-रैपर ने आगे कहा, मैं वापस आने का वादा करता हूं और यह पहले से अधिक बड़ा, बेहतर और साहसिक होगा।

## डिप्रेशन की समस्या से गुजर चुकी हैं पश्मीना रोशन

**ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना रोशन अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। उनकी पहली फिल्म का नाम इश्क विश्क रिबाउंड है। इन दिनों वह फिल्म का जोर शोर से प्रचार कर रही हैं। इस बीच एक साक्षात्कार में उन्होंने अपने मानसिक स्वास्थ्य और अपनी पहली फिल्म को लेकर खुलकर बात की।**

हाल ही मे एक साक्षात्कार के दौरान पश्मीना रोशन ने खुलासा किया कि वह कुछ वर्ष पहले डिप्रेशन की समस्या से जूझ रही थीं। बातचीत के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि वह इस बात को लेकर भ्रमित थीं कि वह अच्छी अभिनेत्री बन सकती हैं या नहीं।

अभिनेत्री ने खुलासा किया कि डिप्रेशन के दौरान वह केवल दोपहर में सोती थीं। पश्मीना ने साझा किया कि वह स्कूल में थिएटर ग्रुप का हिस्सा थीं, लेकिन उस समय उन्हें यह नहीं पता था कि आगे उन्हें इस क्षेत्र में करियर बनाना है। अभिनेत्री ने कहा, इसलिए, मैंने मार्केटिंग के लिए यूके में विभिन्न विश्वविद्यालयों में आवेदन किया था। मुझे वीजा भी मिल गया था, कमरे बुक हो चुके थे। उस समय गर्मियों की छुट्टियां चल रही थीं और मैं बहुत उदास थी। मेरे सभी दोस्त पार्टियों में जाते थे और वे सब कुछ करते थे। मैं केवल दोपहर में सोती थी। पश्मीना ने कहा कि इसके बाद उन्होंने अभिनय और नृत्य की कक्षाएं लीं। भरतनाट्यम सहित डांस के विभिन्न रूपों को सीखा और लगातार ऑडिशन दिए। पश्मीना रोशन ने आगे कहा कि उन्हें कई बार रिजेक्ट भी किया गया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। अभिनेत्री ने खुद का मूल्यांकन किया और अपने परिवार से मिले फीडबैक पर काम किया, जिससे उन्हें अपनी पहली फिल्म मिलने में मदद मिली। इश्क विश्क रिबाउंड की बात करें तो यह फिल्म 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

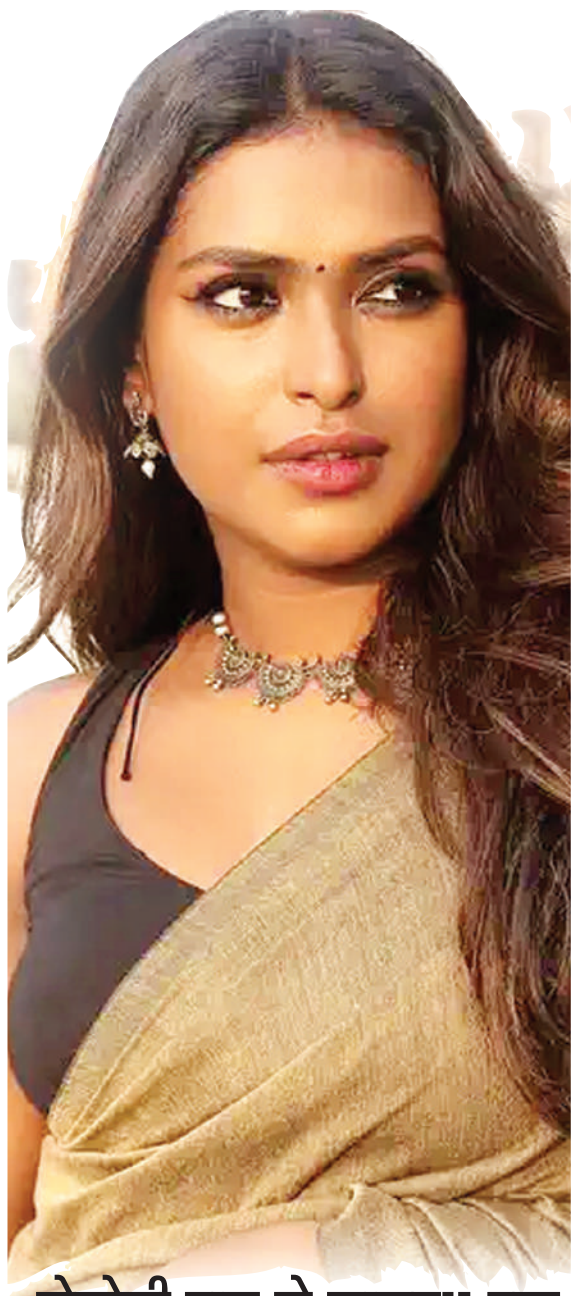

## पोलोमी दास ने नागवधू-एक जहरीली कहानी में अपने किरदार का किया खुलासा

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस पोलोमी दास ने पौराशपुर, नागिन 6 और बारिश जैसे शो से दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाई है। वह जल्द ही नागवधू-एक जहरीली कहानी में नजर आएंगी। उन्होंने शो में अपने किरदार सनवरी के बारे में खुलकर बात की और कहा कि यह सीरीज एक महिला के संघर्ष को दिखाती है। पोलोमी ने कहा, मेरा किरदार सनवरी भारत के एक छोटे से गांव में रहती है। उसका पूरा गांव बहुत सारे अंधविश्वास के साथ जीता है। वह शादीशुदा है। शो की कहानी उसकी जिंदगी में शादी के बाद आए बदलाव पर आधारित है। वह अंदर से पूरी तरह से टूट चुकी है। एक्ट्रेस ने कहा, शो में आप देख पाएंगे कि सनवरी अपनी जिंदगी के बुरे दौर से कैसे उबरती है। यह सीरीज एक महिला की यात्रा और उसके भीतर के संघर्ष को दिखाती है। पोलोमी ने नागवधू के डायरेक्टर जीतू के साथ अपनी अच्छी बॉन्डिंग के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि वह उनके साथ पहले भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने कहा, जब आप जीतू जैसे अच्छे डायरेक्टर के साथ काम करते हैं, तो सेट पर सब कुछ आसान हो जाता है। कुछ सीन ऐसे होते हैं जिनमें सावधानी बरतनी पड़ती है। हमें इसे खूबसूरती से शूट करना चाहिए, न कि अश्लील तरीके से। हमारे डायरेक्टर ने इसे ठीक से किया है और सुनिश्चित किया है कि हम सेट पर कंफर्टेबल रहें। नागवधू-एक जहरीली कहानी सीरीज एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसको लेकर चर्चाएं हैं कि वह जिस भी लड़के के साथ रात बिताती है, उसकी हत्या कर देती है। सीरीज में सुबुही जोशी ने आभा का रोल निभाया है। यह 21 जून को ऑल्ट पर रिलीज होगी।

## अब क्रिसमस पर नहीं रिलीज होगी वेलकम टू द जंगल

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी कि अक्षय कुमार स्टारर फिल्म वेलकम टू द जंगल लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। ये एक मल्टीस्टारर फिल्म है, जिसमें अक्षय के साथ-साथ संजय दत्त, सुनील शेट्टी, दिशा पटानी, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज जैसे कई सितारे शामिल हैं। फिल्म ने मई में अपना पहला शेड्यूल पूरा किया है। ये फिल्म इस साल दिसंबर में रिलीज होने वाली थी। मगर, अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट टाल दी है। वेलकम टू द जंगल के निर्माताओं ने बहुत धूमधाम के साथ फिल्म की घोषणा की थी। मगर मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स अब इस साल फिल्म को रिलीज नहीं कर पाएंगे।

## अर्जुन कपूर ने खुद किया खुलासा - सोनाक्षी के साथ क्यों नहीं चला रिश्ता

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी शादी की खबरों को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री 23 जून को बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर अर्जुन कपूर और सोनाक्षी सिन्हा को लेकर मीम्स बन रहे हैं। तेवर की शूटिंग के दौरान दोनों के रिश्ते में होने की अफवाह उड़ी थीं, मगर फिल्म के खत्म होने के बाद उनके रिश्ते के खत्म होने की बात भी सामने आई थी। हाल ही में अर्जुन ने उनके और सोनाक्षी के रिश्ते पर बात की है। अर्जुन कपूर से एक बातचीत में उनके और सोनाक्षी के रिश्ते से जुड़ा सवाल पूछा गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, कुछ इक्केशन लंबे समय तक चलते हैं। अन्य एक फिल्म के निर्माण से आगे नहीं बढ़ते, क्योंकि इसके खत्म होने के बाद, लोग अपने अलग-अलग रास्ते अपना लेते हैं। मैं अभी भी एक व्यक्ति के रूप में उनसे बहुत प्यार करता हूं। उन्होंने कहा, हमेशा ऐसा दिखाया जाता है कि हम पार्टियों में एक-दूसरे को पहचानते नहीं हैं। जो कि सच नहीं है। हम हमेशा एक-दूसरे से बात करने की कोशिश करते हैं। हम दोनों में से किसी पर भी एक निश्चित समय से आगे इक्केशन बनाए रखने का कोई दबाव नहीं है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों के अलग होने का कारण दोनों की भावनाएं थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सोनाक्षी जल्द ही अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। खबर के अनुसार, सोनाक्षी और जहीर 23 जून को रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे। इसके बाद शाम में रिसेप्शन पार्टी देंगे। इनकी शादी का कार्ड भी वायरल हो रहा है, जिसमें शादी से जुड़ी जानकारियां लिखी हुई हैं।

## जिन्हें किया लॉन्च, उन्होंने नई फिल्म के लिए जवाब तक नहीं दिया

**अनुराग कश्यप लीक से हटकर फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। अलग तरह की कहानियां पेशकर उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। हाल ही में वह महाराजा नाम की फिल्म में बतौर अभिनेता नजर आए थे। वह जल्द ही लोगों के लिए बैड कॉप नाम की सीरीज लेकर आ रहे हैं।**

इस शो में वह अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। इस बीच निर्देशक ने एक साक्षात्कार में इंडस्ट्री के कलाकारों को लेकर एक हैरान कर देने वाला खुलासा किया है। अनुराग ने कहा कि जब उन्होंने दो अभिनेताओं से उनकी नई फिल्म के लिए संपर्क करने की कोशिश की तो उन्होंने उन्हें पहले टाला और फिर जवाब देना बंद कर दिया। निर्देशक ने खुलासा किया कि उन दोनों अभिनेताओं को उन्होंने ही लॉन्च किया था। इस बातचीत के दौरान अनुराग ने कहा कि वह उन कलाकारों का सम्मान करते हैं, जो वैध कारण बातकर फिल्म में काम करने से इनकार कर देते हैं। निर्देशक ने कहा कि वह उन लोगों से निराश हैं, जो उन्हें इंतजार करवाते हैं और बाद में संपर्क रखना भी छोड़ देते हैं। उन्होंने कहा, मुझे कुछ लोगों की खूबी पसंद है जो कोई कारण से फिल्म के लिए नहीं कह देते हैं। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं, लेकिन जो लोग आपको दो-तीन साल तक इधर-उधर घुमाते हैं और फिर मना कर देते हैं या फिर आपको जवाब देना भूल जाते हैं, ऐसे लोगों से मुझे समस्या है। दो अभिनेता हैं जिन्होंने मेरे साथ अपना करियर शुरू किया और फिर जिस फिल्म में मैं काम कर रहा हूं, उसको लेकर वे जवाब देना भूल गए। उन्होंने हां या न कहने की परवाह भी नहीं की। वे बस भूल गए। बैड कॉप की बात करें तो इस सीरीज में अनुराग के अलावा गुलशन देवैया और हरलीन सेठी भी अहम किरदारों में हैं। सीरीज में दर्शकों को आठ एपिसोड देखने को मिलेंगे। शो का निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है।

## इश्क विश्क रिबाउंड के लिए शाहिद कपूर ने लिखा भावुक नोट

शाहिद कपूर ने फिल्म 'इश्क विश्क' से साल 2003 में बॉलीवुड में डेब्यू किया था। 21 सालों बाद अब निर्माता इस फिल्म का सीक्वल 'इश्क विश्क रिबाउंड' लेकर आए हैं। शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी साझा करते हुए 'इश्क विश्क रिबाउंड' की टीम को बधाई दी है। उन्होंने फिल्म के लिए उत्साह भी जाहिर किया है। शाहिद ने एक प्यारा सा नोट लिखते हुए फिल्म की पूरी टीम को शुभकामनाएं दी हैं। शाहिद ने लिखा, 'मुझे आशा है यह आप लोगों के लिए उतनी ही स्पेशल हो जितनी 21 साल पहले मेरे लिए थी, बेस्ट ऑफ लक'।

### डिफेंस स्टॉक, शेयरों की मची है लूट

**नईदिल्ली।** डिफेंस सेक्टर की चर्चित कंपनी पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयरों में अपर सर्किट लगा था। कीमतों में 20 प्रतिशत की तेजी के साथ बाद कंपनी के शेयरों का भाव 1157.25 रुपये था। यह कंपनी का 52 वीक हाई है। कंपनी के शेयर अपने आल-टाईम हाई 1272 रुपये के बेहद करीब है।




### बकरीद की वजह से शेयर बाजार बंद रहेगा

**नईदिल्ली।** शेयर बाजार कल यानी 17 जून 2024 को बंद रहेगा। स्टॉक मार्केट में बकरीद के त्योहार की वजह से छुट्टी रहेगी। बाजार 18 जून को 3 दिन की छुट्टी के बाद खुलेगा।

# सुकन्या समृद्धि, पीपीएफ पर बड़ा अपडेट, सरकार के ताजा फैसले के बाद ज्यादा मिलेगा ब्याज

**नईदिल्ली, एजेंसी।** सरकार ने छोटी बचत स्कीमों की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही यानी 30 जून, 2024 तक ब्याज दरें जस की तस रहेंगी। वित्त मंत्रालय ने 8 मार्च, 2024 को एक सर्कुलर जारी करके यह जानकारी दी है। इस फैसले का मतलब यह है कि सुकन्या समृद्धि, पब्लिक प्रोविडेंट फंड, सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम समेत छोटी बचत स्कीमों की ब्याज दरों पर पहले जितना ब्याज मिलता रहेगा। सरकार हर तिमाही में छोटी बचत स्कीमों पर ब्याज दरें तय करती है।

नए सर्कुलर के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही यानी 1 अप्रैल, 2024 से 30 जून, 2024 तक तमाम छोटी बचत स्कीमों पर ब्याज की दरें वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (1 जनवरी, 2024 से 31 मार्च, 2024) के लिए अधिसूचित दरों के समान रहेंगी।

### 1. रिकरिंग डिपॉजिट

पहले बात करते हैं रिकरिंग डिपॉजिट की। छोटे निवेशकों के लिए बनाई गई इस स्कीम में आपको 6.7 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलेगा। खास बात यह है कि इसमें आप कम से कम 100 रुपये जमा कर सकते हैं। यानी कम पैसे में भी बचत का मौका!

### 2. टाइम डिपॉजिट

इसमें आपको एक साल, दो साल, तीन साल और पांच साल के हिसाब से ब्याज मिलता है। कम से कम 1,000 रुपये जमा करने होते हैं। हां, एक और जरूरी बात - पांच साल वाले खाते पर आपको इनकम टैक्स की धारा 80ष्ट के तहत टैक्स में छूट भी मिलती है।

### 3. पीपीएफ

अब बात करते हैं पब्लिक प्रोविडेंट फंड की। इसमें आप हर साल कम से कम 500 रुपये और ज्यादा से ज्यादा 1.5 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। इस पर आपको 7.1 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलेगा। पीपीएफ में निवेश करने पर भी आपको इनकम टैक्स में छूट मिलती है।

### 4. सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम

बुजुर्गों के लिए सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें 8.2 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलता है। कम से कम 1,000 रुपये और ज्यादा से ज्यादा 30 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। हां, एक बात का ध्यान रखें - अगर ब्याज 50,000 रुपये से ज्यादा हुआ तो उस पर टैक्स देना होगा।

### 5. पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम

अगर आप हर महीने एक तय रकम चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम आपके लिए है। इसमें आपको 7.4 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलता है। कम से कम 1,000 रुपये से खाता खुलवा सकते हैं। अगर अकेले खाता खुलवा रहे हैं तो ज्यादा से ज्यादा 9 लाख रुपये और दोनों लोग मिलकर खुलवा रहे हैं तो 15 लाख रुपये जमा कर सकते हैं।

### 6. नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट

नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट पांच साल के लिए होता है। इस पर आपको 7.7 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलता है। कम से कम 1,000 रुपये जमा करने होते हैं। इसमें कोई ऊपरी सीमा नहीं है। हस्ष्ट में निवेश करने पर भी आपको इनकम टैक्स में छूट मिलती है।

### 7. किसान विकास पत्र

किसान विकास पत्र में निवेश करने पर आपका पैसा लगभग 9 साल 7 महीने में दोगुना हो जाता है। इस पर आपको 7.5 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलता है।

### 8. महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र

महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र महिलाओं और बच्चियों के लिए एक खास योजना है। इसमें आपको 7.5 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलता है। यह योजना महिलाओं और बच्चियों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद करती है।

### 9. सुकन्या समृद्धि योजना

बेटियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए सुकन्या समृद्धि योजना एक बेहतरीन योजना है। इसमें आपको 8.2 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलता है। बेटी के 10 साल का होने से पहले यह खाता खुलवाया जा सकता है। इसमें आप कम से कम 250 रुपये और ज्यादा से ज्यादा 1.5 लाख रुपये हर साल जमा कर सकते हैं।

## सिग्निफाई सोलर लाईटिंग सॉल्यूशंस ने उम्मीद की किरण पेश करके सैंज घाटी को रोशन किया

**नई दिल्ली ।** जून 2023 में हिमाचल प्रदेश में भारी विनाश हुआ था जब सैंज नदी में अचानक आई बाढ़ के कारण काफी तबाही हुई और जान-माल, बुनियादी ढाँचे और संपत्ति का काफी नुकसान हुआ। हिमाचल के कुल्लू में सैंज घाटी में भारी बारिश और उसके बाद आई बाढ़ के कारण काफी बर्बादी देखने को मिली। इस विनाश लीला के बाद यह खूबसूरत घाटी अंधकार में डूब गई घर नष्ट हो चुके थे और समुदायों को आवश्यक सेवाएं नहीं मिल पा रही थीं। यह विपत्ति कई दिनों तक चलती रही, और यहाँ बिजली आपूर्ति, संचार, कनेक्टिविटी बाधित हो गए, जिन्हें बाद में बहाल कर लिया गया। इस संकट के बीच उम्मीद की किरण पेश करते हुए लाईटिंग समाधानों में विश्व की अग्रणी कंपनी सिग्निफाई ने सैंज घाटी में बाढ़ प्रभावित गाँवों के पुनर्वास की ओर कदम बढ़ाया और लोगों के जीवन में सुधार लाने के लिए सस्टेनेबल लाईटिंग समाधान स्थापित किए। सिग्निफाई ने एरा फाउंडेशन और हिमालय उन्नति मिशन के कार्यकर्ताओं के सहयोग से यह परिवर्तनकारी सफर शुरू किया, जिसने घाटी को वापस रोशन किया और यहाँ के नागरिकों को उम्मीद की किरण प्रदान की। कठिन इलाकों, टूटी हुई सड़कों एवं कई अन्य बाधाओं के बाद भी समर्पित टीम निरंतर आवश्यक आपूर्ति बनाए रखने के लिए काम करती रही, और ग्राम समिति के सदस्यों के परामर्श से इस क्षेत्र के 20 गाँवों में 120 से ज्यादा उच्च तीव्रता की सोलर स्ट्रीट लाईटें स्थापित की गईं। यह अभियान सामाजिक दायित्व और लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के प्रति सिग्निफाई की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सैंज घाटी में पुनर्वास के प्रयासों का प्रदर्शन करने के लिए सिग्निफाई ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें उम्मीद और इच्छाशक्ति का सफर दिखाया गया है। इस वीडियो के माध्यम से सिग्निफाई का उद्देश्य लोगों को हर किसी के लिए ब्राइटरलाइव्सबेटरवर्ल्ड के निर्माण में शामिल होने की प्रेरणा देना है।

## छोटी कंपनी ने बांटे 6 बोनस शेयर, 1 साल में ही 1 लाख रुपये के बनाए 35 लाख रुपये

**नईदिल्ली, एजेंसी।** एक छोटी कंपनी केसर इंडिया ने एक साल में ही शेयर बाजार में धमाल मचा दिया है। केसर इंडिया के शेयरों में पैसा लगाने वाले निवेशक एक साल में ही मालामाल हो गए हैं। कंपनी के शेयर एक साल में 24 रुपये से बढ़कर 870 रुपये के पार पहुंच गए हैं। केसर इंडिया के शेयरों ने 1 साल में निवेशकों को 3300 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दिया है। कंपनी ने पिछले दिनों ही अपने इनवेस्टर्स को 6:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए हैं। यानी, कंपनी ने हर शेयर पर 6 बोनस शेयर बांटे हैं। केसर इंडिया के शेयर 30 जून 2023 को 24.44 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 14 जून 2024 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 873.05 रुपये पर बंद हुए हैं। केसर इंडिया के शेयरों में एक साल में 3300 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। अगर किसी व्यक्ति ने 30 जून 2023 को केसर इंडिया के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में 1 लाख रुपये से खरीदे गए शेयरों की वैल्यू 35.70 लाख रुपये होती। केसर इंडिया के शेयरों में इस साल अब तक जबरदस्त उछाल आया है। कंपनी के शेयर इस साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2024 को 146.38 रुपये पर थे। केसर इंडिया के शेयर 14 जून 2024 को 873.05 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में इस साल अब तक 500 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी आई है। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों में 330 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है। वहीं, पिछले एक महीने में केसर इंडिया के शेयर 37 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। रियल एस्टेट कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 952 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 24.47 रुपये है।

## पैसा रखिए तैयार, अगले हफ्ते इन 3 आईपीओ में दांव लगाने का मिलेगा मौका

**नईदिल्ली, एजेंसी।** अगर आप आईपीओ में दांव लगाकर बंपर मुनाफा कमाने की सोच रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद भारी उतार-चढ़ाव का सामना करने वाला शेयर बाजार अब कुछ हद तक स्थिर हो गया है। इसी क्रम में अब अगले हफ्ते 3 नया आईपीओ मार्केट में आने वाला है। इनमें डीईई पाइपिंग सिस्टम्स, आसान लोन्स और स्टेनली लाइफस्टाइल्स के आईपीओ शामिल हैं। तीनों आईपीओ से जुटाई जाने वाली कुल राशि 1,000 करोड़ रुपये से अधिक है। आइए जानते हैं इन आईपीओ के बारे में विस्तार से। डीईई पाइपिंग सिस्टम्स का आईपीओ 418.01 करोड़ रुपये का बुक-बिल्ट इश्यू है। इसमें 325 करोड़ रुपये के 1.6 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू और 93.01 करोड़ रुपये के कुल 46 लाख शेयरों का ऑफर फोर सेल शामिल है। डीईई पाइपिंग सिस्टम्स आईपीओ, 19 जून को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 21 जून को बंद होगा। आईपीओ को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट किया जाएगा जिसकी संभावित लिस्टिंग बुधवार, 26 जून है। डीईई पाइपिंग सिस्टम्स आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 193 रुपये से 203 रुपये प्रति शेयर के बीच तय किया गया है। आसान लोन 132 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ लॉन्च कर रहा है। इस इश्यू में पूरी तरह से 1.1 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल है। आसान लोन आईपीओ 19 जून से 21 जून, 2024 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा।

## नायका ने किए 4.73 लाख शेयर अलॉट, अब रॉकेट जैसी तेजी, 200 तक जाएगा भाव!

**नईदिल्ली, एजेंसी।** ब्यूटी और पर्सनल केयर फर्म नायका की पैरेंट कंपनी- स्स्स्ह ई-कॉमर्स वेंचर्स के शेयर को खरीदने की लूट मच गई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यह शेयर 2.43 प्रतिशत उछाल के साथ 170.95 रुपये पर पहुंच गया। ट्रेडिंग के दौरान शेयर की कीमत 175.15 रुपये तक गई। 10 जनवरी 2024 को शेयर की कीमत 195.40 रुपये तक गई थी, जो इसके 52 हफ्ते का हाई भी है। वहीं, अगस्त 2023 में इस शेयर की कीमत 130 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। पिछले 12 महीनों में स्टॉक में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

ब्रोकरेज एलकेपी सिक्योरिटीज के कुणाल शाह का कहना है कि नायका का शेयर 200 रुपये तक जा सकता है। इस शेयर के लिए स्टॉप लॉस 160 रुपये दिया है। वहीं टारगेट प्राइस का रेंज 180-200 रुपये है। ब्रोकरेज ने कहा कि यह शेयर लंबी अवधि के चार्ट पर बॉटम फॉर्मेशन के शुरुआती संकेत दिखा रहा है। यह वॉल्यूम-आधारित खरीदारी से प्रमाणित है। डेली चार्ट पर गिरती ट्रेंडलाइन से




ब्रेकआउट के कगार पर है, जो आगे चलकर स्पीड में तेजी लाएगा। इस बीच, नायका ने अपने कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ईसॉप) के तहत 4,73,138 इक्विटी शेयर अलॉट किए हैं। इन शेयरों को 1 रुपये के फेस वैल्यू पर अलॉट किए गए हैं। नए आवंटित शेयरों का मूल्य लगभग 8.08 करोड़ रुपये है। नायका के मुताबिक उसका एफवाय28 मार्जिन वित्तीय वर्ष 2024 में 25.5 प्रतिशत के अनुरूप देखा जा रहा है। फैशन सेगमेंट में नायका अगले तीन वर्षों में शुद्ध बिक्री मूल्यों में 2.5-3 गुना11 वृद्धि की उम्मीद कर रही है। कंपनी अगले तीन वर्षों में ग्रॉस मार्जिन में लगभग 150 - 200 आधार अंक का सुधार देख रही है और 1300-1600 आधार अंक मार्जिन सुधार का लक्ष्य भी रख रही है। नायका द्वारा बेचे जाने वाले वैश्विक ब्रांडों के लिए कंपनी को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2028 तक कारोबार मौजूदा स्तर से तीन गुना हो जाएगा। नायका ने 2021 में 1125 के आईपीओ मूल्य पर शेयर बाजार में अपनी शुरुआत की थी। इस आईपीओ की लिस्टिंग डबल प्राइस पर हुई। हालांकि, बाद में कंपनी ने बोनस शेयर बांटे, जिसके बाद शेयर की कीमत बेहद सस्ती हो गई।

## सुपरटेक रियलटर्स के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू, एनसीएलटी ने दिया आदेश

**नईदिल्ली, एजेंसी।** राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण ने सुपरटेक रियलटर्स के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया है। एनसीएलटी की दो सदस्यीय दिल्ली पीठ ने 168.04 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं करने के मामले में बैंक ऑफ महाराष्ट्र की दिवाली याचिका को स्वीकार कर लिया। न्यायाधिकरण ने सुपरटेक की एक सहायक कंपनी सुपरटेक रियलटर्स के बोर्ड को निलंबित करते हुए अंजू अग्रवाल को अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) नियुक्त किया है। बता दें कि भुगतान में चूक को लेकर बैंक ऑफ महाराष्ट्र और सुपरटेक रियलटर्स के बीच विवाद 2018 से चल रहा है। आखिरकार 2022 में बैंक ने एनसीएलटी के समक्ष एक याचिका दायर की गई।




आवेदक (बैंक) ने एनसीएलटी के समक्ष प्रस्तुत किया है कि नियमों और शर्तों के विपरीत, सुपरटेक रियलटर्स वित्तीय अनुशासन बनाए रखने में विफल रहे। वहीं, कई अन्य उल्लंघनों के अलावा खातों को ठीक से बनाए रखने में चूक की। एनसीएलटी के आदेश में कहा गया है कि आईआरपी अन्य बातों के साथ-साथ संहिता, नियमों और विनियमों की धारा 15, 17, 18, 19, 20 और 21 के अनुसार अपने सभी कार्य करेगा। बता दें कि कंपनी अपने सुपरनोवा प्रोजेक्ट में आवासीय अपार्टमेंट, कार्यालय, खुदरा क्षेत्र और लक्जरी होटल विकसित कर रही है। सुपरटेक समूह की महत्वाकांक्षी सुपरनोवा परियोजना में कुल चार टावर हैं - नोवा ईस्ट, नोवा वेस्ट, एस्ट्रालिस और स्पाइरा है। इन गगनचुंबी इमारतों में 80 मंजिलें हैं और इन्हें 300 मीटर की ऊंचाई पर दिल्ली-एनसीआर की सबसे ऊंची इमारतें माना जाता है।

### सुपरटेक भी कर रही सामना

सुपरटेक कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) का सामना कर रही है। सुपरटेक रियलटर्स नोएडा के सेक्टर-94 में 70,002 वर्ग मीटर भूमि पर 2,326.14 करोड़ रुपये की लागत से सुपरनोवा परियोजना विकसित कर रही है। हाल ही में दिल्ली की एक अदालत ने धनशोधन मामले में सुपरटेक के चेयरमैन आर.के. अरोड़ा को जमानत दे दी है।

## कंपनियों ने पिछले हफ्ते बनाया खूब मुनाफा, निवेशकों ने की तगड़ी कमाई

**नईदिल्ली, एजेंसी।** सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह कुल मिलाकर 85,582.21 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। शेयर बाजार के सकारात्मक रुख के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) सबसे अधिक लाभ में रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 299.41 अंक या 0.39 प्रतिशत के लाभ में रहा। 13 जून को सेंसेक्स 77,145.46 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा।



समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एलआईसी के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई, वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का मूल्यांकन घट गया। इन पांच कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में कुल मिलाकर 84,704.81 करोड़ रुपये का नुकसान रहा। सप्ताह के दौरान एलआईसी का बाजार मूल्यांकन 46,425.48 करोड़ रुपये बढ़कर 6,74,877.25 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सबसे अधिक लाभ में एलआईसी ही रही। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 18,639.61 करोड़ रुपये बढ़कर 12,14,965.13 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सप्ताह के दौरान 10,216.41 करोड़ रुपये जोड़े और उसका मूल्यांकन 19,98,957.88 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 9,192.35 करोड़ रुपये बढ़कर 7,49,845.89 करोड़ रुपये हो गई। वहीं भारती एयरटेल का मूल्यांकन 1,108.36 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 8,11,524.37 करोड़ रुपये रहा।

## कभी 300 से भी कम सैलरी में करते थे काम, 12वीं में दो बार हुए फेल, फिर ऐसे खड़ी कर दी 1 लाख करोड़ की कंपनी

**नईदिल्ली, एजेंसी।** कभी 250 रुपये की सैलरी पर काम करने वाला शख्स आज अपनी मेहनत के दम पर करोड़पति बन गया है। अगर जिंदगी में पूरी ईमानदारी से मेहनत की जाए तो बड़ी से बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। दुनिया में ऐसे कम ही लोग हैं जो असफलता मिलने पर घबराते नहीं है। ये लोग अपनी असफलता को ही अपना आगे बढ़ने का जरिया बना लेते हैं। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है मुरली डिवी ने। आपने दवा बनाने वाली कंपनी डिवीज लैब के बारे में जरूर सुना होगा। मुरली डिवी इसी दवा बनाने वाली कंपनी डिवीज लैब के फाउंडर हैं। मुरली को ये सफलता ऐसे ही नहीं मिली है। उन्हें कई बार असफलता का सामना करना पड़ा। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आज वह एक लाख करोड़ रुपये की कंपनी के मालिक हैं।



दिग्गज फार्मा कंपनी डिवीज लैब का फार्मा सेक्टर में बड़ा नाम है। कंपनी का मार्केट कैप 1.3 लाख करोड़ रुपये का है। इस कंपनी के फाउंडर मुरली डिवी के संघर्ष की कहानी उतनी ही प्रेरणादायक है। जितना संघर्ष मुरली डिवी ने किया उनकी सफलता उतनी ही बड़ी है। 10 हजार रुपये में 14 लोगों का परिवार चलाना आसान नहीं था। आंध्र प्रदेश के छोटे से गांव में उनका बचपन बीता। पिता साधारण से कर्मचारी थे । सैलरी बस इतनी थी कि किसी तरह दाल-रोटी से गुजारा हो जाता था। जो मुरली कभी एक वक्त का खाना खाकर सोते थे, आज वो सैकड़ों लोगों को नौकरी दे रहे है।

### मिलते थे 250 रुपये

मुरली बी फार्मा करने के बाद जेब में सिर्फ 500 रुपये लेकर 25 साल की उम्र में अमेरिका पहुंचे थे। वहां उन्होंने फार्मासिस्ट की नौकरी की। पहली नौकरी में उन्हें सैलरी के तौर पर 250 रुपये मिले थे। मुरली की कहानी किसी फिल्म की तरह दिखती है। उन्होंने कई सारी फार्मा कंपनियों में काम किया और करीब 54 लाख रुपये जमा कर लिए। अब वे फार्मा सेक्टर को अच्छे से समझने लगे थे, वहां कुछ सालों तक काम करने के बाद वे भारत वापस लौट आए।

### ऐसे खड़ी की कंपनी

मुरली ने साल 1984 में अपनी सारी जमा पूंजी लगाकर फार्मा सेक्टर में कदम रखा था। मुरली डिवी ने कल्लम अंजी रेड्डी से हाथ मिलाया, जिसका 2000 में डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के साथ विलय कर दिया गया। मुरली ने डॉ. रेड्डीज लैब्स में 6 वर्षों तक काम किया। इसके बाद उन्होंने साल 1990 में डिवीज लैबोरेटरीज लॉन्च की। 1995 में मुरली डिवी ने अपनी पहली मैन्युफक्चरिंग यूनिट चौटुप्पल, तेलंगाना में स्थापित की। मार्च 2022 में कंपनी ने 88 बिलियन का रेवेन्यू जेनरेट किया। आज कंपनी 1.3 लाख करोड़ रुपये की हो चुकी है।

## शेयर बाजार नई ऊंचाईयों पर पहुंचेगा

**नईदिल्ली, एजेंसी।** घरेलू मोर्चे पर किसी प्रमुख संकेतक के अभाव में इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख पर निर्भर करेगी। कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह के दौरान बाजार मुख्य रूप से विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से दिशा लेगा। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये का उतार-चढ़ाव भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, ''यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों वाला है

## 1 शेयर पर 1 शेयर बोनस दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट 30 जून से पहले

**नईदिल्ली, एजेंसी।** शेयर बाजार में बोनस शेयर पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए गुड न्यूज है। निवेशकों के लिए बोनस शेयर बांटने का ऐलान किया है। कंपनी एक शेयर पर 1 शेयर बोनस दे रही है। बता दें, बोनस इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट 30 जून से पहले है।

कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि 1 शेयर पर 1 शेयर बोनस देने का फैसला किया गया है। कंपनी 27 जून की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस दिन




एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगी। अगर आप भी इसी बोनस शेयर का फायदा उठाना चाहते हैं तो रिकॉर्ड डेट से पहले शेयर खरीद लें। बता दें, कंपनी पहली बार बोनस शेयर दे रही है। शुक्रवार को कंपनी के शेयर 0.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 2686.05 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। कंपनी के शेयरों की कीमतों में पिछले एक साल के दौरान 169 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

## संक्षिप्त समाचार

### ओलंपिक क्वालिफायर

## भारतीय पुरुष तीरंदाजी टीम क्वालिफायर के क्वार्टर फाइनल में हारी

**अंताल्या (तुर्की), एजेंसी।** भारतीय पुरुष तीरंदाजी टीम ओलंपिक के आखिरी क्वालिफायर से कोटा हासिल करने में विफल रहने के बाद महिला टीम की तरह अब पेरिस खेलों के टिकट के लिए रैंकिंग पर निर्भर रहेगी। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारतीय टीम के खिलाफ शनिवार को यहां क्वार्टर फाइनल में मेक्सिको ने उलटफेर किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत 4-0 की बढ़त बनाने के बाद 4-5 (57-56, 57-53, 55-56, 55-58) (26-26*) से हार गया। पुरुष वर्ग में शीर्ष तीन स्थान पर रहने वाली टीमों को ओलंपिक कोटा मिलेगा। पुरुष और महिला टीम अब भी पेरिस ओलंपिक की कट-ऑफ तारीख

से पहले अपनी रैंकिंग के आधार पर क्वालिफाई कर सकती हैं। यह हार भारतीय तीरंदाजी के लिए बड़ा झटका है क्योंकि शुरुआती दो सेट के बाद टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सिर्फ तीसरे सेट में सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी। मेक्सिको ने हालांकि तीसरे और चौथे सेट में जीत के साथ स्कोर 4-4 से बराबर किया। इसके बाद शूट ऑफ में भी दोनों टीमों का स्कोर बराबर था, लेकिन निशाने के केंद्र के समीप तीर होने के कारण मेक्सिको विजेता बना। इससे पहले दीपिका कुमारी, भजन कौर और अंकिता भक्त की भारतीय महिला रिकर्व टीम शुक्रवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में निचली रैंकिंग वाले यूक्रेन से 3-5 से हार के बाद कोटा हासिल करने में असफल रही। महिला टीम अभी भी पेरिस ओलंपिक की कट-ऑफ तारीख से पहले अपनी रैंकिंग के आधार पर क्वालीफाई कर सकती है।

### टी-20 वर्ल्डकप: 2024

## बाबर से लेकर रिजवान... सबकी कटेगी सैलरी! नाराज है पीसीबी

आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है और वह सुपर 8 में जगह नहीं बना सकी. पाकिस्तान टीम को पहले संयुक्त राज्य अमेरिका के हाथों सुपर ओवर में हार झेलनी पड़ी थी. फिर उसे टीम इंडिया ने छह रनों से हरा दिया. इसके बाद पाकिस्तान ने कनाडा को जरूर 7 विकेट से हराया. मगर यूएसए और आयरलैंड के बीच मैच धुलने के साथ ही उसका पत्ता कट गया. आयरलैंड के खिलाफ

मैच धुलने के चलते अमेरिकी टीम के 5 अंक हो गए और वो अगले राउंड में पहुंच गई. अपनी टीम के खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड काफी सख्त कदम उठाने जा रहा है. पीसीबी खिलाड़ियों की सैलरी में कटौती कर सकता है. बोर्ड के विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि कुछ अधिकारियों और पूर्व खिलाड़ियों ने पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की समीक्षा करने की सलाह दी है. सूत्रों ने कहा, पीसीबी अध्यक्ष अगर टीम के खराब प्रदर्शन पर कड़ा रवैया अपनाते हैं तो खिलाड़ियों के केंद्रीय अनुबंध की समीक्षा की जा सकती है और उनके वेतन में कटौती हो सकती है. पाकिस्तान टीम के टी20 वर्ल्ड कप से जल्दी बाहर होने के लिए टीम के भीतर गुटबाजी और महत्वपूर्ण क्षणों में सीनियर खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है.

# ऑस्ट्रेलिया की जीत से इंग्लैंड को हुआ बंपर फायदा

### सुपर-8 में पहुंची टीम, स्कॉटलैंड का सफर समाप्त

2

**ग्रॉस आईलेट, एजेंसी।** टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड ने ब्रेंडन मैकमुलेन की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट पर 180 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड और मार्कस स्टोइनिस की विशाल साझेदारी की बदौलत 19.4 ओवर में पांच विकेट पर 186 रन बनाए और पांच विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड के खिलाफ रविवार को पांच विकेट से जीत दर्ज की। उनकी इस जीत से इंग्लैंड को बंपर फायदा हुआ है। वह ग्रुप बी से सुपर-8 के लिए क्वालिफाई करने वाली दूसरी टीम बन गई है। वहीं, स्कॉटलैंड का सफर इसी के साथ टी20 विश्व कप 2024 में समाप्त हो गया। ऑस्ट्रेलिया पहले ही सुपर-8 के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। वह फिलहाल अंक तालिका में शीर्ष पर है।

**ग्रुप बी की अंक तालिका का हाल** - स्कॉटलैंड के खिलाफ रविवार को जीत हासिल करने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खाते में आठ अंक हो गए। वहीं, उनका नेट रनरेट +2.791 हो गया। अंक तालिका में दूसरे स्थान पर इंग्लैंड की टीम है। चार मैचों में दो जीत के साथ उनके खाते में पांच अंक हैं। वहीं, उनका नेट रनरेट +3.611 हो गया है। स्कॉटलैंड की टीम नेट रनरेट की वजह से क्वालिफाई करने से चूक गई। उनके खाते में भी पांच ही अंक हैं। हालांकि, उनका नेट रनरेट +1.255 है। इस ग्रुप की दो टीमें (नामीबिया और ओमान) पहले ही सुपर-8 की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं।

**पांच विकेट से जीता ऑस्ट्रेलिया** - ग्रॉस आइलेट के डेरन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए 35वें मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड ने ब्रेंडन मैकमुलेन की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट पर 180 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड और मार्कस स्टोइनिस की विशाल साझेदारी की बदौलत 19.4 ओवर में पांच विकेट पर 186 रन बनाए और पांच विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

**ऑस्ट्रेलिया की पारी** - 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत कुछ खास नहीं हुई। टीम को पहला झटका दो रन के स्कोर पर लगा। ब्रैड व्हील ने रिची बेरिंग्टन के हाथों डेविड वॉर्नर को कैच आउट कराया। वह सिर्फ एक रन बना सके। इसके बाद तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए मिचेल मार्श भी सिर्फ आठ रन बनाकर आउट हो गए। वहीं, मैक्सवेल एक बार फिर फ्लॉप साबित हुए। वह आठ गेंदों में 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। 60 रन के स्कोर पर तीन विकेट खो चुकी ऑस्ट्रेलिया को एक लंबी साझेदारी की जरूरत थी। ऐसे में टीम के लिए ट्रेविस हेड और मार्कस स्टोइनिस संकटमोचक साबित हुए। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 80 रनों की विशाल साझेदारी हुई जिसे 16वें ओवर में साफयान शरीफ ने तोड़ा। उन्होंने सलामी बल्लेबाज को 140 रन के स्कोर पर आउट किया। वह 49 गेंदों में 68 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस दौरान उनके बल्ले से पांच चौके और चार छक्के निकले। वहीं, मार्कस स्टोइनिस 29 गेंदों में 59 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उन्होंने 203.44 के स्ट्राइक रेट से नौ चौके और दो छक्के लगाए। इसके बाद मोर्चा टिम डेविड और मैथ्यू वेड ने संभाला। दोनों टीम को दो गेंदों के शेष रहते जीत दिलाई। डेविड 14 और वेड चार रन बनाकर नाबाद रहे। इस मैच में स्कॉटलैंड के लिए मार्क वॉट और साफयान शरीफ ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, ब्रैड व्हील को एक सफलता मिली।

**स्कॉटलैंड की पारी** - टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी स्कॉटलैंड की शुरुआत झटके के साथ हुई। एश्टन एगर ने टीम को तीन रन के स्कोर पर पहला झटका दिया। उन्होंने माइकल जोन्स को अपना शिकार बनाया। वह सिर्फ दो रन बना सके। इसके बाद मोर्चा जॉर्ज मुन्से और ब्रेंडन मैकमुलेन ने संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 89 रनों की विशाल साझेदारी हुई जिसे मैक्सवेल ने नौवें ओवर की आखिरी गेंद पर तोड़ा। उन्होंने मुन्से को 92 रन के स्कोर पर अपना शिकार बनाया। वह 23 गेंदों में 35 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, 12वें ओवर में मैक्कुलन जम्पा का शिकार बन गए। उन्होंने 34 गेंदों में दो चौकों और छह छक्कों की मदद से 60 रनों की धुआंधार पारी खेली। इस मैच में मैथ्यू क्रॉस 18, माइकल लीस्क पांच रन बनाने में कामयाब हुए। वहीं, रिची बेरिंग्टन 42 और क्रिस ग्रीव्स नौ रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया के लिए ग्लेन मैक्सवेल ने दो विकेट चटकाए जबकि एश्टन एगर, नाथन एलिस और एडम जम्पा को एक-एक विकेट मिला।

### टी20 विश्व कप

## पाकिस्तान के बाहर होने पर भड़के पूर्व कप्तान, ठहराया ICC को जिम्मेदार, व्यवस्था पर भी उठाए सवाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पाकिस्तान की शुरुआत इस टी20 विश्व कप में अच्छी नहीं रही थी और उसे पहले अमेरिका तथा रविवार को भारत के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। अमेरिका ने पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराया था, जबकि भारत ने न्यूयॉर्क में खेले गए रोमांचक मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी टीम को छह रन से मात दी थी। टी20 विश्व कप 2024 में पाकिस्तान का सफर समाप्त हो चुका है। बाबर आजम की टीम सुपर-8 की दौड़ से बाहर हो गई है। आज टीम ग्रुप स्टेज का अपना आखिरी मुकाबला आयलैंड के खिलाफ खेलने के लिए उतरेगी। यह मैच फ्लोरिडा में खेला जाएगा। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ ने पाकिस्तान टीम के टूर्नामेंट से बाहर होने पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने आईसीसी को टीम की हार का जिम्मेदार ठहराया है।

**अमेरिका ने किया सुपर-8 के लिए क्वालिफाई** - दरअसल, अमेरिका और आयरलैंड के बीच फ्लोरिडा में खेला जाने वाला मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था। अमेरिका को मैच रद्द होने से जहां फायदा हुआ और ग्रुप-ए से भारत के बाद वह सुपर आठ में जगह बनाने वाली दूसरी टीम बन गई। वहीं, इसका सबसे ज्यादा प्रभाव 2009 की चैंपियन टीम पाकिस्तान पर पड़ा जिसका सफर ग्रुप चरण में ही थम गया। पाकिस्तान के लिए यह काफी निराशाजनक है क्योंकि टीम 2022 की उपविजेता रही थी। इतना ही नहीं उसके नाम पुरुष टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा बार सेमीफाइनल में पहुंचने का रिकॉर्ड भी दर्ज है।

**राशिद ने पिच को ठहराया हार का जिम्मेदार** -हैरानी की बात यह है कि एक तरफ जहां दुनिया पाकिस्तानी खिलाड़ियों को उनके खराब प्रदर्शन के लिए लताड़ लगा रही है, वहीं राशिद लतीफ उनका समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने पिच को इसका जिम्मेदार ठहराया है। विराट कोहली का उदाहरण देते हुए पूर्व कप्तान ने कहा, आप हर चीज के लिए पाकिस्तानी खिलाड़ियों को दोषी नहीं ठहरा सकते। उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन पिच की परिस्थितियों ने उनके प्रयासों को बेअसर कर दिया। उन्हें अमेरिका और भारत के खिलाफ दोनों ही मैचों में जीत हासिल करनी चाहिए थी, लेकिन परिस्थितियां उनके नियंत्रण से बाहर थीं। ऐसा हुआ है कि रन बनाना मुश्किल हो गया है। देखिए, विराट कोहली जैसा बल्लेबाज भी रन नहीं बना पा रहा है।

**पाकिस्तान ने गंवाए थे दो मैच** - पाकिस्तान की शुरुआत इस टी20 विश्व कप में अच्छी नहीं रही थी और उसे पहले अमेरिका तथा रविवार को भारत के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। अमेरिका ने पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराया था, जबकि भारत ने न्यूयॉर्क में खेले गए रोमांचक मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी टीम को छह रन से मात दी थी। पाकिस्तान की टीम 2009 में चैंपियन बनकर उभरी थी, लेकिन तब से वो अब तक कभी इस टूर्नामेंट का खिताब नहीं जीत सकी है। पाकिस्तान की टीम का प्रदर्शन पिछले साल भारत में खेले गए वनडे विश्व कप में भी निराशाजनक रहा था और वह सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी थी और अब टीम टी20 विश्व कप में भी ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सकी।

**लतीफ का बयान** - पूर्व खिलाड़ी ने आगे कहा, व्यक्तिगत अर्धशतक बहुत ज्यादा नहीं हैं। किसी भी टीम ने अफगानिस्तान जैसी टीम के खिलाफ अर्धशतक नहीं बनाया है। अगर कोई बल्लेबाज अर्धशतक बनाता है तो टीम ज्यादातर जीत जाती है। ऋषभ पंत ने 42 रन बनाए और भारत ने पाकिस्तान को हराया। विश्व कप के लिए परिस्थितियां आदर्श नहीं हैं। पाकिस्तान की टीम को सुपर ओवर में यूएस ने हराया था और पाकिस्तान से भारत के खिलाफ 120 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं हुआ था।

## विश्व कप के बीच WI क्रिकेट के अधिकारी ने मांगी भारत से मदद, टेस्ट क्रिकेट को लेकर कही यह बात

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ग्रेव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के स्तर पर तीन बड़े देशों (भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया) के बाहर भी इस प्रारूप को बचाने के लिए अधिक प्रयास करने की जरूरत है। आईसीसी के नौ प्रतिस्पर्धी पूर्ण सदस्यों में से केवल तीन बड़े सदस्य ही 2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में पांच मैचों की श्रृंखला खेलेंगे। मेरिका में खेले जाने वाले सभी मैच खेले जा चुके हैं। अब सुपर-8 के लिए सभी टीमें वेस्टइंडीज की तरफ कूच कर रही हैं। इस बीच क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉनी ग्रेव ने टेस्ट क्रिकेट को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने बताया है कि टेस्ट क्रिकेट खतरे में हैं। ऐसे में भारत को नेतृत्वकर्ता के रूप में भूमिका निभानी चाहिए। ग्रेव ने टेस्ट क्रिकेट के प्रति भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की प्रतिबद्धता की सराहना की है। ग्रेव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के स्तर पर तीन बड़े देशों (भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया) के बाहर भी इस प्रारूप को बचाने के लिए अधिक प्रयास करने की जरूरत है। आईसीसी के नौ प्रतिस्पर्धी पूर्ण सदस्यों में से केवल तीन बड़े सदस्य ही 2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में पांच मैचों की श्रृंखला खेलेंगे। तीन अन्य पूर्ण सदस्य आयरलैंड, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे 2019 में शुरू की गई चैंपियनशिप का कभी हिस्सा नहीं रहे हैं। ग्रेव ने कहा, भारत को नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभानी है। ताकत, प्रभाव और संसाधनों के मामले में वे अब नंबर एक बोर्ड हैं।

## यह विश्व कप काफी अजीब रहा है, पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पूर्व बोले आयरलैंड के कोच

**फ्लोरिडा (अमेरिका), एजेंसी।** आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले आयरलैंड के कोच हेनरिक मालन ने कहा कि यह टूर्नामेंट अब तक काफी अजीब रहा है। आयरलैंड वर्तमान में ग्रुप ए में अंतिम स्थान पर है जिसने अब तक खेले गए तीन मैचों में से केवल एक अंक हासिल किया है। वे पहले ही मार्की इवेंट के सुपर आठ के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहे हैं। प्रतियोगिता के अपने अंतिम ग्रुप चरण के मैच में आयरिश टीम रविवार को फ्लोरिडा के लॉडरहिल में सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम टर्फ ग्राउंड में मेन इन ग्रीन के साथ भिड़ेगी।

आयरलैंड के कोच ने जोर देकर कहा कि टीम ने पिछले हफ्ते फ्लोरिडा में रहने के बाद से बिल्कुल भी प्रशिक्षण नहीं लिया है। उन्होंने कहा, हम काफी भाग्यशाली रहे हैं। हमने कुछ हफ्ते पहले आयरलैंड में उनके साथ खेला था। तैयारी के दृष्टिकोण से यह एक चुनौतीपूर्ण रही है। पिछले हफ्ते फ्लोरिडा में रहने के बाद से हमने बिल्कुल भी ट्रेनिंग नहीं की है, इसलिए मेरा मतलब है कि यही है। हम अपनी यूनिट मीटिंग और तैयारी मीटिंग कर रहे हैं और उन कुछ योजनाओं पर चर्चा कर रहे हैं जिन्हें हमने घर पर बहुत अच्छी तरह से लागू किया है और पहला गेम जीता। हम थोड़े लंबे समय तक इस पर निर्भर रह सकते हैं और उम्मीद है कि हम फिर से अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

## कनाडा के खिलाड़ियों को द्रविड़ ने दी खास सलाह

### कहा- आगे बढ़िए और युवाओं को प्रेरणा देते रहिए

**नई दिल्ली, एजेंसी।** शनिवार को भारत और कनाडा के बीच फ्लोरिडा में होने वाला मुकाबला एक भी गेंद फेंके बिना रद्द घोषित कर दिया है। इस मुकाबले में टॉस भी नहीं हो सका और अंपायर ने दो बार मैदान का निरीक्षण करने के बाद मुकाबले को रद्द करने का फैसला किया। भारत और कनाडा के बीच खेला जाने वाला टी20 विश्व कप 2024 का 33वां मैच बारिश की वजह से बिना एक भी गेंद फेंके रद्द हो गया। अब भारतीय टीम सुपर-8 में अफगानिस्तान से भिड़ेगी। यह मैच 20 जून को खेला जाएगा। शनिवार को मुकाबला रद्द होने के बाद भारतीय टीम ने कनाडा की टीम से मुलाकात की। वहीं, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कनाडा के खिलाड़ियों को खास सलाह दी।

**भारत बनाम कनाडा मैच रद्द** - शनिवार को भारत और कनाडा के बीच फ्लोरिडा में होने वाला मुकाबला एक भी गेंद फेंके बिना रद्द घोषित कर दिया है। इस मुकाबले में टॉस भी नहीं हो सका और अंपायर ने दो बार मैदान का निरीक्षण करने के बाद मुकाबले को रद्द करने का फैसला किया। फ्लोरिडा में मैच से पहले काफी बारिश हुई थी जिस कारण मैदान गीला था। मैदानकर्मियों ने मैदान को सुखाने की काफी कोशिश की, लेकिन उनके प्रयास सफल नहीं हो सके। मौजूदा टी20 में यह चौथा मुकाबला जो बारिश की भेंट चढ़ गया।

**कनाडा के ड्रेसिंग रूम में पहुंचे द्रविड़** - भारत बनाम कनाडा मैच रद्द होने के बाद टीम इंडिया के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ विरोधी टीम के ड्रेसिंग रूम में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सभी खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। इसका वीडियो आईसीसी ने साझा किया। इसमें देखा जा सकता है कि कनाडा की टीम ने पूर्व खिलाड़ी को साइन की हुई जर्सी भेंट की। द्रविड़ ने कहा, मैं इस टूर्नामेंट में आप लोगों द्वारा दिए गए शानदार योगदान और प्रदर्शन की सराहना करता हूं।

## टेस्ट क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए भारत को नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभानी होगी: जॉनी ग्रेव

**ब्रिजटाउन,एजेंसी।** क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉनी ग्रेव ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट खतरे में है और वेस्टइंडीज जैसे छोटे क्षेत्रों में खेल के पांच दिवसीय प्रारूप के अस्तित्व को बचाये रखने के साथ-साथ इसके विकास को सुनिश्चित करने में भारत जैसे देश को 'नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभानी होगी। सीडब्ल्यूआई से 2017 में जुड़ने वाले ग्रेव ने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद टेस्ट क्रिकेट के प्रति बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की, लेकिन कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के स्तर पर तीन बड़े देशों (भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया) के बाहर भी इस प्रारूप को बचाने के लिए अधिक प्रयास करने की जरूरत है।

आईसीसी के नौ प्रतिस्पर्धी पूर्ण सदस्यों में से केवल तीन बड़े सदस्य ही 2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में पांच मैचों की श्रृंखला खेलेंगे। तीन अन्य पूर्ण सदस्य आयरलैंड, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे 2019 में शुरू की गई चैंपियनशिप का कभी हिस्सा नहीं रहे। ग्रेव वर्तमान में टी20 विश्व कप की सह-मेजबानी में व्यस्त हैं। उन्होंने खेल के भविष्य और बीसीसीआई द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका पर अपने मन की बात साझा की। उन्होंने कहा, 'भारत को नेतृत्वकर्ता

की भूमिका निभानी है। ताकत, प्रभाव और संसाधनों के मामले में वे अब नंबर एक बोर्ड हैं। उन्होंने जिस तरह से खेल के तीनों प्रारूपों को खेलना जारी रखा है, वह शानदार रहा है। टेस्ट क्रिकेट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता मुझे नहीं लगता कि यह कभी इतनी मजबूत रही होगी जितनी अब है। ग्रेव ने कहा कि आईसीसी में भारत के रुख का काफी प्रभाव रहता है।

उन्होंने कहा, 'आईसीसी द्वारा लिए जाने वाले प्रमुख निर्णयों में उनकी भूमिका काफी अहम रही है। पिछले 12 महीनों में आईसीसी द्वारा हासिल की गई सबसे बड़ी चीजों में से एक में बीसीसीआई ने काफी समर्थन किया, जो कि क्रिकेट को ओलंपिक में वापस लाना है। उन्होंने ओलंपिक में क्रिकेट की 128 साल के बाद हुई वापसी पर खुशी जताते हुए कहा, 'क्रिकेट के ओलंपिक में शामिल होने से बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है। खासकर एसोसिएट सदस्य देश अब इस खेल के विकास के लिए सरकार और ओलंपिक संघों से धनराशि प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप से क्षेत्र में 300 मिलियन डॉलर की आर्थिक वृद्धि होगी। वेस्टइंडीज ने इससे पहले 2010 में टी20 विश्व कप की मेजबानी की थी। ग्रेव ने कहा, 'हम 14 साल के बाद किसी वैश्विक टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे हैं। यह काफी मायने रखता है। विश्व कप के लिए हमने छह स्टेडियमों को अपग्रेड किया है। स्टेडियम बेहतर होने का फायदा वहां के घरेलू क्रिकेट बोर्ड और क्रिकेट वेस्टइंडीज को आने वाले कई वर्षों तक होगा।

## संक्षिप्त समाचार

### राजस्थान में 15 साल पुराने वाहनों पर लगाई रोक

**जयपुर, एजेंसी।** राजस्थान सरकार के परिवहन विभाग ने अपने नए आदेश में कई तरह के बदलाव किए हैं। नए आदेश के अनुसार, अलवर और भरतपुर जिलों में 10 साल और जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और कोटा में 15 साल पुराने कमर्शियल वाहनों पर रोक लगा दी गई है।परिवहन विभाग की ओर से अलवर और भरतपुर जिले में 10 साल पुराने कमर्शियल और घरेलू डीजल वाहनों पर रोक लगा दी गई है। ऐसे वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग सख्ती भी बरत रहा है। वहीं, राष्ट्रीय हरित ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के नियमों के तहत जिन जिलों में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है, उन जिलों में 15 साल पुराने कमर्शियल डीजल भारी वाहनों पर रोक लगा दी गई है।जिलों में 15 साल पुराने कमर्शियल डीजल भारी वाहनों पर रोक लगाई गई है उनमें जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा और अलवर जिले का कुछ क्षेत्र शामिल है। हालांकि इन जिलों में 15 साल पुराने घरेलू वाहनों पर कोई रोक नहीं लगाई गई है।नए आदेश के अनुसार, अब परिवहन विभाग में किसी भी प्रकार की कोई नकद राशि जमा नहीं होगी। परिवहन विभाग में किसी भी काम के लिए अब ऑनलाइन पैसा ही जमा कराना होगा। ऐसा विभाग में किसी भी तरह के भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए किया गया है। यहां तक कि वाहनों के फिटनेस सर्टिफिकेट के लिए भी ऑनलाइन ही पैसा कराना होगा।

### 17 घंटे बाद जिंदगी की जंग हार गई डेढ़ साल की बच्ची

**अमरेली, एजेंसी।** गुजरात के अमरेली जिले के सूरजपुरा गांव में 50 फीट गहरे बोरवेल में गिरी डेढ़ साल की बच्ची आखिरकार जिंदगी की जंग हार गई। वह 17 घंटे तक बोरवेल के अंदर मौत से लड़ती रही। वह शुक्रवार को दोपहर में बोरवेल में गिर गई थी। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि सूरजपुरा गांव में 50 फीट गहरे बोरवेल में गिरी डेढ़ साल की बच्ची को बचाया नहीं जा सका।डेढ़ साल की बच्ची आरोही शुक्रवार दोपहर करीब 12.30 बजे बोरवेल में गिर गई थी। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफ की टीम ने बचाव कार्य शुरू कर दिया था। एनडीआरएफ के 17 घंटे लंबे बचाव अभियान के बाद शनिवार सुबह उसे बेहोशी की हालत में बाहर निकाला गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एनडीआरएफ के एक अधिकारी ने बताया कि बोरवेल 500 फीट गहरा था। इसमें गिरने के बाद लड़की लगभग 50 फीट की गहराई में जाकर फंस गई थी। उन्होंने बताया कि स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर एनडीआरएफ की टीम ने करीब 17 घंटे के बचाव अभियान के बाद बच्ची को शनिवार सुबह करीब पांच बजे बेहोशी की हालत में बाहर निकाला।

### बचाई जान, फिर कर दी थप्पड़ों की बौछार, लड़की को बचाने के लिए नदी में कूदे युवक की पिटाई

**सुलतानपुर , एजेंसी।** यूपी के सुलतानपुर में गोमती के गोलाघाट पुल से नदी में कूदी किशोरी को बचाने के लिए कूदे एक युवक को डुबने से बचाते हुए एक मछुवारा थप्पड़ जड़ रहा है। इसका वीडियो खूब किया गया। वीडियो में कहता सुनाई दे रहा है कि जब नशे में हो और तैरना नहीं आता तो क्यों नदी में कूद गए!पुलिस की मानें तो वायरल वीडियो गुरुवार का है। कोतवाली नगर के गोलाघाट स्थित गोमती नदी पुल से गुरुवार शाम एक किशोरी ने नदी में छलांग लगा दी। जिस समय किशोरी नदी में कूदी उसी समय वहां मछुआरे नदी में मछली मार रहे थे। मछुआरे किशोरी को बचाने के लिए दौड़े। उसे नदी से बाहर निकालकर ऊपर लाए। उसके बाद एंबुलेंस के जरिए किशोरी को राजकीय मेडिकल कॉलेज में लाकर एडमिट कराया गया। किशोरी कक्षा 11 की छात्रा है। उसकी पहचान गोसाईगंज थाना क्षेत्र के टाटिया नगर निवासी एक किशोरी के रूप में हुई है। बताया गया कि मां से शाम को झगड़ा करने के बाद उसने आत्म घाती कदम उठाया था। इसी घटना से जुड़ा एक वीडियो शनिवार को सामने आया। जिसमें एक युवक नदी के अंदर मौजूद है और उसे बाहर निकालते हुए मछुआरे थप्पड़ मार रहा है। इस बाबत जानकारी करने पर पुलिस ने बताया कि वीडियो गुरुवार का है। युवक नशे के आलम में था। जैसे ही किशोरी नदी में कूदी युवक उसे बचाने के लिए नदी में कूद गया। उसे तैरना भी नहीं आता था। इसी से नाराज मछुआरे उसे मार रहे थे।

## सभी तरह की संपत्तियों की आवंटन दरों में वृद्धि

# ग्रेटर नोएडा में घर बनाना, उद्योग लगाना हुआ महंगा

**नईदिल्ली, एजेंसी।** ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अपनी सभी तरह की संपत्तियों की आवंटन दरों में 5.30 फीसदी की वृद्धि कर दी है। इससे ग्रेटर नोएडा में घर, दुकान और उद्योग लगाना और अधिक महंगा हो गया है। नई दरें एक अप्रैल से लागू मानी जाएंगी।

प्राधिकरण के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को बोर्ड बैठक हुई। प्राधिकरण ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए संपत्ति की आवंटन दरें निर्धारित कर दी हैं। सभी तरह की संपत्ति की दरों में 5.30 फीसदी का इजाफा किया गया है। बैठक में दरें बढ़ाने पर मुहर लग गई। वित्त विभाग की तरफ से जल्द ही इससे संबंधित आदेश कर दिया जाएगा।

बैठक में सेक्टर चाई में एग्जीविशन कन्वेंशन सेंटर का निर्माण, दादरी के समीप कार्गो टर्मिनल विकसित करने, इस साल के अंत तक सभी 58 सेक्टरों में गंगाजल की आपूर्ति, पालतू बिल्ली-कुत्तों का रजिस्ट्रेशन शुल्क खत्म करने, किसान आबादी भूखंड के बढ़े क्षेत्रफल पर पास के सेक्टर का आवंटन रेट सहित कई अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर बोर्ड की मुहर लगी। ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में विकास से जुड़ी कई

परियोजनाएं आने वाली हैं, जिनमें ग्रेटर नोएडा वेस्ट मेट्रो, मल्टीमॉडल लॉजिस्टक हब एवं ट्रांसपोर्ट हब जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं शामिल हैं। विकास परियोजनाओं को देखते हुए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में संपत्ति की आवंटन दरें निर्धारित की जाती हैं। प्राधिकरण की सभी तरह की संपत्तियों की आवंटन दरों में वृद्धि होने से इसका फायदा जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को भी मिल सकता है। किसानों को मिलने वाले मुआवजा राशि में वृद्धि हो सकती है। विकास परियोजनाओं के लिए प्राधिकरण 21 गांवों की जमीन सहमति के आधार पर अधिग्रहीत करने की तैयारी कर रहा है। इससे संबंधित सूचना जारी कर दी गई है। बोर्ड की बैठक में ग्रेनो प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमार एनजी, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. एम लोकश, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ मेधा रूपम, एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

नोएडा से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के नॉलेज पार्क-5 तक प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर के दोनों तरफ 500 मीटर की दूरी स्थित सभी श्रेणी के भूखंडों के लिए अतिरिक्त एफएआर (फ्लोर एरिया रेशियो) को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड की शनिवार को मंजूरी मिल गई। इस निर्णय से जहां आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, वहीं प्राधिकरण को भी आर्थिक लाभ होगा। अतिरिक्त एफएआर की अनुमति लेने पर निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। इससे उन लोगों को फायदा होगा, जिनके भूखंड कॉरिडोर के आसपास हैं। ग्रेनो प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में कुत्तों के पंजीकरण की संशोधित नीति को मंजूरी मिल गई है। कुत्तों के पंजीकरण का शुल्क अब खत्म कर दिया गया है। संशोधित पॉलिसी के अनुसार अब कुत्तों के पंजीकरण के लिए शुल्क नहीं लगेगा। पंजीकरण तीन माह के बजाय साल भर चलेगा। अगर किसी ने पंजीकरण न होने की शिकायत की तो उसकी जांच की जाएगी। मामला सही मिलने पर 2000 रुपये जुर्माना लगेगा।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने मोबाइल टावर लगाने की पॉलिसी को मंजूरी दे दी है। मोबाइल कंपनियां अब मनमानी ढंग से टावर नहीं लगा सकेंगी। अब किसी पार्क या ग्रीन बेल्ट में मोबाइल टावर लगवाने के लिए मोबाइल सेवा ऑपरेटर कंपनी को तय प्रारूप पर सीईओ के समक्ष आवेदन करना होगा। आवेदक को तीन लाख की बैंक गारंटी क्षतिपूर्ति के रूप में प्राधिकरण के खाते में जमा करनी होगी। दादरी क्षेत्र के तिलपता कंटेनर डिपो के समीप गति शक्ति कार्गो टर्मिनल विकसित किया जाएगा। इस परियोजना को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। इससे क्षेत्र में विकास को नई गति मिलेगी। पीएम गति शक्ति योजना के अंतर्गत यहां करीब 260 एकड़ में कार्गो टर्मिनल विकसित किया जाएगा। यह जमीन पाली व मकौड़ा गांव के पास स्थित है। प्राधिकरण के मुताबिक इससे लगभग 15 हजार लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही एनसीआर रीजन का मुख्य लॉजिस्टिक हब बन जाएगा।

# आईआईटी खड़गपुर के छात्र फैजान की हुई थी हत्या, दूसरी फॉरेंसिक रिपोर्ट में खुल गई पुलिस की पोल

**कोलकाता एजेंसी।** आईआईटी खड़गपुर में एक छात्र की मौत मामले में दो साल बाद कई बड़ी बातें सामने आई हैं। कलकत्ता हाई कोर्ट आदेश के बाद की गई दूसरी ऑटोप्सी की रिपोर्ट में पता चला है कि छात्र फैजान के गले पर चाकू का निशान पाया गया था। इसके अलावा उसके शव पर गोली के निशान भी पाए गए थे। इसी साल मई में दूसरी ऑटोप्सी रिपोर्ट हाई कोर्ट को सौंपी गई थी। अगले सप्ताह हाई कोर्ट इस मामले में सुनवाई करने वाला है। उससे पहले एक्सपर्ट कमेटी फाइनल रिपोर्ट दे सकती है।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक डॉ. एके गुपता की रिपोर्ट में बताया गया है कि फैजान की गर्दन के पास बाईं तरफ चाकू के निशान मिले हैं। हालांकि पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में इन घावों का जिक्र ही नहीं किया था। मिदनापुर मेडिकल कॉलेज में अक्टूबर 2022 में किए गए शव परीक्षण में भी किसी तरह के जख्म की जानकारी नहीं दी गई थी। इसके बाद फैजान की मां रेहाना ने हाई कोर्ट का रुख किया और जांच के लिए एसआईटी बनाने की मांग की। कोर्ट ने मई 2023 में

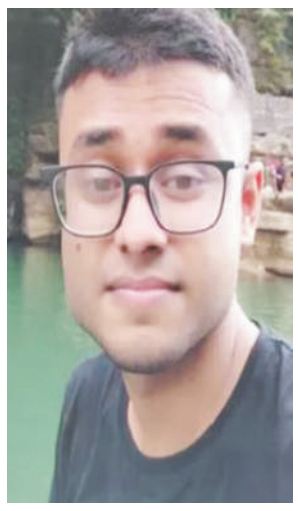

शव के अवशेष निकालकर दोबारा ऑटोप्सी करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा था कि छात्र की मौत के पीछे का सच सामने आना जरूरी है। हालांकि शुरुआती रिपोर्ट में कहा गया था कि फैजान ने खुदकुशी की है। परिवार यह बात मानने को तैयार नहीं था। फैजान के परिवार का कहना था कि आईआईटी खड़गपुर परिसर में फैजान के साथ रैगिंग हुई और इसके बाद उसकी हत्या कर दी गई।

फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा था कि उसके नाखूनों पर खून पाया गया था। इसके अलावा रीढ़ की हड्डी भी डेमेज थी। डॉ. गुप्ता की ऑटोप्सी में कई हैरान करने वाली बातें हैं। फैजान अहमद की खोपड़ी की एक हड्डी भी गायब थी। इस रिपोर्ट में जहर खाकर जान देने वाली थ्योरी को पूरी तरह नकार दिया। वहीं फैजान के परिवार का कहना है कि उसने खुदकुशी नहीं की थी बल्कि उसे मारा गया था। फैजान के परिवार के वकील अनिरुद्ध मित्रा ने कहा, बिना जांच के ही पुलिस ने इसे आत्महत्या का मामला बता दिया। आज तक पहली पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर ही जांच की जा रही है। हाई कोर्ट ने पुलिस को ऐसा ना करने के निर्देश भी दिए हैं। यहां तक कि संस्थान ने भी मामले को किसी तरह रफा दफा करने की कोशिश की। कॉरिडोर में कोई सीसीटीवी कैमरा भी नहीं लगा था। संस्थान में बच्चों के साथ रैगिंग हो रही थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जाती थी। इसका मतलब है कि प्रशासन भी आरोपियों की मदद में लगा था।

# फर्जी जॉब कन्सलटेंसी खोलकर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का हुआ पर्दाफाश

### 8 आरोपियों के साथ नकली नोट छपाई का मिला समान

**रायपुर, एजेंसी।** छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पुलिस ने 8 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रायपुर पुलिस ने नकली नोट छापने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए नौकरी नाम पर धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम दे रहे आरोपियों का पर्दाफाश किया है। पुलिस के मिताबिक गिरोह के द्वारा रायपुर में नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करते थे।

जानकारी के मुताबिक यह लोग फर्जी कंपनी खोलकर नौकरी दिलाने के नाम पर पैसे ऐंठने का काम कर रहे थे, जिसकी पुलिस को लगातार शिकायत मिल रही थी। ये गिरोह पंडरी में पैन इंडिया जॉब कन्सलटेंसी के नाम से फर्जी ऑफिस खोलकर लोगों से ठगी कर रहा था। बताया जा रहा है कि जब पुलिस मैके पर रेड मारने पहुंची तो कार्यालय बंद मिला। जिसके बाद पुलिस ने कार्यालय को खोलवाकर ऑफिस के अंदर रखे लैपटाप को जप्त किया गया है। जिसमें गिरोह के संबंध में कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली है।

पुलिस को यह भी पता चला है कि इसका एक और ब्रांच अशोका रतन रायपुर में स्थित है। जिसके बाद पुलिस की टीम ने अशोका रतन स्थित कार्यालय में दबिश दी है।

**फर्जी जॉब कन्सलटेंसी के नाम पर दे रहे थे धोका:** पुलिस के द्वारा दोनों इलाकों पर रेड मारने के बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की गई है। पूछताछ में पता चला है कि यह लोग जॉब कन्सलटेंसी, जॉब पेन इंडिया कंपनी पंडरी एवं अशोका रतन, अनुपम नगर रायपुर में खोलकर लोगो को जॉब दिलाने हेतु रजिस्ट्रेशन कर, रजिस्ट्रेशन फीस लेते थे। इसके साथ ही अभ्यर्थियों को इन्टरव्यू में फेल कर कैंडिडेट्स को पास कराने के नाम पर उनसे पैसे लेते थे। जिसके बाद ये स्पाईस जेट कंपनी के नाम से अपाइटमेंट लेटर भेजते थे। लेकिन जब वे वहां पहुंचते थे तो वहां ऐसी किसी भी बात से इंकार कर दिया जाता था। आरोपियों ने यह भी बताया कि, वाटर प्रिंटर की मदद से वो 500-500 रूपये की नोटों को छापते थे और उन्हें बाजार में चला दिया करते थे।

# गांव में दहशत फैलाने वाले मगरमच्छ को पुलिस ने मारी गोली, स्थानीय लोगों ने दावत में पकाकर खाया

**मेलबर्न, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया के गांव में स्थानीय लोगों ने एक पारंपरिक उत्सव के दौरान खारे पानी के एक बड़े मगरमच्छ को मारकर खा लिया। इस साल की शुरुआत में आई बाढ़ के बाद 3.63 मीटर लंबा मगरमच्छ 250 मीटर दूर बेन्स नदी में चला गया था। वह पानी से बाहर निकलकर बच्चों और वयस्कों पर हमला कर रहा था।मगरमच्छ ने कई कुत्तों को भी अपना शिकार बनाया था। आदिवासी समुदाय के लोगों से बात करने के बाद पुलिस ने मंगलवार मगरमच्छ को गोली मार दी। एक बयान जारी कर पुलिस ने कहा, स्थानीय लोगों और वन्यजीवों के परामर्श के बाद मगरमच्छ को गोली मार दी गई। अब यह समुदाय के लिए खतरा पैदा नहीं करेगा। पार्क और वन्यजीवन द्वारा एक मगरमच्छ सुरक्षा सत्र आयोजित किया गया, जिसमें मगरमच्छ को मारने के बाद

उसे पास के आदिवासी समुदाय तक पहुंचाया गया। दरअसल, यहां विशाल रेप्टाइल को दावत के लिए बनाया जाता है। उत्तरी क्षेत्र पुलिस सार्जेंट एंड्रयू मैकब्राइड ने कहाजानवर को मगरमच्छ की पूंछ के सूप में पकाया जाता है। उसे बारबेक्यू पर रखा गया और कुछ हिस्सों को केले के पत्तों में लपेटा गया और फिर पकाया गया। उन्होंने आगे कहा कि यह एक बड़ी पारंपरिक दावत थी। कमांडर काइली एंडरसन ने कहा कि मगरमच्छ सामुदायिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। उन्होंने पार्क, वन्यजीव, पुलिस और स्थानीय लोगों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद किया । उन्होंने आगे कहा कि हम बड़े मगरमच्छ को हटाने और समुदाय की सुरक्षा करने में सक्षम रहे।

# हमास ने नहीं मारा, इजरायल ने खुद उड़ाई अपनी गाड़ी; राफा में मारे गए 8 इजरायली सैनिक

**येरुशलम, एजेंसी।** राफा में इजरायल और हमास आतंकियों के बीच जंग चल रही है। गाजा को श्मशान बनाने के बाद इजरायली सेना अब हमास के आखिरी गढ़ में निर्णायक जंग लड़ रही है। इस बीच ऐसी रिपोर्ट सामने आई थी कि राफा में एक ऑपरेशन के लिए जाते वक्त हमास ने इजरायली सैनिकों के वाहन को बम से उड़ा दिया। इस हमले में 8 सैनिक मारे गए। हालांकि इस घटना को लेकर अब चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। इजरायली रक्षा सूत्रों का कहना है कि इजरायली सैनिकों की मौत की वजह हमास नहीं बल्कि उनकी खुद की गलती हो सकती है। जांच में सामने आया है कि जिस वाहन में इजरायली सैनिक सवार थे, उसमें विस्फोटक सामग्रियां रखी हुई थी। ऐसी संभावना ज्यादा है कि वाहन में रखा विस्फोटक फट गया और उसकी चपेट में आकर 8 इजरायली सैनिक मारे गए।

इजरायली सेना ने शनिवार को जानकारी दी कि सुबह-सुबह पांच बजे करीब दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा में एक विस्फोट में उसके आठ सैनिक मारे गए। यह इस क्षेत्र में जनवरी महीने से शुरू ऑपरेशन के बाद सबसे घटना बड़ी है। राफा में इजरायल को बीते 6 महीने में सबसे बड़ा नुकसान हुआ है। इस विस्फोट में डिप्टी

कमांडर वासेम महमूद के अलावा 7 सैनिक मारे गए। आईडीएफ ने सैनिकों के परिवारवालों को घटना की सूचना दे दी है।

### इजरायली सैनिकों ने खुद उड़ाई अपनी गाड़ी

पहले रिपोर्ट सामने आई थी कि यह हमला हमास आतंकियों द्वारा किया गया था। लेकिन, टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट है कि इजरायली सैनिकों ने गलती से खुद की गाड़ी उड़ा दी या फिर गाड़ी में रखा बम खुद ही विस्फोट हो गया। इस मामले की जांच की जा रही है। आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि सेना जांच कर रही है। हगारी ने कहा कि घटना के वक्त सैनिक राफा में एक ऑपरेशन के लिए जा रहा था। सुबह पांच बजे करीब वाहन में विस्फोट हुआ और आईडीएफ के 8 सैनिक मारे गए। जानकारी सामने आई है कि विस्फोट से पहले मौके पर न कोई गोलाबारी हुई और न ही किसी तरह का कोई संघर्ष हुआ। दरअसल, वाहन के अंदर बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्रियां थी। ऐसी संभावना जताई गई है कि बम सैनिकों की गलती या खुद से उड़ गया होगा।

# 72 के बुजुर्ग से 12 साल की बेटी की शादी, ऐन वक्त पर पहुंच गई पुलिस; जमकर बवाल

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान में महिलाओं के शोषण की खबरें अकसर सामने आती रहती हैं। अब एक और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पिता अपनी 12 साल की बेटी की शादी 72 साल के बुजुर्ग से कराने जा रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक पिता का नाम अलाम सैयद बताया गया है। पांच लाख की कीमत पर वह मासूम बेटी का निकाह 72 साल के हबीब खान से करवाने जा रहा था। मामले की जानकारी जब पुलिस को हुई तो बुजुर्ग दूल्हे और निकाह ख्वान को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं मासूम का पिता मौके से फरार हो गया।

पाकिस्तान न्यूज चैनल एआरआई न्यूज के मुताबिक लड़की के पिता के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पाकिस्तान में इस तरह की घटनाएं आम हो गई हैं। इसी तरह की घटना पाकिस्तान के पंजाब में रजनपुर थट्टा नाम के गांव में सामने आई थी। यहां एक पिता अपनी 11 साल की बेटी की शादी 40 साल के शख्स से करवा रहा था।

# अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले ईवीएम को लेकर एलन मस्क की चेतावनी

### ईवीएम को हैक किया जा सकता है- एलन मस्क

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** दुनिया की सबसे अमीर शख्सियतों में शुमार एलन मस्क आजकल काफी चर्चाओं में हैं। कभी कंपनी से निकाले गए कर्मचारियों से पैसे वापस मांगकर सुर्खियां बटोर लेते हैं तो कभी किसी और कारण से। अब मस्क ने अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले ही इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर सवाल उठा दिया है। उन्होंने शनिवार को चौंकाने वाला दावा किया। कहा कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है और इसे खत्म किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी चुनावों से ईवीएम को हटाने की मांग की। बता दें, टेस्ला के

सीईओ एलन मस्क ने यह बयान अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए स्वतंत्र उम्मीदवार रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए दिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार कैनेडी जूनियर ने एसोसिएटेड प्रेस का हवाला देते हुए एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा, 'प्यूर्टो रिको के प्राथमिक चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से संबंधित सैकड़ों मतदान अनियमितताएं सामने आई हैं। सौभाग्य से यह एक पेपर ट्रेल था, इसलिए समस्या की पहचान की गई और वोटों की गिनती को सही किया गया। सोचिए उन क्षेत्रों में क्या होता होगा, जहां कोई पेपर ट्रेल नहीं है?

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी नागरिकों के लिए यह जानना आवश्यक है कि उनके प्रत्येक वोट की गणना की गई है। उनके चुनावों में कोई सेंध नहीं लगाई जा सकती। चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक हस्तक्षेप से बचने के लिए उन्हें पेपर बैलेट पर वापस लौटना होगा।

एक्स पर कैनेडी जूनियर की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एलन मस्क ने कहा, हमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म कर देना चाहिए। मनुष्यों या एआई द्वारा हैक किए जाने का जोखिम, हालांकि छोटा है, लेकिन फिर भी बहुत अधिक है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें एक प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है, जिनका इस्तेमाल चुनावों में मतों को रिकॉर्ड करने और गिनने के लिए किया जाता है। इन मशीनों का मुख्य उद्देश्य मत प्रक्रिया को सरल, तेज और विश्वसनीय बनाना है। भारत में ईवीएम का इस्तेमाल विभिन्न प्रकार के चुनावों में किया जाता है, जैसे कि लोकसभा, विधानसभा और पंचायत चुनाव शामिल हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129